रांची एक्सप्रेस
61 साल से लगातार... । जनपक्षीय पत्रकारिता ।
देसी अंदाज नया मिजाज
1963 से लगातार आपकी सेवा में
रांची एक्सप्रेस
epaper.theranchiexpress.com
वर्ष-02 अंक-65 कोलकाता, बुधवार 01 मई 2024, संवत् 2079 पृष्ठ-12
मूल्य 3 रु.

मैं इस साल भी नहीं कर पाया...

आई एम सॉरी पापा

- और कोटा में डॉक्टर बनने का सपना लिए फंदे से झूल गया भरत, 4 महीने में ये 8वीं जान गई

कोटा (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा के धौलपुर निवासी भरत कुमार राजपूत ने अपने पिता को सादे कागज पर लिखा, पापा, मुझे माफ करना, इस बार भी मेरा नीट में चयन नहीं हो पाएगा। इस संदेश के बाद उसने दुखद रूप से अपनी जान ले ली। यह दुखद घटना जवाहर नगर थाने के तलवंडी इलाके में हुई। भरत यहां अपने भांजे के साथ एक पीजी में रह रहा था। मंगलवार को भरत की मौत ने एक बार फिर उन सरकारी और गैर सरकारी दावों की पोल खोल दी है, जिनमें कोटा कोचिंग छात्रों के मानसिक तनाव को दूर करने के लिए प्रयास किए गए हैं। पिछले चार महीने में भरत के माता-पिता की तरह 8 परिवार अपने बच्चों की जान गंवा चुके हैं। नीट की परीक्षा के अपने रिजल्ट को लेकर परेशान भरत इससे पहले दो बार नीट परीक्षा दे चुका था। परीक्षा में अपने तीसरे प्रयास की तैयारी के लिए वह कोटा में रह रहा था और कोचिंग ले रहा था। भरत के भतीजे रोहित राजपूत ने

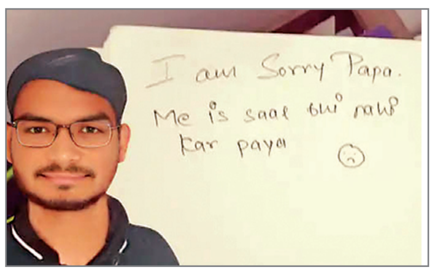

उसकी तैयारी के बारे में भी जानकारी दी। रोहित ने बताया कि उसकी अच्छी तैयारी थी और 500 प्लस नंबर बना लेने जितना अच्छा विश्वास था लेकिन परीक्षा और नतीजे से पहले ही उसने पता नहीं क्यों यह कदम उठाया।

टी-20 वर्ल्डकप के लिए भारतीय टीम का ऐलान

शिवम दुबे को टीम में जगह, पंत-सैमसन विकेटकीपर; गिल और रिंकू सिंह रिजर्व प्लेयर

मुंबई (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है। 2024 का टी-20 वर्ल्ड कप 2 से 29 जून तक अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेला जाएगा। टीम इंडिया 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले से अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए भारतीय टीम -रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल. अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज। रिजर्व प्लेयर- शुभमन गिल, खलील अहमद, रिंकू सिंह, आवेश खान। टीम इंडिया पहला मुकाबला 5 जून को आयरलैंड से खेलेगी। टीम का

दूसरा मुकाबला 9 जून को पाकिस्तान, 12 जून को तीसरा मुकाबला अमेरिका और 15 जून को चौथा मुकाबला कनाडा से होगा।

इस बार टी-20 वर्ल्ड कप 2 से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच कनाडा और होम टीम अमेरिका के बीच डालास में होगा। फाइनल मैच 29 जून को वेस्टइंडीज के बारबाडोस शहर में होगा। सुपर-8 और नॉकआउट मैच वेस्टइंडीज में होंगे।

पेनल्टी क्यों न लगाएं, बाबा रामदेव के सामने नई मुश्किल

- अब जीएसटी ने भेजा 27 करोड़ का नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। पतंजलि समूह की परेशानियां खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब पतंजलि फूड्स को जीएसटी यानी वस्तु एवं सेवा कर की तरफ से नोटिस मिला है, जिसमें करोड़ों रुपये के टैक्स क्रेडिट को लेकर सवाल पूछे गए हैं। इधर, मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में अवमानना के मामले में फिर सुनवाई जारी है। योग गुरु बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण अदालत पहुंचे हैं। खबर है कि पतंजलि फूड्स को जीएसटी इंटेलिजेंस के चंडीगढ़ जोनल यूनिट से यह नोटिस मिला है। कारण बताओ नोटिस के जरिए पूछा गया है कि कंपनी से 27.46 करोड़ रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट को क्यों नहीं वसूला जाना चाहिए। कंपनी ने कहा, एक शोकॉज नोटिस मिला है... जिसमें कंपनी, उसके अधिकारियों और पदाधिकारियों से कारण बताने के लिए कहा गया है कि 27,46,14,343 रुपये इनपुट टैक्स क्रेडिट क्यों नहीं (ब्याज के साथ) वसूल किया जाना चाहिए। साथ ही पेनल्टी क्यों नहीं लगाई जानी चाहिए...। पतंजलि फूड्स का कहना है, अब तक सिर्फ शोकॉज नोटिस मिला है और कंपनी अपना पक्ष रखने के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है। बीते सप्ताह ही पतंजलि फूड्स ने कहा था कि प्रमोटर समूह पतंजलि आयुर्वेद के नॉन फूड बिजनेस को अधिग्रहित करने के प्रस्ताव का मूल्यांकन किया जाएगा।

मोदी को मारो, मोदी को पीटो और मोदी को खूब गाली दो

महाराष्ट्र की रैली में विपक्ष पर जमकर बरसे प्रधानमंत्री

उस्मानाबाद (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उस्मानाबाद में आयोजित विशाल जनसभा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मोदी आपका जीवन बदलने के लिए दिन-रात काम करता है।

वहीं इंडिया गठबंधन वाले मोदी को बदलने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं। मैं आपका जीवन बदलना चाहता हूं लेकिन वे मुझे बदलना चाहते हैं। फेक वीडियो को लेकर उन्होंने कहा, इनकी हालत यह है कि झूठ नहीं चलता है तो एआई से हमारे चेहरे का उपयोग करते हैं। उनकी मोहब्बत की दुकान में फेक वीडियो बिकने लगे हैं। मोदी की आवाज को और मोदी के भाषण का उपयोग करके नई-नई चीजें गढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, वे मोदी को गालियां देते फिरेंगे। हमारे ऊपर अनगिनत झूठे आरोप लगाएंगे। आजकल तो ये दिन-रात मोदी को गाली देने में लगे हैं। ये देश के लिए क्या करेंगे उसका कुछ पता नहीं है।

गर्मी का कहर

'लू' के थपेड़ों से धधक रहे शहर

45 डिग्री तक पहुंचा पारा, घर से निकलना भी मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारतीय राज्यों में इस वक्त भीषण गर्मी का कहर जारी है। चिलचिलाती धूप और लू के थपेड़ों ने लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल कर दिया है। कई शहर लू के थपेड़ों में धधक रहे हैं। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले दो से तीन दिनों के लिए आंध्र प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा समेत कई राज्यों के लिए हीटवेव का रेड अलर्ट जारी किया है। कुछ राज्यों में स्कूलों में कक्षाएं निलंबित कर दी गई हैं। पारा 45 डिग्री तक पहुंच गया है। अपने नवीनतम मौसम बुलेटिन में आईएमडी ने बताया कि पूर्वी भारत में अगले दो से तीन दिन भीषण गर्मी का कहर होने वाला है। जबकि, अगले पांच दिनों तक दक्षिण प्रायद्वीपीय क्षेत्र में गर्मी जारी रहेगी। आईएमडी ने तेलंगाना, कर्नाटक और सिक्किम के कुछ हिस्सों के लिए ऑरेंज

अलर्ट भी जारी किया है। सोमवार को पश्चिम बंगाल, गुजरात, बिहार, सिक्किम, ओडिशा, झारखंड, केरल और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में लू चली। आंध्र प्रदेश के कलाईकुंडा और कंडाला में अधिकतम तापमान 45.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से आठ डिग्री अधिक था। आंध्र के नंद्याल शहर में पारा 45 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सोमवार को ओडिशा के बारीपदा में 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, इसके बाद बिहार का शेखपुरा तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पीटीआई के मुताबिक, आईएमडी ने कहा है कि रेड अलर्ट वाले क्षेत्रों में लोग हीटस्ट्रोक तेजी से फैल रहा है। एजेंसी ने लोगों से अत्यधिक सावधानी बरतने को कहा है।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों की नक्सलियों पर कमर तोड़ कार्रवाई

- मुठभेड़ में 2 महिला समेत 8 नक्सली ढेर

रायपुर (एजेंसी)। बस्तर और कांकेर जिलों की सीमा से लगे जंगलों में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो महिलाओं सहित लगभग आठ नक्सली मारे गए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, मारे गए माओवादियों की संख्या बढ़ सकती है। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक पी सुदनराज ने इस एनकाउंटर की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र की सीमा पर टेकमेटा

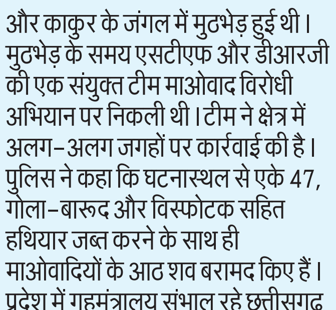

और काकुर के जंगल में मुठभेड़ हुई थी। मुठभेड़ के समय एसटीएफ और डीआरजी की एक संयुक्त टीम माओवाद विरोधी अभियान पर निकली थी। टीम ने क्षेत्र में अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई की है। पुलिस ने कहा कि घटनास्थल से एके 47, गोला-बारूद और विस्फोटक सहित हथियार जब्त करने के साथ ही माओवादियों के आठ शव बरामद किए हैं। प्रदेश में गृहमंत्रालय संभाल रहे छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा माओवादियों के साथ बातचीत के लिए अपनी पेशकश दोहरा रहे हैं।

पतंजलि केस में अब बढ़ी आईएमए की मुश्किल

एससी ने दी ऐक्शन की चेतावनी, भारी पड़े अदालत के खिलाफ बोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ भ्रामक विज्ञापन के मामले में अब सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन मेडिकल एसोसिशन को भी आड़े हाथों लिया है। केस की सुनवाई के दौरान अदालत ने आईएमए को भी नसीहत देते हुए कहा था कि आपको अपने डॉक्टरों के बारे में भी विचार करना चाहिए। अकसर वे महंगी और गैर-जरूरी दवाएं मरीजों को लिख देते हैं। इसके अलावा कोर्ट की बेंच ने कहा था कि यदि आप एक उंगली किसी की ओर उठाते हैं तो बाकी आपकी ओर भी उठती हैं। इसी नसीहत पर आईएमए के अध्यक्ष डॉ. आरवी अशोकन ने अपनी प्रतिक्रिया दी थी और अदालत की टिप्पणियों पर सवाल उठाए थे। एक इंटरव्यू के दौरान अशोकन ने सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों पर कहा था कि यह भाषा ठीक नहीं है। इसी पर मंगलवार को पतंजलि और बाबा रामदेव के वकील मुकुल रोहतगी ने अदालत का ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने कोर्ट से कहा, मैंने कल आईएमए के अध्यक्ष का इंटरव्यू देखा। उनका कहना था कि अदालत हमारी ओर उंगली क्यों उठा रही है। अदालत की कार्यवाही में दखल है।

- अमित शाह फेक वीडियो केस

बड़ा ऐक्शन, 2 अरेस्ट, एएपी-कांग्रेस से लिंक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के फर्जी वीडियो मामले में पुलिस हरकत में आ गई है। खबर है कि दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि दोनों आम आदमी पार्टी यानी एएपी और कांग्रेस से जुड़े हुए हैं। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को भी इससे जुड़े मामले में पूछताछ के लिए तलब किया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, आप और कांग्रेस से जुड़े दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अहमदाबाद साइबर क्राइम टीम ने यह कार्रवाई की है। इससे पहले सोमवार को असम पुलिस ने भी कहा था कि एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से एक लैपटॉप और दो मोबाइल फोन भी जब्त किए गए थे। असम के मुख्यमंत्री ने बताया था कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का नाम रीतोम सिंह है।

प्रियंका गांधी का डेब्यू टला! राहुल पर सस्पेंस बरकरार

- 24 घंटे में कांग्रेस कर सकती है अमेठी-रायबरेली का फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के दो चरण हो चुके हैं, लेकिन कांग्रेस ने अब तक उत्तर प्रदेश की अमेठी और रायबरेली पर पत्ते नहीं खोले हैं, लेकिन संभावनाएं जताई जा रही हैं कि पार्टी जल्दी दोनों सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर सकती है। कहा यह भी जा रहा है कि प्रियंका गांधी वाड्रा के लोकसभा चुनाव लड़ने की संभावनाएं कम हैं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, प्रियंका गांधी के 2024 लोकसभा चुनाव लड़ने के आसार कम हैं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि प्रियंका चुनाव में सिर्फ प्रचार करेंगी। साथ ही कांग्रेस रायबरेली और अमेठी को लेकर 24 घंटों में बड़ा फैसला ले सकती है। अटकलें थीं कि प्रियंका रायबरेली से मैदान में उतर सकती हैं। उत्तर प्रदेश की दोनों ही सीटें कांग्रेस का गढ़ मानी जाती हैं।

नौसेना के नए चीफ बने दिनेश त्रिपाठी, संभाला पद

- शपथ लेने से पहले मां के पैर छुए, कहा-आत्मनिर्भरता की दिशा में नौसेना को मजबूत करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने मंगलवार को नेवी के 26वें चीफ के तौर पर पदभार संभाल लिया है। उन्होंने एडमिरल आर हरि कुमार की जगह ली है। पदभार संभालने से पहले उन्होंने अपनी मां रजनी त्रिपाठी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि विकसित भारत में योगदान के लिए भारतीय नौसेना को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में हम काम करेंगे। कम्युनिकेशन एंड इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर के स्पेशलिस्ट माने जाने वाले एडमिरल दिनेश त्रिपाठी अब तक नेवी के वाइस चीफ की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। एडमिरल त्रिपाठी को दिल्ली में नेवी चीफ का पदभार सौंपा गया। 60 साल के एडमिरल त्रिपाठी त्रिपाठी 39 साल से नौसेना में हैं। उन्होंने कहा- पिछले कुछ वर्षों में हमारी नौसेना एकजुट और विश्वसनीय फोर्स के रूप में डेवलेप हुई है। इसके लिए मैं नौसेना के सभी पूर्व प्रमुखों का धन्यवाद करता हूं। मेरी प्राथमिकता हमारे ह्यूमन रिसोर्सेस को पहले से और भी ज्यादा कुशल बनाना है। 15 मई, 1964 को जन्मे एडमिरल त्रिपाठी को 1 जुलाई, 1985 को भारतीय नौसेना में नियुक्त किया गया था।

कर्नाटक सेक्स स्कैंडल

एसआईटी जांच तक जेडीएस नेता प्रज्वल पार्टी से सस्पेंड

- कोर कमेटी की बैठक में हुआ फैसला, कर्नाटक में कोहराम

बेंगलुरु (एजेंसी)। जनता दस (सेक्युलर) ने मंगलवार को हासन से पार्टी सांसद और लोकसभा से उम्मीदवार प्रज्वल रेवन्ना को पार्टी से सस्पेंड कर दिया है। पूर्व सीएम एचडी कुमारस्वामी ने मंगलवार को जेडीएस कोर कमेटी की बैठक की। इसमें प्रज्वल को पार्टी से सस्पेंड करने का फैसला लिया गया। बैठक के बाद जद (एस) कोर कमेटी के अध्यक्ष जीटी देवेगौड़ा ने कहा कि हम प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ एसआईटी बनाने का स्वागत करते हैं। हमने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को एसआईटी जांच पूरी होने तक प्रज्वल को पार्टी से सस्पेंड करने को कहा है। वहीं, कुमारस्वामी ने कहा प्रज्वल का सस्पेंशन एसआईटी जांच पूरी होने तक है। मैंने गलत करने वाले का कभी बचाव नहीं किया, लेकिन इस विवाद में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा का नाम लेना गलत है। कांग्रेस हमारे परिवार में फूट डालने की कोशिश कर रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रज्वल से जुड़े सवाल के जवाब में गुवाहाटी में कहा- बीजेपी मातृशक्ति

के साथ है। इस जांच को आगे बढ़ाएं। जद (एस) पार्टी ने प्रज्वल को सस्पेंड कर दिया है। उन पर सख्त एक्शन लिया जाएगा। कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष विजयेंद्र येदियुरप्पा ने भी कहा है बीजेपी का रुख स्पष्ट है। कोई भी राजनीतिक दल इस मामले में समर्थन नहीं करेगा। राज्य सरकार पहले ही एसआईटी बना चुकी है, इसलिए जांच जारी रहेगी। इससे पहले जेडीएस विधायक समृद्धि मंजूनाथ ने कहा, विधायक रेवन्ना और उनके सांसद पुत्र प्रज्वल पर यौन शोषण का केस दर्ज होने से पार्टी वर्करों को शर्मिंदगी उठानी पड़ रही है। पूर्व पीएम देवेगौड़ा के विधायक बेटे एचडी रेवन्ना (67) और सांसद पोते प्रज्वल रेवन्ना (33) के खिलाफ उनकी मेड (घरेलू सहायिका) ने यौन शोषण की एफआईआर दर्ज कराई है। केस हासन के होलेनरासीपुर थाने में दर्ज कराया गया। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रज्वल के करीब 200 से ज्यादा आपत्तिजनक वीडियो वायरल हुए हैं। दावा किया गया है कि वायरल वीडियो में दिख रहीं महिलाएं खुद को छोड़ने की गुहार लगाती हुई रो रही हैं और प्रज्वल वीडियो शूट कर रहे हैं। कर्नाटक महिला आयोग ने इसे राज्य का सबसे बड़ा सेक्स स्कैंडल बताया है।

हुगली जलस्तर गिरा, मेयर फिरहाद हकीम ने पानी बर्बादी रोकने की अपील

कोलकाता,एजेन्सी। फ़िल्टर किए गए पानी की बढ़ती मांग और हुगली में जल स्तर में गिरावट के मद्देनजर, कोलकाता नगर निगम (केएमसी) ने सोमवार को चिंता व्यक्त की कि अगर बर्बादी तुरंत नहीं रोकी गई तो शहर के कुछ इलाकों में पानी की कमी हो जाएगी। . मेयर फिरहाद हकीम ने सोमवार को नागरिकों से अपील की कि वे फ़िल्टर किए गए पानी को बर्बाद करने से बचें क्योंकि इससे निकट भविष्य में पानी की कमी हो जाएगी। हमने देखा है कि कई मोहल्लों में, लोग सड़क किनारे लगे नल को खुला रखकर या ओवरहेड टैंक को ओवरफ्लो करके फ़िल्टर किए गए पानी को बर्बाद कर देते हैं। अगर पानी की इतनी भारी बर्बादी जारी रही, तो इससे जल वितरण नेटवर्क पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। बड़े हिस्से में लोग इससे पीड़ित होंगे। एक गंभीर संकट, हकीम ने कहा। केएमसी जल आपूर्ति विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, हुगली में जल स्तर में गिरावट के कारण पल्टा वॉटरवर्क्स में इनटेक जेटी पर कच्चे पानी की निकासी प्रभावित हुई है। 14 दिनों के चक्र में, हमें केवल आठ दिनों में पर्याप्त आपूर्ति मिल रही है, जबकि बाकी दिनों में निकासी काफी कम हो जाती है। इससे घबराहट पैदा हो गई है। हम पानी का अधिकतम उत्पादन बनाए रखने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। पल्टा जल उपचार संयंत्र जो शहर के प्रमुख हिस्सों में आपूर्ति करता है, अधिकारी ने कहा। इसी तरह, केएमसी जल आपूर्ति विभाग के अधिकारी गार्डन रीच जल उपचार संयंत्र में उत्पादन में गिरावट से चिंतित हैं, जो दक्षिण कोलकाता के बड़े हिस्से में फ़िल्टर्ड पानी की आपूर्ति करता है। कोलकाता के अतिरिक्त क्षेत्रों, विशेष रूप से बेहाला और टॉलीगंज-जादवपुर बेल्ट के कुछ हिस्सों में पीने के पानी की बढ़ती आवश्यकता के जवाब में, केएमसी जल आपूर्ति विभाग ने टॉलीगंज बेल्ट के कई इलाकों, ईएम बाईपास के आसपास के इलाकों और कई इलाकों में 200 टैंकरों की आपूर्ति शुरू कर दी है। बेहाला के वे क्षेत्र जहां के निवासी अभी भी भूजल पर निर्भर हैं। चिलचिलाती गर्मी के कारण पीने योग्य पानी की मांग में वृद्धि हुई है, खासकर उन क्षेत्रों में जो परंपरागत रूप से ट्यूबवेलों पर निर्भर हैं, जिन्हें अब ट्यूबवेल जोन कहा जाता है।

हाई-प्रोफाइल बैरकपुर में तृणमूल मंत्री और भाजपा के टर्नकोट के बीच करीबी मुकाबला

कोलकाता,एजेन्सी। बैरकपुर लोकसभा क्षेत्र में चुनावी लड़ाई कांटे की टक्कर की होने की संभावना है, जहां टीएमसी को भगवा खेमे से सीट छीनने के लिए भाजपा उम्मीदवार के बाहुबली फैक्टर को मात देने की कठिन चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

यह उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर में एक अद्भुत स्थिति है, जहां अर्जुन सिंह टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी द्वारा नामांकन से इनकार किए जाने के बाद भाजपा के टिकट पर मैदान में उतरे, जो पांच साल पहले की घटनाओं को दर्शाता है जब उन्होंने 2019 का चुनाव जीतने के लिए तृणमूल से भाजपा में प्रवेश किया था। केवल तीन साल बाद टीएमसी में वापस कूदने के लिए।

सिंह ने कहा कि इस साल मार्च में फिर से भाजपा में शामिल होने और भगवा पार्टी से नामांकन हासिल करने से पहले उन्हें बनर्जी द्वारा धोखा दिया गया महसूस हुआ।

टीएमसी ने भाजपा की चुनौती का मुकाबला करने के लिए अपने नैहाटी विधायक और राज्य मंत्री पार्थ भौमिक को नामित किया, जो उसी जिले से संसदीय राजनीति में पहली बार आए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा कि टीएमसी की संभावना काफी हद तक इस बात पर निर्भर करती है कि सिंह के गृह क्षेत्र नैहाटी और अल्पसंख्यक मतदाताओं की उच्च सांद्रता वाले विधानसभा क्षेत्र अमदंगा में भौमिक किस तरह की बढ़त हासिल करने में कामयाब होते हैं। राजनीतिक विश्लेषक विश्वनाथ चक्रवर्ती ने पीटीआई-भाषा को बताया, बैरकपुर में अर्जुन एक प्रभावशाली कारक हैं। क्षेत्र के हिंदी भाषियों का एक बड़ा हिस्सा हमेशा उनकी पार्टी की निष्ठा के बावजूद उन्हें वोट देगा। यही उनकी यूएसपी है।

उनका इशारा 30-35 प्रतिशत हिंदी भाषी मतदाताओं की ओर था, जो विशेष रूप से निर्वाचन क्षेत्र के जूट बेल्ट में केंद्रित थे। रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर चक्रवर्ती ने कहा, हिंदी भाषियों के बीच अयोध्या में राम मंदिर के अभिषेक को

लेकर शुरुआती उत्साह था, हालांकि वह उत्साह अब कम होता दिख रहा है। हालाँकि, भौमिक को लगता है कि सिंह का तथाकथित प्रभाव केवल बैरकपुर के सात विधानसभा क्षेत्रों में से एक, भाटपारा तक ही सीमित है।

बीजेपी 2021 के चुनावों में जगतदल विधानसभा सीट क्यों हार गई? वह अपने प्रभाव का इस्तेमाल उन छह अन्य विधानसभा सीटों को जीतने के लिए क्यों नहीं कर सके जो टीएमसी ने 2021 में जीती थीं? यह मेरा घरेलू क्षेत्र है, और लोग मुझे अच्छी तरह से जानते हैं। टीएमसी उम्मीदवार ने कहा, मतदाताओं के एक बड़े वर्ग के बीच भाजपा उम्मीदवार का कोई प्रभाव नहीं है। सिंह ने कहा कि पार्टी के एक पूर्व सहयोगी के खिलाफ चुनाव लड़ने से उन्हें फायदा मिला। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, बैरकपुर के उम्मीदवार के चयन से निराश कुछ टीएमसी कार्यकर्ता खुले तौर पर मेरा समर्थन कर रहे हैं, जबकि कुछ, जो गुप्त रूप से मेरे संपर्क में हैं, वे भी अपनी पार्टी नेतृत्व के खिलाफ अपनी शिकायतें दर्ज कराने के लिए भाजपा को वोट देंगे। यह बताया गया कि पार्टियों के बीच उनका बार-बार उतार-चढ़ाव भगवा खेमे के पुराने लोगों को पसंद नहीं आएगा, उन्होंने कहा, लोग नरेंद्र मोदी जी को वोट देंगे। चक्रवर्ती ने कहा कि टर्नकोट लेबल सिंह के लिए एक बड़ी चुनौती नहीं होगी।

उन्होंने कहा, ऐसी अफवाहें थीं कि सिंह 2022 से टीएमसी के साथ अपने दो साल के कार्यकाल के दौरान भी भाजपा के केंद्रीय और राज्य नेताओं के संपर्क में रहे। जब वह भगवा खेमे में फिर से शामिल हुए तो स्थानीय भाजपा नेताओं ने कोई विरोध प्रदर्शन नहीं किया। चक्रवर्ती ने बताया, अमदंगा में पर्याप्त बढ़त, जहां बड़े पैमाने पर मुस्लिम मतदाता टीएमसी के लिए महत्वपूर्ण हैं, साथ ही नैहाटी में भौमिक के लिए भाटपारा, जगतदल और बैरकपुर विधानसभा क्षेत्रों पर सिंह के प्रभाव को दूर करने के लिए आवश्यक है।बैरकपुर में सिंह की चुनावी रणनीति क्या होगी जहां भाजपा का केवल एक विधायक है? सिंह ने कहा, 2009 में जब टीएमसी ने सीपीआई (एम) से सीट छीन ली थी, तब पार्टी ऐसी ही स्थिति में थी। मैंने तब टीएमसी उम्मीदवार दिनेश त्रिवेदी के साथ बड़े पैमाने पर काम किया था। उसी टीएमसी उम्मीदवार को 14,000 से अधिक वोटों के अंतर से हराया। भौमिक ने आरोप लगाया कि मतदाता पिछली बार सीट जीतने के बाद सिंह द्वारा 2019 में की गई चुनाव बाद हिंसा का विरोध करने के लिए टीएमसी को चुनेंगे। उन्होंने कहा, मतदाता उनकी अवसरवादी राजनीति और पाला बदलने का करारा जवाब देंगे। टीएमसी के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों का उनकी जीत की संभावनाओं पर असर के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि पार्टी ने शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाई और अनियमितताओं में शामिल लोगों को निष्कासित कर दिया जबकि भाजपा अपराधों में आरोपियों को आश्रय प्रदान कर रही है। राजनीतिक विश्लेषक सुभोमय मैत्रा ने दावा किया कि इस निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा और टीएमसी के बीच कड़ी टक्कर होगी।

मध्यवर्गीय बंगाली मतदाता, जो मानसिक रूप से बाहुबल और धनबल के विरोधी हैं, सीपीआई (एम) के उम्मीदवार देबदुत घोष, एक प्रमुख थिएटर व्यक्तित्व और टीएमसी उम्मीदवार, जो सांस्कृतिक क्षेत्रों से भी जुड़े हुए हैं, में से किसी एक को चुन सकते हैं। इनमें से एक वर्ग मतदाताओं को सिंह के पाला बदलने पर आपत्ति हो सकती है, लेकिन भाजपा उम्मीदवार निश्चित रूप से निम्न आय वर्ग के लोगों को प्रभावित करेंगे। मैत्रा ने कहा कि इस बार बैरकपुर में सीपीआई (एम) का वोट शेयर बढ़ने की संभावना है और इससे तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी का चुनावी गणित गड़बड़ा जाएगा। पिछले अवसरों के विपरीत, वामपंथियों के भीतर कोई अंदरूनी कलह नहीं है और इससे उन्हें वोट शेयर हासिल करने में मदद मिल सकती है। यह स्विंग या तो बीजेपी की झोली से आएगी या टीएमसी की। जिस उम्मीदवार का वोट सीपीआई (एम) को मिलेगा

नवीनतम नौकरी घोटाला वहां प्रभावित करता जहां यह सबसे अधिक नुकसान पहुंचाताः शिक्षा और शिक्षण

कोलकाता,एजेन्सी। 20 अप्रैल की दोपहर में, तनिमा बिस्वास ने काकद्वीप सरकार प्रायोजित आश्रम हाई स्कूल में अपने छात्रों को अलविदा कहा। वह नहीं जानती थी कि वह आखिरी बार उन्हें देखेगी। नौवीं और दसवीं कक्षा के लड़कों और लड़कियों को भौतिकी पढ़ाने वाली युवती उन 25,753 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों में से एक है, जिनके नाम दो दिन बाद (22 अप्रैल) कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के बाद राज्य शिक्षा विभाग के पेरोल से काट दिए गए थे। एक दागी सरकार-पर्यवेक्षित चयन प्रक्रिया पर फैसला सुनाते हुए।

अगर उनकी चलती, तो 32 वर्षीय तनिमा शायद भारतीय रेलवे या सीमा सुरक्षा बल या केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में काम कर रही होती क्योंकि उन्होंने सभी के लिए प्रवेश स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। उसके लिंग और संबंधित मध्यवर्गीय परिवार की उलझनों ने उसे इसकी अनुमति नहीं दी। पांच भाइयों और दो बहनों में से एक, उसके परिवार ने विवाह योग्य उम्र की महिला के लिए वर्दी पहनना उचित नहीं समझा। एकमात्र विकल्प जो बचा था वह था पढ़ाना।

बंगालियों के लिए शिक्षण हमेशा सबसे स्वीकार्य पेशा रहा है, स्कूल या कॉलेज के संरक्षक के सम्मान के आवरण में छिपे व्यवसायों या उद्यमशीलता उद्यमों में फिट होने की उनकी पारंपरिक अक्षमता अनिवार्य रूप से आकर्षित करती है। कॉरपोरेट नौकरियाँ भी संपन्न लोगों के लिए एक विकल्प थीं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उद्योग-विहीन बंगाल में इनकी कमी हो गई है। यह देखते हुए कि बंगाल के अधिकांश हिस्से मुफस्सिल बने हुए हैं - कुछ जिला कस्बों को छोड़कर - स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, नागरिक निकायों और अर्ध-सरकारी निकायों में सरकार द्वारा दी जाने वाली नौकरियां, आज के युवाओं के लिए सामाजिक गतिशीलता सुनिश्चित करने का

एकमात्र साधन हैं। और स्वीकार्यता.

इसलिए, राजनीतिक रूप से अशांत राज्य में उपलब्धता के ग्राफ की तुलना में उन्मादी भीड़ - एक बेहद विषम मांग, जिसके कारण सरकारी शिक्षकों की नौकरियां प्राप्त करने में व्यापक भ्रष्टाचार हुआ, एक रिश्वत-युक्त प्रणाली जो किसी भी तरह से बंगाल के लिए विशेष नहीं है, लेकिन वर्षों से राजनीतिक संरक्षण के कारण इसने कुटीर उद्योग का रूप धारण कर लिया है।

पश्चिम बंगाल सिविल सेवा की तैयारी के दौरान, तनिमा ने 2016 में आयोजित स्कूल सेवा आयोग की राज्य स्तरीय चयन परीक्षा पास की और फरवरी 2019 में, बंगाल के 4,74,844 सरकारी स्कूल शिक्षकों में से एक बन गईं। 22 अप्रैल को, तनीमा और उनके दो सहयोगियों ने उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ के आदेश के बाद अपनी नौकरी खो दी, जिसने मूल रूप से तीन वर्षों में आयोजित सभी भर्तियों को रद्द कर दिया था क्योंकि यह यह पता लगाने में असमर्थ था कि नियुक्त लोगों में से किसे नौकरी मिली थी। अनुचित तरीकों से~रिश्वत, जिसके कथित प्राप्तकर्ताओं में एक मंत्री, विधायक और अधिकारी शामिल हैं जिन्होंने कथित तौर पर मेरिट सूची में हेरफेर करने के लिए 5 लाख रुपये से 15 लाख रुपये के बीच कुछ भी खर्च किया।

2016 में कुछ समय के लिए उजागर हुई नियुक्तियों में अनियमितताओं के कारण लंबी कानूनी लड़ाई हुई, जिसमें पिछले कुछ वर्षों में 300 से अधिक याचिकाएं दायर की गईं और सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों द्वारा जांच की गई। बंगाल की ममता बनर्जी सरकार ने उच्च न्यायालय के नवीनतम फैसले को पिछले सप्ताह उच्चतम न्यायालय में चुनौती देते हुए तर्क दिया कि अदालत ने गलती से उन लोगों से वैध उम्मीदवारों को अलग करने के बजाय पूरी चयन प्रक्रिया को रद्द कर दिया, जिन्होंने नौकरियों को सुरक्षित करने के लिए अनुचित साधनों का इस्तेमाल किया था।

उच्च न्यायालय ने गतिरोध के लिए राज्य सरकार और उसकी विभिन्न भर्ती एजेंसियों की दुविधा को जिम्मेदार ठहराया। इन सभी मामलों की सुनवाई के दौरान, एसएससी, राज्य और बोर्ड ने लगातार असहयोग किया है...

धोखाधड़ी की गई और जारी रखी गई, यह गहरी और व्यापक है। लौकिक अनाज को भूसे से हटाने का कोई भी प्रयास एक लाभहीन अभ्यास होगा, पीड़ा को लम्बा खींचेगा और बेईमानी का प्रीमियम लगाएगा... हमारे पास सभी नियुक्तियों को रद्द करने का एकमात्र विकल्प बचा है..., फैसले में कहा गया है।

कुल मिलाकर 25,753 नियुक्तियां रद्द कर दी गई हैं. लेकिन अदालत के फैसले में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि नौकरी खोने वालों में से कितने शिक्षक थे और कितने गैर-शिक्षण श्रेणी के थे। प्रभावित होने वाले स्कूलों की संख्या भी अभी तक स्पष्ट नहीं है।

तनिमा की तरह, रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर समरेश साधुखान को मुर्शिदाबाद के लालगोला के एक स्कूल में भौतिकी शिक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था। वह 12 जून, 2019 को शामिल हुए। उन्होंने रसायन विज्ञान में स्नातक की डिग्री हासिल करने के दौरान एक मुफ्त स्कूल में एक ट्यूटर के रूप में पढ़ाने की शुरुआत की। जब वे स्नातक हुए, तब तक उन्हें अध्यापन में आनंद आने लगा था। अपनी डिग्री प्राप्त करने के बाद, मैंने दो या तीन निजी कंपनियों में आवेदन किया और साक्षात्कार में भी उपस्थित हुआ। उनमें से कुछ भी नहीं निकला, साधुखान ने कहा। तब तक मुझे पढ़ाना पसंद हो गया था और मैंने इसी से जुड़े रहने का फैसला किया।

अब, साधुखान और उसी स्कूल के 14 अन्य लोगों ने अपनी नौकरी खो दी है। और सभी इस बात की पुष्टि करते हैं कि उन्होंने इसे अपने दम पर बनाया है और अनियमितताएं नहीं बरतीं। वे स्वाभाविक रूप से उस फैसले से सदमे में हैं जिसने उनकी आजीविका छीन ली है। लेकिन उनकी आशा संख्या में निहित है. निश्चित रूप से कुछ किया जा सकता है क्योंकि हममें से बहुत से ऐसे वैध भर्तीकर्ता हैं जिन्होंने बिना किसी गलती के अपनी नौकरियाँ खो दीं।

लोकसभा चुनाव से ठीक पहले बंगाल प्राइमरी स्कूल को मिली छत, दीवारें

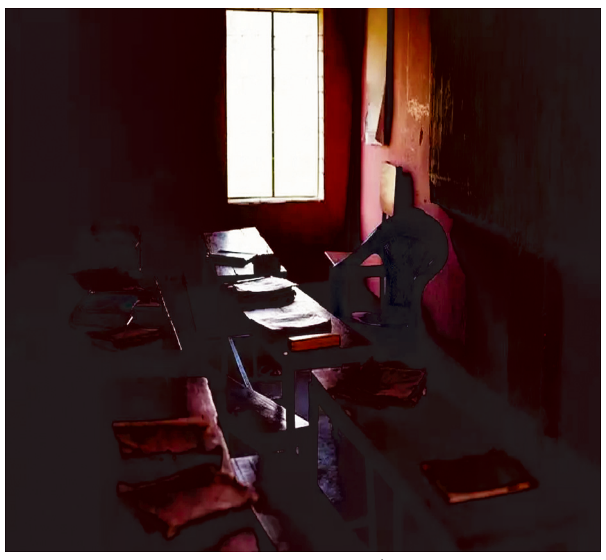

कोलकाता,एजेन्सी। हाल ही की एक घटना में, पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के गदाई चार नामक एक छोटे से गाँव में मजदूरों को एक स्कूल का निर्माण करते हुए पाया गया, द इंडियन एक्सप्रेस ने बताया। प्रकाशन में कहा गया है कि घोरीटोला प्राइमरी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे पिछले दो वर्षों से बिना छत, बेंच, टेबल या ब्लैकबोर्ड वाले कमरों में अपनी कक्षाएं लेते थे क्योंकि बाढ़ के दौरान स्कूल पास की नदी से प्रभावित हो गया था।

स्कूल में न तो बिजली है और न ही शौचालय, लेकिन पिछले कुछ दिनों से स्कूल में निर्माण कार्य चल रहा है. नई दीवारें आ गई हैं, छतें बिछाई जा रही हैं और यहां तक कि शौचालय भी बनाए जा रहे हैं। निर्माण केवल इसलिए किया जा रहा है क्योंकि स्कूल दो बूथों के साथ एक मतदान केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो आसपास के गांवों के 1,00 से अधिक मतदाताओं को सेवा प्रदान करता है।

श्रमिकों के पास अपना निर्माण कार्य पूरा करने के लिए एक सप्ताह का समय बचा है क्योंकि मालदा दक्षिण लोकसभा क्षेत्र में 7 मई को लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में मतदान होना है। दो अन्य राज्यों (बिहार और झारखंड) की सीमा से लगे गांव के 50 वर्षीय निवासी संजीब महतो ने कहा, दो साल पहले, गंगाजी ने अपना मार्ग बदल दिया। उसने गाँव के एक हिस्से में बाढ़ ला दी और हमारे घर, स्कूल और अन्य इमारतें नदी में डूब गईं। इसलिए, हमें बाहर जाना पड़ा।

भोला महा नाम के एक अन्य 35 वर्षीय व्यक्ति ने कहा, निकटतम शहर तक पहुंचने के लिए हमें नदी पार करनी होगी। हमारे पास बिजली नहीं है. इसलिए, रात में अगर कोई आपात स्थिति होती है, तो किसी मरीज को शहर के अस्पताल में ले जाना असंभव है।

जिले के एक अधिकारी ने कहा कि गदाई चार एकमात्र ऐसा गांव नहीं है जो गंगा के अपना मार्ग बदलने पर प्रभावित होता है।

स्थानीय बीडीओ अनुप चक्रवर्ती ने कहा कि मानिकचौक और कालियाचौक ब्लॉक में कई गांव और इमारतें हर साल गंगा के कटाव के कारण बह जाती हैं। बीडीओ ने आगे कहा कि पंचायत चुनाव के दौरान, स्थानीय प्रशासन ने एक अस्थायी संरचना स्थापित की थी जो मतदान केंद्र के रूप में काम करती थी; लेकिन इस वर्ष एस्बेस्टस छत वाली ईंट की संरचना का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें एक छत और शौचालय होगा।

मालदा के जिला मजिस्ट्रेट नितिन सिंघानिया ने कहा, हम मतदान अधिकारियों के साथ-साथ मतदाताओं के लिए हर संभव सुविधाओं की व्यवस्था कर रहे हैं। हम गांव के लिए विकास परियोजनाओं की भी योजना बना रहे हैं। डीएम ने यह भी कहा कि अधिकारी मतदान के दिन दो जनरेटर लगवाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने गांव में सोलर बिजली सिस्टम भी लगाना शुरू कर दिया है. बीडीओ के अनुसार, खिड़कियां, दरवाजे, मेज और कुर्सियों की स्थापना के साथ निर्माण कार्य 7 मई से पहले पूरा होने की उम्मीद है।

अस्पताल ने स्वास्थ्य पैनल के रिफंड आदेश को खारिज कर दिया

कोलकाता,एजेन्सी। अपोलो मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल कोलकाता ने सोमवार को पश्चिम बंगाल क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट रेगुलेटरी कमीशन (डब्ल्यूबीसीईआरसी) को बताया कि अस्पताल स्वास्थ्य पैनल के उस निर्देश का पालन करने के लिए बाध्य नहीं है, जिसमें उपभोग्य सामग्रियों और दवाओं पर अधिक शुल्क लेने के लिए 5,800 रुपये वापस करने के लिए कहा गया था। इस मामले में, प्रीतम साहा ने अस्पताल के खिलाफ स्वास्थ्य पैनल का रुख किया था। साहा के रिश्तेदार ने बीमा द्वारा कवर की गई एक योजनाबद्ध सर्जरी की। कुल बिल 3.2 लाख रुपये था, जिसमें से टीपीए ने 2.3 लाख रुपये मंजूर किए और बाकी का भुगतान नकद में किया गया। स्वास्थ्य पैनल के अध्यक्ष अशीम कुमार बनर्जी ने कहा कि पैनल ने पाया कि अस्पताल ने उपभोग्य सामग्रियों और कुछ फार्मेसी वस्तुओं पर छूट की पेशकश नहीं की थी, जबकि स्वास्थ्य पैनल ने पहले दवाओं और उपभोग्य सामग्रियों पर 20त्न और 10त्न की छूट की सलाह दी थी और अस्पताल से 5,800 रुपये वापस करने को कहा था।

चेयरपर्सन ने कहा कि अस्पताल ने जवाब दिया कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पहले कहा था कि आयोग का आदेश बाध्यकारी नहीं है. बनर्जी ने कहा, उच्च न्यायालय का फैसला केवल दरें तय करने के लिए था, छूट पर नहीं और आयोग ने उच्च न्यायालय की खंडपीठ से संपर्क किया था जहां मामला लंबित है। सूत्रों के मुताबिक आदेश पर कोई रोक नहीं है. नोएडा में 26-27 अप्रैल को मतदाताओं को 20त्न की छूट दी गई है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए कई रेस्तरां शामिल हुए। फेलिक्स अस्पताल पूरे शरीर की निःशुल्क जांच प्रदान करता है। इस पहल का उद्देश्य चुनावों में नागरिकों की भागीदारी बढ़ाना है।

मांग बढ़ने के बाद, सरकार निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित संघर्ष कर रही

कोलकाता,एजेन्सी। अभूतपूर्व गर्मी के बीच शहर भर में बिजली कटौती से परेशान और चल रहे चुनावों के दौरान मतदाताओं पर इसके प्रभाव से सावधान, बिजली मंत्री अरूप विश्वास ने निजी उपयोगिता सीईएससी और राज्य उपयोगिता डब्ल्यूबीएसईडीसीएल दोनों के उच्च-स्तरीय अधिकारियों के साथ एक आपातकालीन बैठक बुलाई। उनसे कहा कि उन्हें निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की जरूरत है। हालांकि सीईएससी और डब्ल्यूबीएसईडीसीएल दोनों ने पिछले सप्ताह 12,663 मेगावाट की सर्वकालिक उच्च बिजली मांग को पूरा किया, जो पिछले जून में दर्ज की गई पिछली उच्च मांग से 850 मेगावाट अधिक है, सीईएससी में टॉलीगंज, जादवपुर, बाघाजतिन, बेलियाघाटा, तलतला और दम दम में बिजली कटौती हुई है। क्षेत्र और साल्ट लेक और न्यू टाउन में जहां ङ्खक्क्रस्श्चष्ठ्ठरुबिजली की आपूर्ति करता है। बिजली कटौती और वोल्टेज में उतार-चढ़ाव की घटनाओं ने गर्मियों में कमजोर स्थिति के बारे में सुगबुगाहट पैदा कर दी है, जिससे बिजली विभाग के अधिकारी असहज हो गए हैं।

सोमवार को बिस्वास ने दोनों बिजली कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से कहा कि वे भीषण गर्मी के दौरान निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करें, जो दशकों में सबसे खराब स्थिति है। बिस्वास ने कहा, जनता को बिजली कटौती के कारण परेशानी नहीं होनी चाहिए, खासकर इस अत्यधिक गर्मी के दौरान। आपूर्ति

सुनिश्चित करने के लिए जो भी आवश्यक हो वह करें। मंत्री ने सीईएससी से उन क्षेत्रों में मोबाइल जनरेटर भेजने को कहा, जहां तकनीकी समस्याओं के कारण बिजली कटौती की सूचना है और यह सुनिश्चित किया जाए कि खराबी की मरम्मत के साथ-साथ आपूर्ति जल्द से जल्द बहाल हो। सीईएससी के पास 100 जेनरेटर हैं और वह केबल में खराबी आने पर इलाकों में आपूर्ति संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए उनका उपयोग कर रहा है। WBSEDCL को बिजली व्यवधान को रोकने के लिए राज्य भर में 450 जनरेटर का उपयोग करने का आदेश दिया गया है। दोनों उपयोगिताओं को खराबी की मरम्मत के लिए अधिक जनशक्ति और मोबाइल मरम्मत वैन तैनात करने के लिए भी कहा गया था। अधिकारियों ने कहा कि मांग को पूरा करने के लिए ग्रिड में पर्याप्त बिजली थी, लेकिन ओवरलोड से निपटने के लिए बुनियादी ढांचे की अपर्याप्तता को स्वीकार किया। सूत्रों ने कहा कि मंत्री ने सीईएससी से कहा है कि जहां भी आवश्यक हो, ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मांग बढ़ने पर ट्रांसफार्मर खराब न हों। ङ्खक्क्रस्श्चष्ठ्ठरुने बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए एक कार्य योजना भी बनाई है।

संक्षिप्त समाचार

आज होगी जिला जज चैंबर में होगी सैंडिस कंपाउंड मसले की चर्चा

भागलपुर, एजेंसी। सैंडिस कंपाउंड के बाहर पार्किंग के मसले पर बुधवार एक जनवरी को जिला जज के साथ सैंडिस कंपाउंड समिति के पदाधिकारियों की बैठक होगी। इस दौरान यहां टहलने वाले लोगों को मैदान में प्रवेश के लिए पश्चिम दक्षिण कोना पर सिविल कोर्ट गेट की तरफ वर्षों से बने एवं उपयोग में लिए जा रहे पार्किंग स्थल के बीचोबीच दीवार लगाकर पार्किंग को एवं आने जाने के मार्ग को अवरुद्ध करने, वाकिंग ट्रैक के किनारे बनाए गए अस्थायी शौचालय आदि मसले पर चर्चा होगी। इस अस्थायी शौचालय की वजह से यहां आने वाले लोगों को दुर्गंध से काफी परेशानी हो रही है।

गंदगी उड़ाते चलती हैं नगर निगम की कूड़ा गाड़ियां

भागलपुर, एजेंसी। नगर निगम की कूड़ा उड़ाने वाली गाड़ियां शहर की सड़कों पर कूड़ा उड़ाते हुए चलती हैं। प्रावधान के अनुसार इन कूड़ा गाड़ियों को तिरपाल से ढक कर ले जाने का प्रावधान है। इसके बावजूद शहर के तमाम इलाकों के ट्रैक्टर पर कूड़ा लादने के बाद ऐसे ही डंपिंग स्टेशन तक ले जाया जाता है। इसकी वजह से पूरे रास्ते कूड़ा उड़ता रहता है। इसकी वजह से इसके पीछे आने वाले लोगों और वाहन चालकों को काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। यह नजारा सुबह से लेकर दोपहर तक नजर आता है।

तीन एक्सप्रेस ट्रेनों में लगे अतिरिक्त कोच

आरा(भोजपुर), एजेंसी। यात्रियों की सुविधा को देखते हुए पूर्णिया कोर्ट-अमृतसर जनसेवा एक्सप्रेस में साधारण श्रेणी का 01 कोच, रांची-आरा एक्सप्रेस और राउरकेला-जयनगर एक्सप्रेस में स्लीपर क्लास का 01-01 अतिरिक्त कोच का संयोजन किया जा रहा है। जिसकी जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी वीरेंद्र कुमार ने दी है। जिनका विवरण निम्नानुसार है -1. दिनांक 06.05.2024 से अमृतसर से खुलने वाली गाड़ी सं. 14618 अमृतसर-पूर्णिया कोर्ट जनसेवा एक्सप्रेस और दिनांक 08.05.2024 से पूर्णिया कोर्ट से खुलने वाली गाड़ी सं. 14617 पूर्णिया कोर्ट-अमृतसर जनसेवा एक्सप्रेस में साधारण श्रेणी का 01 अतिरिक्त कोच का स्थायी रूप से संयोजन किया जाएगा। 2. दिनांक 02.05.2024 से 01.07.2024 तक रांची से खुलने वाली गाड़ी सं. 18640 रांची-आरा एक्सप्रेस और दिनांक 03.05.2024 से 02.07.2024 तक आरा से खुलने वाली गाड़ी सं. 18639 आरा-रांची एक्सप्रेस में स्लीपर क्लास का 01 अतिरिक्त कोच का अस्थायी संयोजन किया जाएगा। 3. दिनांक 02.05.2024 से 29.06.2024 तक राउरकेला से खुलने वाली गाड़ी सं. 18105 राउरकेला-जयनगर एक्सप्रेस में और दिनांक 03.05.2024 से 30.06.2024 तक जयनगर से खुलने वाली गाड़ी सं. 18106 जयनगर-राउरकेला एक्सप्रेस में स्लीपर क्लास का 01 अतिरिक्त कोच का अस्थायी संयोजन किया जाएगा।

बुध अष्टमी आज, कई लोग करेंगे व्रत

भागलपुर, एजेंसी। बुध अष्टमी बुधवार को है। कई लोग अष्टमी का व्रत करेंगे। जगन्नाथ मंदिर के पंडित सौरभ कुमार मिश्रा ने बताया कि बुध अष्टमी व्रत उन लोगों के द्वारा किया जाता है, जो बुध ग्रह दोष से पीड़ित हैं क्योंकि इस दिन पूजा और उपवास के परिणाम से भविष्य में बुध ग्रह के दुष्प्रभाव शांत होते हैं। इस दिन अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ भगवान शिव और पार्वती की पूजा करने से पिछले जन्मों के पापों से भी मुक्ति मिल जाती है। उन्होंने बताया कि जिस बुधवार के दिन अष्टमी तिथि पड़ती है उसे बुध अष्टमी कहा जाता है। जिन लोगों की कुंडली में बुध कमजोर होता है उनके लिए बुध अष्टमी का व्रत करना फलदाई होता है।

एक माह पहले गायब युवती हाजीपुर से बरामद

मुजफ्फरपुर/ गोरौल, एजेंसी। थाना क्षेत्र के पिरोई छितरौली से एक माह पहले अपहृत युवती को पुलिस ने हाजीपुर से बरामद किया है। अनुसंधानकर्ता सहायक अवर निरीक्षक उमाकांत सिंह ने बताया कि युवती के पिता ने गोरौल थाना में केस दर्ज कराया था, जिसमें बताया था कि 27 मार्च की सुबह नर्स की ट्रेनिंग करने की बात बताकर हाजीपुर के लिए घर से निकली थी। रात तक नहीं लौटी तो फोन पर संपर्क करने पर बताया कि उसका फोन खराब हो गया है।

कटिहार में दहेज के सामान के साथ खर्च का पैसा लिया फिर बारातियों को छोड़ा

नशे में बेहोश मिला दूल्हा, लड़की ने तोड़ी शादी

कटिहार, एजेंसी। कटिहार में दूल्हे को शराब के नशे में देखकर दुल्हन ने शादी तोड़ दी। दूल्हा बारात लेकर कुरसेला प्रखंड आया था। दुल्हन स्टेज पर इंतजार कर रही थी। बारात में देरी हुई तो लड़की वालों ने कारण पूछा, पता चला कि दूल्हे की तबीयत खराब है। जैसे ही दुल्हन को दूल्हे के नशे में होने की जानकारी मिली। उसने शादी तोड़ दी। शादी तोड़ने के बाद लड़की वालों ने दूल्हे समेत बारातियों को बंधक बना लिया। शादी में लगा खर्च वापस करने की मांग करने लगे। पैसे मिलने के बाद सभी को छोड़ा। इधर, दूल्हे का कहना है कि मेरे कुछ दोस्तों ने नशा दे दिया था। उसके बाद क्या हुआ पता नहीं।

नवगछिया के पास बेहोशी की हालत में मिला था दूल्हा : दरअसल कुरसेला क्षेत्र के एक गांव की लड़की की शादी रविवार को सुल्तानगंज आदर्श नगर गांव के अरविंद चौधरी के लड़के मनजीत चौधरी से होनी थी। बारात को सुल्तानगंज के आदर्श नगर से कुरसेला के ऑडिटोरियम भवन आना था। रात में शादी करने के लिए जब बारात तय मुहूर्त में नहीं पहुंची तो सब परेशान हो गए। दुल्हन हाथों में मेंहदी रचा कर शादी के जोड़े में इंतजार कर रही थी। इस दौरान लड़की वालों को जानकारी मिली की नवगछिया के आसपास लड़के की तबीयत बिगड़ गई है और वह बेहोशी की हालत में है।

लड़की ने नशेड़ी कहते हुए शादी से किया मना : सूचना मिलते ही लड़की के परिजन गाड़ी से जब वहां पहुंचे तो देखा कि लड़का बेहोशी की हालत में पड़ा हुआ है। जब लड़की वालों ने लड़के वालों से पूछताछ शुरू की तो वह लोग दूल्हा को छोड़कर भागने लगे। कुछ लोगों ने कहा कि दूल्हे का इलाज कराया जा रहा है। मामले को समझते हुए लड़की पक्ष ने दूल्हे और उसके कुछ परिजनों को कुरसेला स्थित शादी स्थल पर लेकर आ गए। जब लड़की ने दूल्हे को देखा तो आंख चढ़े होने पर उसे नशेड़ी कहते हुए शादी करने से मना कर दिया। लड़की के घर वालों ने भी उसका साथ दिया और शादी करने से मना कर दिया।

भाई बोला- दूल्हा नशे में धुत था

दुल्हन के भाई सुनील ने कहा की गाड़ी लेकर नवगछिया तक गए तो देखे की लड़का नशे की हालत में है। जब हम लोग पहुंचे तो बारात के बाकी लोग भाग गए। किसी तरह दो गाड़ी में मौजूद लोगों को लेकर आए। अब शादी के लिए मना कर दिया गया है।

दूल्हा बोला- मुझे दोस्तों ने कुछ पिला दिया था

दूल्हे ने कहा घर से बारात लेकर निकले और रास्ते में कुछ दोस्तों ने कुछ पीने को दिया। इसके बाद नवगछिया तक आते आते तबीयत खराब हो गई। किस दोस्त ने पीने को दिया था ये भी याद नहीं है। अब यह लोग बंधक बनाकर रखे हुए है और कह रहे है शादी का खर्च दीजिए। वहीं काम को लेकर कहा की भागलपुर में जीएसटी, इनकम टैक्स भरने का काम करते हैं। इसके अलावा दूल्हे ने बताया 4.5 लाख मांगा जा रहा है। दहेज बिल्कुल नहीं लिए है, बस जो खर्च हुआ वो मांगा जा रहा है।

खर्च देने के बाद लड़की वालों ने छोड़ा

लड़की के परिजन ने शादी के इंतजाम में हुए खर्च को वापस करने की मांग को लेकर लड़के व उसके माता-पिता को ऑडिटोरियम भवन में बंधक बना लिया। जानकारी के अनुसार पैसा वापस लेने के बाद सभी को वापस भेज दिया गया। हालांकि कितने रुपए लेकर मामला को सुलझाया गया।

बिहार में सीजन में पहली बार लू का रेड अलर्ट, हीट वेव की चपेट में पटना समेत 14 जिले

पटना, एजेंसी। बिहार में इस सीजन में पहली बार लू चलने का रेड अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने आज 5 जिले पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, नवादा, खगड़िया और भागलपुर में लू का रेड अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा बाकी जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, 1 मई को भी पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, नवादा और शेखपुरा में लू का रेड अलर्ट है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक एसके पटेल ने बताया कि अगले तीन दिनों में भीषण गर्मी पड़ेगी। भीषण लू चलेगी।

पहली बार लू की चपेट में रहा पटना

इस सीजन में पहली बार सोमवार को पटना लू की चपेट में रहा। इसका अंदाजा इसी मौसम से लगाया जा सकता है कि सोमवार को पटना समेत 31 जिलों का अधिकतम पारा 40 से अधिक रहा। साथ ही पटना समेत 14 जिले लू की चपेट में रहे। मौसम विज्ञान केंद्र ने 30 अप्रैल से लेकर 3 मई तक लू चलने का रेड अलर्ट जारी किया है।

अस्पतालों को अलर्ट मोड पर रखा गया है

आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ेगी। इससे बचाव के लिए मेडिकल कॉलेजों से लेकर स्वास्थ्य केंद्रों तक को अलर्ट पर रखा गया है। राज्य के सभी सिविल सर्जन और चिकित्सा पदाधिकारी को राज्य स्वास्थ्य समिति ने पत्र भेजकर व्यवस्था मजबूत करने को कहा है। इसमें अस्पतालों में दवा, डेडिकेटेड वार्ड, विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ पारा चिकित्सक कर्मियों की उपस्थिति और एंबुलेंस सुविधा से लेकर जांच संबंधी सभी प्रकार की तैयारियां सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

अपराधी प्रवृत्ति वाले 285 लोगों को किया जिला बदर

14 अपराधियों को दूसरे जेल में किया शिफ्ट, 30 चेकिंग प्वाइंट पर 100 देसी कट्टा बरामद

समस्तीपुर, एजेंसी। लोकसभा चुनाव को लेकर जिले में पुलिसिया कार्रवाई में तेजी आई है। जिले में स्वच्छ मतदान के लिए अपराधी प्रवृति वाले 285 लोगों पर जिलाबदर व थाना बदर की कार्रवाई की गई है। इसके साथ ही जिले के समस्तीपुर, रोसड़ा और दलसिंहसराय उपकारा में बंद 14 बदमाशों को राज्य के विभिन्न जेलों में शिफ्ट किया गया है। ताकि वह चुनाव के दौरान कोई गड़बड़ी नहीं कर सके। एसपी विनय तिवारी ने कहा कि चुनाव की घोषणा के साथ जिले में 30 चेकिंग प्वाइंट बनाकर चेकिंग शुरू की गई। इस दौरान विभिन्न जगहों से एक लाख से अधिक लीटर शराब बरामद की गई। इसके साथ ही विभिन्न स्थानों से 10 लाख रुपए भी बरामद हुए। 100 देसी कट्टा/टा और पिस्टल के साथ 206 गोली बरामद की गई है।

1200 लोगों पर निरोधात्मक कार्रवाई : एसपी ने बताया कि जिले भर में 1200 लोगों पर निरोधात्मक कार्रवाई की गई है। 13 हजार लोगों को नोटिस भेजी गई। 11 हजार लोगों से बांड भरवाया गया है। 2100 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

बड़ी संख्या में आ रही पारा मीलिट्री फोर्स

एसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि चुनाव को लेकर जिले में बड़ी संख्या में पारा मीलिट्री फोर्स आ रही है जिनके आवासन को लेकर व्यवस्था की जा रही है। कुछ स्थानों में कुछ कमियां है उसे जल्द दूर कर दिया जाएगा।

जेल में बंद कैदी की इलाज के दौरान मौत,परिजनों ने हंगामा कर गेट और सड़क किया जाम

प्रेम प्रसंग मामले में मिली थी सजा

छपरा, एजेंसी। छपरा जेल में बंद कैदी की मौत इलाज के दौरान हो गई। इस बात से नाराज परिजनों ने अस्पताल रात को जेल गेट पर हंगामा किया और सड़क जाम कर दिया। इसके साथ ही पुलिस प्रशासन के खिलाफ लोगों ने नारे भी लगाए। परिजनों ने बताया कि डोरीगंज थाना क्षेत्र के दयालचक दियारा निवासी राधा मोहन महतो का 22 साल का बेटा अक्षय महतो प्रेम प्रसंग मामले में पिछले 7 महीने से जेल में बंद था। 2 दिन पहले उसकी तबीयत खराब हो गई। इसके बाद जेल प्रशासन ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। जहां पर हालत खराब होने पर पीएमसीएच पटना में रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि जब अक्षय महतो की तबीयत खराब हुई तो जेल प्रशासन ने किसी तरह की सूचना नहीं दी। जब मौत हो गई तब सब कुछ बताया गया। इसके साथ ही परिजनों ने कहा कि मौत के 24 घंटे बाद भी शव नहीं मिला है। इसलिए, जेल गेट पहुंचकर हंगामा और प्रदर्शन कर रहे है। जानकारी के अनुसार कैदी की मौत जॉन्डिस के कारण हुई है। हालांकि परिजनों का कहना है कि जेल प्रशासन की लापरवाही के कारण और उसकी पिटाई के कारण जान गई है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे सदर एसडीपीओ राजकिशोर सिंह ने परिजनों को समझा बूझकर शांत कराया और जाम को हटाया। बता दें कि अक्षय महतो रसूलपुर थाना क्षेत्र के चपरईठी निवासी एक युवती से प्रेम करता था। दोनों घर छोड़कर फरार हो गए थे। इसके बाद लड़की के घर वालों ने अक्षय के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कर दिया। कोर्ट में लड़की ने अक्षय के खिलाफ गवाही दे दी। इसी मामले में पिछले 7 महीने से वह जेल में बंद था।

जियो कस्टमर बनकर साइबर ठग ने गायब किया 2.90 लाख

युवती ने कहा-दो बार मोबाइल रिचार्ज होने की बात पर की ठगी, मामला दर्ज

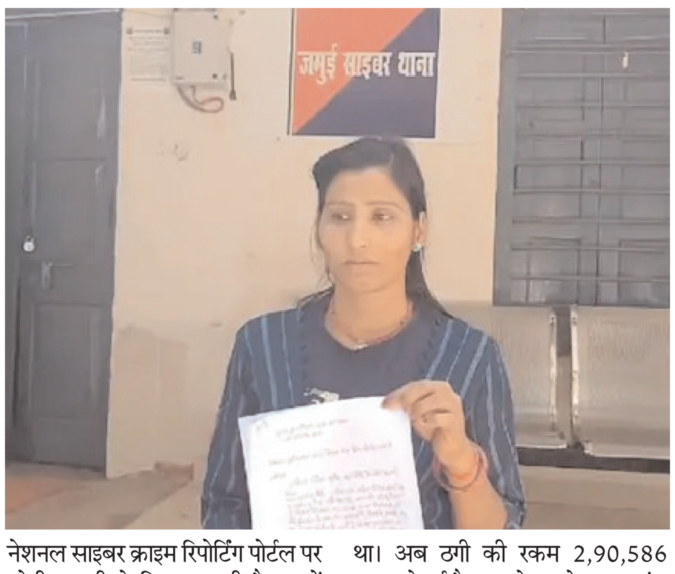

जमुई, एजेंसी। जमुई सदर थाना क्षेत्र के महिला कॉलेज के पास रहने वाली युवती सोनी कुमारी के साथ साइबर ठगी होने का मामला सामने आया है। साइबर ठगों ने उनके खाते से 2 लाख 90 हजार 586 रुपए की ठगी कर ली है। इसको लेकर सोनी कुमारी ने जमुई साइबर थाना में लिखित आवेदन देकर मामला दर्ज कराया है। पीड़िता सोनी कुमारी ने बताया कि फोन आया और बताया गया कि आपके मोबाइल में दो बार रिचार्ज हो गया है। इसके बाद साइबर फ्रॉड ने कहा कि वह जियो कस्टमर से बात कर रहा है। बात करने के दौरान उसने कॉल फॉरवर्ड कर अपने दूसरे साथी से बात कराया और मोबाइल में एनी डेस्क ऐप इंस्टॉल करने को कहा। एनी डेस्क ऐप इंस्टॉल करते ही सोनी कुमारी के बैंक खाते से 85 हजार रुपए कट गए। जब सोनी कुमारी ने मोबाइल पर बात करने वाले शख्स से कहा कि अकाउंट से पैसे कट गए तो फोन कर रहे शख्स ने कहा कि आपके अकाउंट में पैसे डाले जा रहे है। उसके बाद दोबारा सोनी कुमारी के खाते से 14 हजार 501 रुपए कट गए। इसके बाद साइबर ठग ने फोन काट दिया। फोन कटते ही दोबारा सोनी कुमारी के खाते से 1,91,000 कट गए। मामले को लेकर साइबर थाना अध्यक्ष डीएसपी रमन कुमार ने बताया कि पीड़िता सोनी कुमारी ने आवेदन दिया है। नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर सोनी कुमारी ने शिकायत की है। इसमें पहले मामला 1,90,000 का बताया गया था। अब ठगी की रकम 2,90,586 रुपया हो गई है। इसको अपडेट कर जांच की जा रही है।

नीलगाय से टकराकर ऑटो पलटा, 1 मौत, 4 घायल

जमुई, एजेंसी। जमुई के सोनो प्रखंड में सोमवार की रात सड़क दुर्घटना के कारण 5 लोग घायल हो गए और एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। मामले को लेकर परिजनों ने बताया कि जमुई-चकाई मुख्य सड़क पर डुमरी के पास घटना घटी। दरअसल परिवार के सभी लोग सोमवार की रात सोनो प्रखंड के झमराह मंदिर में पूजा कर ऑटो से लौट रहे थे। इस दौरान डुमरी के पास नीलगाय से ऑटो टकराकर पलट गया। घटना में खैरा प्रखंड की पूर्णा खैरा निवासी वकील सिंह, रोहित सिंह, गोपाल सिंह, टुनटुन सिंह सहित पांच लोग घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर डॉक्टर नहीं होने पर नर्स ने सभी को देखना शुरू किया। आधे घंटे बाद डॉक्टर पहुंचे तब तक रोहित सिंह की मौत हो गई। वहीं मृतक के परिजन वकील सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि अगर डॉक्टर अस्पताल में मौजूद होते तो उसकी जान बच जाती। लापरवाही के कारण मौत होने से परिजनों ने सदर अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। इसके बाद सभी घायलों को शहर के निजी क्लिनिक में भर्ती कराया गया। हालांकि मामले में अस्पताल प्रबंधक रमेश पांडेय ने कहा कि डॉक्टर ड्यूटी पर तैनात थे।

आंखों में मिर्च का पाउडर झोंक 19 लाख की लूट

नालंदा, एजेंसी। नालंदा के लहेरी थाना क्षेत्र के भरावपर मछली मंडी के पास सोमवार को बदमाशों ने व्यवसायी की आंख में मिर्च का पाउडर झोंककर 19.50 लाख रुपए छीन लिए। पीड़ित जहानाबाद निवासी सुधीर कुमार ने पुलिस से घटना की शिकायत की है। व्यवसायी ने बताया कि वह रामचंद्रपुर में किराया पर रहकर यहां मछली का व्यापार करता है। दोपहर में 19.50 लाख रुपया बैग में रखकर, उसे जमा करने बैंक जा रहा था। उसी दौरान बाइक पर सवार दो बदमाश उनके पास आए और आंखों पर मिर्च पाउडर झोंककर बैग छीन लिया। आंखों में तेज जलन होने से वह चिल्लाने लगे। तब तक दोनों बदमाश तेज गति से बैग छीनकर फरार हो गया। बैग में 19.50 लाख रुपया था। थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक ने बताया कि व्यवसायी शिकायत की गयी है। मामले की छानबीन की जा रही है।

दानापुर में एनडीए के कार्यकर्ताओं की बैठक

रामकृपाल यादव बोले- अब वो राजद नहीं रही, 35 साल वहां काम किया हूं

पटना, एजेंसी। पटना के दानापुर में एनडीए के कार्यकर्ताओं के साथ लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बैठक की गई। इस बैठक में एनडीए के घटक दलों के नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। पाटलिपुत्र से भाजपा उम्मीदवार राम कृपाल यादव ने कहा कि देश में नरेन्द्र मोदी और प्रदेश में नीतीश कुमार सफल नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि याद कीजिए जब नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री नहीं बने थे। तब बिहार का क्या हाल था। दूसरे चरण के चुनाव में एनडीए प्रत्याशी के समर्थन में जनता ने भारी वोट देकर आशीर्वाद दिया है। इसको लेकर राजद में बेचैनी बढ़ गई है। राजद की जमीन खिसक गई है। वहीं, चुनावी मौसम के बीच पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव की पत्नी राजश्री का जांता चलाने वाले वीडियो को लेकर कटाक्ष करते हुए कहा की जांता पिसने का विडियो दिखाकर बिहार की जनता को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है। कौन अमीर है, कौन गरीब।

ये हमलोगों से छुपा हुआ नहीं है। 35 साल हमने उन लोगों से साथ ही बिताया है। जनता सब जानती है उसे ठगने का कोई प्रयास नहीं कर सकता। जनता की आंखों पर पट्टी नहीं बंधा हुआ है। बिहार में जब भी प्रधानमंत्री आते है झूठ बोलते है तेजस्वी यादव के इस बयान को लेकर रामकृपाल ने कहा की हिन्दुस्तान की आजादी के बाद लम्बे अरसे तक ऐसा प्रधानमंत्री नहीं देखा है। नरेन्द्र मोदी कभी जनता को धोखा नहीं दिया है। देश की सम्पत्ति को लुटने वाले को जेल में डाला है। प्रधानमंत्री जो बोलते है वह करते है। जनता का आपार समर्थन है। देश ही नहीं दुनिया सम्मान के साथ देखती है। राष्ट्रीय जनता दल का बुनियाद डालने वालो में से एक हम भी थे। वह अब है ही नहीं। इसका नाम बदलकर अब राष्ट्रीय परिवार दल हो गया है। दस-प्रद्रह साल पहले जो राष्ट्रीय जनता दल लोगो की चिंता करती थी। अब वह खत्म हो गया है। अब केवल अपनी और परिवार की चिंता करती है। बैठक में जेडीयू के प्रदेश महासचिव विनोद कुमार सिंह, पूर्व विधायक आशा सिन्हा, रवि भूषण उर्फ बेला यादव, भाई सनोज यादव मौजूद रहे।

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी रामाशीष चौधरी अपनी लापरवाही को छुपाने एवं बचने के लिए दंत चिकित्सक से मांगा स्पष्टीकरण

दंत चिकित्सक ने पहले ही आपातकालीन सेवा से मुक्त करने का दिया था आवेदन

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की बदहाली को लेकर ग्रामीणों में दिख रहा आक्रोश,जिला प्रशासन को जांच करने की आवश्यकता

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

सतगावां- 29/04/24 को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी रामाशीष चौधरी को ड्यूटी से गायब रहने एवं घायल मरीज का लगभग 2 घंटे बाद उपचार करने,डयूटी के प्रति लापरवाही बरतने को लेकर खबर प्रकाशित किया गया था जिसमे प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी रामाशीष चौधरी अपनी गलती एवं लापरवाही को छुपाने के हिसाब से दंत चिकित्सक आशीष कु.यादव को स्पश्टीकरण का मांग कर पल्ला झाड़ने का काम किया गया इसी मैटर को लेकर संवाददाता द्वारा दंत चिकित्सक डॉ आशीष कु.यादव से बात किया तो उनके द्वारा बताया गया कि मेरी नियुक्ति जेपीएससी 2018 में राष्ट्रीय मुख्य स्वास्थ्य कार्यक्रम(एन ओ एच पी) के तहत हुई थी और नियुक्ति पत्र में कहीं भी सामान्य/आकस्मिक चिकित्सा कार्य करने हेतु कोई भी दिशा निर्देश नही है सिर्फ हमे 9 बजे सुबह से लेकर 3 बजे अपराह्न तक ओपीडी में मरीजों को देखकर उपचार करना होता है लेकिन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के द्वारा आकस्मिक ड्यूटी लगाया जाने लगा है और इसको लेकर मैं 17/04/24 को आकस्मिक ड्यूटी से मुक्त करने के लिए आवेदन भी दिये है जिसका रिसीविंग भी मुझे नही मिला है और मांगे गए स्पष्टीकरण का जवाब 17/04/24 को दिए आवेदन को सम्मिलित कर प्रस्तुत किया गया है।। सोचने वाली बात है की दंत चिकित्सक जो बीडीएस की डिग्री लेकर ओपीडी में सेवा देते है उसका आपातकालीन सेवा में ड्यूटी लगाकर खुद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से गायब रहते है।यदि दंत चिकित्सक को आपातकालीन सेवा में डयूटी लगाया जाता है और बहुत ही ज्यादा गंभीर मरीज आएगा तो दंत चिकित्सक के द्वारा क्या इलाज किया जाएगा ऐसे में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी अपने गलती और लापरवाही को छुपाने एवं बचने के लिए किसी का भी जबरदस्ती ड्यूटी लगा देते है और स्पश्टीकरण मांग कर अपनी गलती को छुपाने के काम करते है।जब से प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी रामाशीष चौधरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में योगदान दिए है तब से ही विवादित ही रहे है स्वास्थ्य केंद्र को राजनीति का अखाड़ा बना दिये है जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है इसलिए जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य बिभाग को इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उचित जांच करते हुए कार्रवाई करने की सख्त आवश्यकता है।

शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग, आधा दर्जन दुकान जल कर खाक

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

झुमरी तिलैया बाजार समिति में आज दोपहर अचानक आग लग जाने से तकरीबन आधा दर्जन फल दुकानों को नुकसान पहुंचा है। बाजार समिति के फल दुकानों के ऊपर रखे प्लास्टिक के कैरेट बिजली के तार के संपर्क में आ गए, जिससे शॉर्ट सर्किट हुआ और आग लग गई। बाजार समिति में फलों का कचरा भी सूखा हुआ पड़ा था, जिससे देखते ही देखते आग फैल गई और कुछ ही देर में आग में भयावह रूप धारण कर लिया। हालांकि गनीमत यह रही की समय रहते फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तकरीबन आधा दर्जन दुकानों को भारी नुकसान हुआ है। जिसे तकरीबन 10 लख रुपए का नुकसान हुआ ।बताते चले की बाजार समिति परिसर के अंदर अस्थाई फलों का दुकान बनाया गया है, जबकि बाहरी परिसर में कई स्थाई दुकानें भी संचालित होती है। इसके अलावा परिसर में ही फल व्यवसाईयों के द्वारा कचरा फेंका जाता है, जो भी भीषण गर्मी के कारण पूरी तरह से सूख चुका था।

पुलिस अधीक्षक, कोडरमा के द्वारा अवैध शराब के विरूद्ध विशेष अभियान में, 4 अभियुक्त गिरफ्तार

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

कोडरमा पुलिस अधीक्षक के निर्देश के आलोक में गुप्त सूचना के आधार पर पु0नि0 सुजित कुमार पु0नि0-सह-थाना प्रभारी कोडरमा के नेतृत्व में दिनांक 30.04.24 को कोडरमा थाना क्षेत्र से अवैध अग्रेजी शराब ले जाने की सूचना पर अग्रेजी अवैध शराब के विरूद्ध छापामारी की गयी। जिसके दौरान (1) किंगफिसर केन बियर 500 रूका 600 बोतल (2) गोड फादर वीयर 650 रू का 12 बोतल (3) बर्कार्डी लेमन रम 750 रूका 12 बोतल (4) मैक्डोवेल्स नं0-01-375 रूका 24 बोतल (5) तीन मोटर साईकिल, एक चार पहिया वाहन (स्कार्पियों) एवं चार मोबाईल बरामद किया गया तथां 04 शराब तसकर को गिरफ्तार किया गया। इस संदर्भ में कोडरमा थाना काण्ड सं0-88/24 दिनांक-30.04.2024 दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई किया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्त में 1. अशोक कुमार उम्र-29 वर्ष पिता रामकिशुन यादव सा0 इन्दरवा थाना व जिला कोडरमा। 2. सकलदेव यादव उम्र 26 वर्ष पे0 रामधनी यादव सा0 झरीटॉड इन्दरवा थाना व जिला कोडरमा। 3. सुभाष कुमार उम्र-23 वर्ष पिता राजकुमार पंडित सा0 गढदिबौर, रतनपुर थाना रजौली जिला नवादा (बिहार) 4. मनीष कुमार उम्र-16 वर्ष पे0 गनौरी यादव ग्राम चितरकोली थाना रजौली जिला नवादा (बिहार) है। कुल जप्ती सामाग्री ङ्क(1) किंगफिसर केन बियर 500 रूका 600 बोतल 2) गोड फादर वीयर 650 रूका 12 बोतल (3) बर्कार्डी लेमन रम 750 रू का 12 बोतल (4) मैक्डोवेल्स नं0-01-375 रूका 24 बोतल (5) होण्डा एस0पी0 साईन मोटर साईकिल ङ्क275-3433, ब्लैक सिल्वर रंग का स्पेण्डर मोटर साईकिल-छ्ठ॥12स्न7117 होण्डा सिल्वर रंग का स्पेण्डर मोटर साईकिल-छ्ठ॥12रू3970, एक चार पहिया (स्कार्पियों) वाहन सं0-छ्ठ॥02॥-0009 एवं चार मोबाईल एण्ड्रायड छापेमारी दल में पु0नि0 सुजित कुमार पु0नि0 सह थाना प्रभारी कोडरमा। 2. पु0अ0नि0 अनिल राम कोडरमा थाना। 3. कोडरमा थाना के सशस्त्र बल थे।

दूधीमाटी स्थित आजसू पार्टी के कार्यालय में जिला कमिटी की आवश्यक बैठक संपन्न

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

कोडरमा दूधी माटी आजसू पार्टी कार्यालय में जिला कमेटी की बैठक की गई। जिसमें मुख्य रूप से लोकसभा चुनाव को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राजकुमार मेहता के द्वारा एवं संचालन केंद्रीय समिति सदस्य मनोज यादव के द्वारा किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के महासचिव सह कोडरमा लोकसभा प्रभारी संतोष सहाय एवं एनडीए समर्थित भाजपा से प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी उपस्थिति हुई। वहीं संबोधन में लोकसभा प्रभारी संतोष सहाय ने कहा की एनडीए प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी के पक्ष में लगातार लोकसभा क्षेत्र के बूथों को मजबूत बनाने के साथ-साथ लोगों को पक्ष में गोलबंद करने की रणनीति पर मजबूती से कार्य किया जा रहा हैं। निश्चित तौर पर चुनाव का परिणाम बेहद अच्छे साबित होंगे। और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जो नारा है वह भी सच होगा। वहीं प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी ने कहा की देश के प्रधानमंत्री ने जिस प्रकार से गरीब गुरबा और जरूरतमंदों को ध्यान में रखते हुए। कई योजनाओं को धरातल पर उतारा और उन सभी तक लाभ पहुंचाने का काम किया है। जनता इसे भलीभांति जानती हैं। निश्चित ही एक बार फिर जनता अपना आशीर्वाद हमें जरूर देगी। जबकि आजसू जिला अध्यक्ष राजकुमार मेहता ने कहा की हम सभी को मेहनत और ईमानदारी पूर्वक मिलजुलकर एनडीए प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी के पक्ष में कार्य करते हुए भारी मतों से विजयी बनाने की आवश्यकता हैं। ताकि कोडरमा लोकसभा क्षेत्र में विकास की योजनाओं को धरातल पर शत प्रतिशत उतर जा सके। मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष अनूप जोशी, मीडिया प्रभारी चंद्रशेखर जोशी, भोला शंकर प्रसाद, जगनंदन यादव, रोहित कुमार, पिंटू शर्मा, मनोज ठाकुर, शंभू कुमार, मनोज प्रसाद यादव, केदार दास, शंभू दास आम्बूज पटेल कपिल अहमद जितेंद्र मेहता रोहित मेहता पवन राणा सहित सैकड़ों कार्यकर्तागण मौजूद थे।

बीएलओ के द्वारा घर घर जाकर नए मतदान केंद्रों का स्टीकर लगाकर दी जानकारी

रांची एक्सप्रेस संवाददाता **कोडरमा** जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने और शत-प्रतिशत मतदाताओं को नैतिक मतदान करने के उद्देश्य से स्वीप कोषांग कोडरमा के द्वारा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मतदाता जागरूकता कार्यक्रम कर मतदाताओं को नैतिक मतदान करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कम मतदान वाले क्षेत्रों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाकर मतदाताओं को नैतिक मतदान करने हेतु जागरूक किया जा रहा है। बूथ लेवल अधिकारी के द्वारा मतदाताओं के बीच मतदाता मार्गदर्शिका बुकलेट का वितरण कर 20 मई 2024 को मताधिकार का प्रयोग कर मतदान कर लोकतंत्र के महा पर्व में सहभागी बनाने की अपील किया गया।

गिरीडीह लोकसभा के लिए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में डा. ऊषा सिंह ने भरा पर्चा ,कहा मैं जीतू या हारू सेवा करना मेरा परम् धर्म ही रहेगी

बोकारो। गिरीडीह लोकसभा की पुरी तैयारी के साथ मंगलवार को नामांकन के पहले दिन डॉ उषा सिंह ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना पर्चा दाखिला कर चुनाव महौल की दस्तक दी । डॉ. ऊषा सिंह भाजपा से त्यागपत्र देकर निर्दलीय पर्चा दाखिल किया,पर्चा दाखिल करने के बाद पत्रकारों को बताया कि हम एक समाजसेवी है । मेरी सुबह शाम जनता की सेवा में लगी रहती हूँ ,जनता की सेवा करना मेरी जीवन पहली प्राथमिकता रहा है । मैं जीतू या हारू जनता की सेवा करना हमारी परम् धर्म था और रहेगा ही । मैं क्षेत्र में भ्रमण करने के बाद विभिन्न तरह की समस्या दिखाई दी है ,इन्ही समस्याओं को लेकर हमने चुनाव लड़ने की ठानी और आज निर्दलीय पर्चा दाखिल किया,और जीत के बाद मुद्दा तो बहुत सारा है लेकिन सबसे प्रथम और प्रमुख मुद्दा गिरिडीह लोकसभा से युवाओं का पलायन रोकना ,पलायन रोकने के लिए गिरिडीह लोकसभा के अंदर कल कारखाने में जंग लग रहे को चालू कराकर व नये उधोग लगाकर पलायन रोकने का प्रयास करूँगी ,इसके लिए मेरे पास विजन है कि कैसे पलायन को रोका जा सकेगा । गिरीडीह लोकसभा के अंतरगर्त रोजगार दिलाने का कई अवसर है ,परन्तु दिलाने वाले जज्बा चाहिए । यहाँ जनप्रतिनिधियों युवाओं को केवल ठगने का काम किया है । मेरी जनता की आशिर्वाद मिले ,जनता की सपनें का संवराने की काम करूँगी ।

बैचलर इन टेक्नोलॉजी में टॉप 10 में बनाई जगह

रांची एक्सप्रेस संवाददाता जयनगर। प्रखंड के बाघमारा स्थित सीबीएसई से संचालित आदर्श शिशु प्लस टू उच्च विद्यालय बाघमारा की पूर्व छात्रा निक्की कुमारी पिता अरुण कुमार राणा ने इतिहास रच दिया है। बताते चलें कि इंस्टिट्यूट ऑफ़ इंजीनियरिंग कॉलेज अलवर में बीटेक की फाइनल परीक्षा में निक्की कुमारी ने टॉप 10 में जगह बनाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। निक्की कुमारी संपूर्ण कॉलेज में पांचवा स्थान लाकर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। निक्की कुमारी अपनी प्रारंभिक शिक्षा आदर्श शिशु प्लस टू उच्च विद्यालय बाघमारा में किया था जहां उन्होंने 82त्न अंक लाकर मैट्रिक की परीक्षा पास किया था। फिर संत कोलंबस कॉलेज हजारीबाग में इंटरमीडिएट ऑफ साइंस की परीक्षा 64त्न अंक से पास होने के बाद बीटेक करने के लिए राजस्थान के अलवर चली गई। जहां उसने अपने मेहनत का लोहा मनवाया और सफलता की नया आयाम लिखा। उन्होंने पूरे कॉलेज में पांचवा स्थान प्राप्त कर विद्यालय ही नहीं पूरे क्षेत्र का नाम रोशन करने का काम किया है। बताते चले कि उनके पिता अरुण कुमार राणा जीवन बीमा एजेंट है। इनकी माता रेखा देवी पूर्व जिला परिषद सदस्य रह चुकी है। इसके सफलता पर राज्य शिक्षा मंत्री अन्नपूर्णा देवी विधायक अमित कुमार यादव ,विधायक जानकी प्रसाद यादव, प्रमुख अंजू देवी, भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कोषाध्यक्ष सुरेंद्र भाई मोदी, वीरेंद्र मोदी, शिक्षाविद डॉक्टर बैजनाथ प्रसाद बरनवाल, विद्यालय के निदेशक रामदेव प्रसाद यादव प्राचार्य प्रोफेसर दशरथ प्रसाद राणा, नीलकंठ बरनवाल, पिंटू कुमार पांडेय,स्थानीय मुखिया इंद्रदेव यादव, उप मुखिया साजन खान, सहित क्षेत्र के कई गणमान्यों ने बधाई दिया है।

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी ने किया नामांकन

धनबाद / लोकसभा चुनाव के लिए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा के समक्ष 2 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किया। सबसे पहले भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी ढुल्लू महतो ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके बाद निर्दलीय उम्मीदवार प्रेम प्रकाश पासवान ने नामांकन पत्र दाखिल किया। मौके पर उपायुक्त माधवी मिश्रा, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला व अन्य लोग मौजूद थे।

इंटरमिडिएट वार्षिक परीक्षा मे महुदा इंटर महाविद्यालय एवं रवि महतो स्मारक का बेहतर परिणाम

महुदा -झारखंड एकेडमिक काउंसिल द्वारा जारी इंटरमीडिएट 2024 के वार्षिक परीक्षा फल में महुदा इंटर महाविद्यालय के विज्ञान, वाणिज्य एवं कला में शत प्रतिशत रहा। विज्ञान में कुल 133 छात्रों ने भाग लिया जिसमें 32 प्रथम , 35 द्वितीय श्रेणी मे उत्तीर्ण हुए ! महाविद्यालय के पांच छात्र-छात्राओं ने बेहतर अंक प्राप्त किया। जिसमें सोनु कुमार 81 प्रतिशत, रितुराज पासवान 80 प्रतिशत मो.अबुबकर अजिज 77 प्रतिशत, अमीत कुमार 72 प्रतिशत तथा शशी कुमार यादव ने 71 प्रतिशत अंक प्राप्त किया। वाणिज्य विषय में कुल 22 छात्रों ने परीक्षा दिया जिसमें14 प्रथम,14, द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस संकाय मे बेहतर अंक प्राप्त करने बाले पांच छात्राओ मे से कुमारी लखी महतो 72.48 प्रतिशत, खुशी कुमारी 72.40 प्रतिशत, राम कुमार राय 71.40, श्रुती कुमारी तथा सानिया नाज 71 प्रतिशत है ! कला के क्षेत्र में 339 छात्र छात्राएँ शामिल हुए जिसमें प्रथम स्थान में 104 छात्र , द्वितीय 215 तथा तृतीय 14 छात्र रहे। बेहतर अंक प्राप्त करने बालों में से प्रिंसेस कुमारी 76 प्रतिशत, तुलसी कुमारी 72.8 प्रतिशत, नगमा शाहीन 72 प्रतिशत, खुशबु कुमारी 71 प्रतिशत तथा नेहा कुमारी 70.6 प्रतिशत अंक लाकर कॉलेज टॉपर ररही।

हेल्पिंग हैंड्स' के द्वारा लगभग 1100 जरूरतमंद लोगों के बीच 5000 से अधिक दैनिक सामान मात्र 10 में वितरण

रांची एक्सप्रेस संवाददाता

झुमरी तिलैया, श्री दिगंबर जैन समाज के तत्वाधान में÷ हेल्पिंग हैंड्स÷ के द्वारा 30 अप्रैल को लगभग 1100 जरूरतमंद लोगों के बीच 5000 से अधिक दैनिक जीवन में काम आने वाले सामान मात्र ?10 में दिया गया। प्रातः 9ञ्00 इस कार्यक्रम का उद्घाटन जैन समाज के मंत्री नरेंद्र झाझंरी नीलम सेठी आशा गंगवाल निवर्तमान पार्षद पिंकी जैन ने संयुक्त रूप से किया। हेल्पिंग हैंड्स के सदस्यों ने सभी का तिलक लगाकर दुपट्टा पहना कर स्वागत किया आए हुए सभी महिला पुरुष युवा युवतियां बच्चे ने क्रम से आकर अपने पसंद का सामान लिया सेवा के इस अनूठे सेल कार्यक्रम में नए एवं पुराने उपयोगी सामान रखे गए थे अटैची बैग साइकिल महिलाओं के लिए साड़ी लेडीज कुर्ती सूट स्वेटर फैशन के समान चूड़ी बिंदी आदि, बच्चों के लिए खिलौना जींस बाबा सूट टी-शर्ट कपड़ा जूता चप्पल स्कूल बैग। पुरुष युवाओं के लिए जैकेट जींस शर्ट कुर्ता पजामा कोट पेंट बंडी नाइट सूट आदि घर के दैनिक जीवन में काम आने वाले समान लोगों ने अपनी पसंद से लिए जैन समाज के मंत्री नरेंद्र झाझंरी एवं पार्षद पिंकी जैन ने इस मौके पर अपने संबोधन में कहा कि, हेल्पिंग हैंडस ग्रुप मे शामिल समाज के सभी बच्चे बधाई के पात्र हैं। जरूरतमंदों की सेवा मे युवा पीढ़ी के आगे बढ़ने से समाज और राष्ट्र मजबूत होता है, यह मनुष्य जीवन अनमोल है जैन धर्म में परिग्रह का त्याग एवं जियो और जीने दो की महता है। जरूरतमंदों के प्रति सहयोग की भावना एवं संवेदना ही जीवंत कार्य है। इस नेक कार्य के लिए समाज के सह मंत्री राज छाबड़ा कोषाध्यक्ष सुरेंद्र काला ललित सेठी कमल जैन सेठी सुशील छाबड़ा सुरेश झाझंरी सरोज जैन सुशील जैन छाबड़ा लाला सोगानी ने हेल्पिंग हैंड्स कार्यक्रम के परियोजना निदेशक प्रियंका जैन छाबड़ा अभिषेक जैन गंगवाल अमित जैन सेठी इसान जैन कासलीवाल शिखा जैन गंगवाल खुशबू जैन सेठी और उनकी पूरी टीम के अच्छे कार्य के लिए आभार जताया और शाबाशी दी जैन समाज के मीडिया प्रभारी नवीन जैन एवं राजकुमार अजमेरा ने बताया कि आगे भी हेल्पिंग हैंड्स के सदस्यों के द्वारा जरूरतमंदों की सेवा के लिए कार्य किए जाएंगे । हेल्पिंग हैंड्स ने जैन समाज जैन महिला समाज जैन युवक समिति के सदस्यों के प्रति कार्य में सहयोग के लिए भी अपना आभार प्रकट किया अनुमंडल पदाधिकारी एवं प्रशासन के सहयोग के लिए उनको धन्यवाद दिया।

संक्षिप्त समाचार

महादेव एप: गोरखपुर के सीए से बनवाई थी कंपनी

गोरखपुर , एजेंसी। महादेव बेटिंग एप मामले में एसटीएफ को महत्वपूर्ण जानकारी हाथ लगी है। पता चला है कि देवरिया के पकड़े गए दोनों आरोपियों ने 2021 में वहीं के एक अधिवक्ता के सहारे गोरखपुर के चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) से कंपनी बनाई थी। इसी कंपनी पर महादेव गेमिंग गेमिंग वेबसाइट को इन्होंने तैयार किया था। इसे बनाने में जो रकम सीए को दी गई थी, उसका कुछ हिस्सा अधिवक्ता को भी मिला था।

आरोपियों ने एसटीएफ से पूछताछ में गोरखपुर के सीए अभिषेक सिंह का नाम भी बताया है। इसी आधार पर एसटीएफ ने दर्ज कराए केस में अभिषेक सिंह का नाम भी जोड़ा है। सूत्रों ने बताया कि देवरिया के अधिवक्ता का गोरखपुर के सीए से जुड़ाव था। अधिवक्ता ने 2021 में देवरिया के संजीव सिंह और अभय सिंह को सीए के पास गोरखपुर भेजा था। यहां सीए से गेमिंग वेबसाइट के लिए कंपनी बनवाई गई थी।

एसटीएफ ने जांच में पाया कि ये वेबसाइट गोरखपुर की आईपी एड्रेस पर बनी है। इस कंपनी के प्लेटफॉर्म पर भी डिजिटल हस्ताक्षर सीए अभिषेक सिंह का मिला। इसी आधार पर गोपनीय तरीके से एसटीएफ की टीम अभिषेक सिंह के पीछे लगी थी। सूत्रों ने बताया कि एसटीएफ यह भी जांच करेगी कि सीए ने भी कंपनी पर बनें गेमिंग वेबसाइट से आर्थिक लाभ लिया है या नहीं।

सगाई समारोह में झगड़ा: होटल स्टाफ ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटे रिश्तेदार, दूल्हे का भाई हुआ घायल

आगरा, एजेंसी। मथुरा में एक निजी होटल में सगाई समारोह के दौरान होटल स्टाफ और लड़का पक्ष के बीच मारपीट हो गई। दूल्हे का भाई घायल हो गया। पुलिस मौके पर पहुंच गई।

आगरा के एक व्यक्ति ने बेटे की शादी तीन दिन पूर्व मथुरा में एक रिश्तेदारी में तय की थी। सोमवार रात को बिरला मंदिर के पास निजी होटल में सगाई समारोह चल रहा था। पीड़ित ने बताया, होटल की व्यवस्था पूरी तरह खराब थी। कार्यक्रम के लिए नीचे का हाल बुक किया गया था। कार्यक्रम के दौरान एक लाइट गिर गई। इसके बाद होटल कर्मियों ने दूसरे हाल में शिफ्ट कराया था। यहां पर खाने की व्यवस्था अच्छी नहीं थी। इसे लेकर होटल स्टाफ से कहा गया।

इससे नाराज होकर स्टाफ ने महिलाओं को हाल में बंद करके बिजली गुल कर दी। फिर मारपीट की। इसमें उनके बड़े बेटे आकाश के चोटें आई हैं। घटना की जानकारी पर मालिक भी होटल पहुंचे। पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्षों की वार्ता कराकर समझौता करा दिया गया।

दो घंटे तक उठती रहीं लपटें: पेंट की दुकान में लगी भीषण आग, बाजार में मची अफरातफरी

आगरा , एजेंसी। आगरा के पश्चिमपुरी में पेंट की दुकान में सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। धुआं उठने पर मार्केट में अफरातफरी मच गई। दो दमकलों ने दो घंटे में आग पर काबू पाया। पुलिस का कहना है कि शार्ट सर्किट से हादसे की आशंका है। जांच की जा रही है। खंदारी निवासी स्वप्नदीप मित्तल की चंद्रा कलर शॉपी के नाम से पश्चिमपुरी स्थित मार्केट के भूतल पर दुकान है। उन्होंने बताया कि 11 बजे दुकान खोली थी। दुकान के एक हिस्से में काउंटर है। दूसरे में माल रखा रहता है। माल वाली जगह पर अचानक बिजली के तारों में शार्ट सर्किट हुआ। इसके बाद आग लग गई।

कर्मचारियों ने आग बुझाने का प्रयास किया। सफलता नहीं मिली। पेंट के डिब्बे जलने लगे। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। बाद में 2 दमकल आ गईं। 2 घंटे में आग पर काबू पाया जा सका। आग से तकरीबन 8 लाख का माल जलने का अंदेशा है। मार्केट में अन्य दुकानें भी हैं। गनीमत रही कि आग दूसरी दुकानों तक नहीं फैली। थाना सिकंदरा के प्रभारी निरीक्षक नीरज शर्मा ने बताया कि आग शार्ट सर्किट से लगी थी।

मरीजों के पैरों में बेड़ियां: मानसिक इलाज के नाम पर देते थे गैस की दवा; दम घुटने से मौत मामले में बड़ा खुलासा

गाजीपुर, एजेंसी। गाजीपुर की जमानिया कोतवाली क्षेत्र के मदनपुरा रोड के किनारे अवैध तरीके से संचालित सहारा जन कल्याण मेंटल हॉस्पिटल (मानसिक चिकित्सालय) में मरीजों को बंदियों से भी कड़ी सजा दी जाती थी। भर्ती करने के साथ पैर में लोहे की मोटी बेड़ी डालते थे। उन्हें एक शटर के अंदर कमरों में बंद रखा जाता था। इलाज के नाम पर गैस की दवा देते थे। यह खुलासा यहां बंद मिले लोगों ने किया है। एक दशक से चल रहे इस अवैध अस्पताल के बारे में स्वास्थ्य विभाग अनजान था।

विभाग का दावा है जमानिया क्या पूरे जिले में मेंटल हॉस्पिटल नहीं है, जबकि यह अस्पताल जमानिया सीएचसी से करीब तीन और पीएचसी से छह किमी दूर पर संचालित है। इसके बारे में आसपास के जिलों के अलावा बिहार तक के लोगों को जानकारी थी।

78 हजार में इलाज, 6 हजार खाने का– इस अस्पताल में बंद सभी छह मरीज खुद को स्वस्थ्य बता रहे हैं। ये भी बताया कि यहां हमें दवा और खाना मिलता है। कुछ भी गलत करने पर डंडे से पीटा जाता है। एक माह से भर्ती और दोनों पैर में बेड़ियों से जकड़े विक्की कुमार (21) को देखने बिहार से आए पिता बिगाहू राम ने बताया कि नशे की तल छुड़ाने के लिए बेटे को यहां भर्ती कराया है। पूरा इलाज के लिए 78 हजार में बात हुई थी। छह हजार हर महीने खाने का अलग देता हूं।

जांच के दौरान गैस की दवा मिली है। लोगों को बेवकूफ बनाया जा रहा था। अस्पताल बंद कराया जाएगा। भर्ती मरीज के परिजनों की भी जांच होगी, क्योंकि जिन्हें पागल बताया जा रहा है वे बातचीत में स्वस्थ्य दिख रहे हैं। -डॉ. रविरंजन, केंद्र प्रभारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जमानिया

अस्पताल संचालक और उसका बेटा गिरफ्तार– सहारा जन कल्याण मेंटल हॉस्पिटल में हाथ में बेड़ी पहनाते समय गर्दन दब जाने से मरीज विकास कुमार की हुई मौत के मामले में उपनिरीक्षक सुरेश कुमार मौर्या के नेतृत्व में पुलिस ने सोमवार को मुख्य आरोपी विजय नारायण पाठक और उसके पुत्र सुनील पाठक को जमानिया रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया।

वाराणसी में 80% युवाओं को राजनीतिक दलों के घोषणापत्र पर भरोसा नहीं, सर्वे में बताई खास बात

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी शहर के 80 फीसदी युवाओं को राजनीतिक दलों के घोषणापत्र पर भरोसा नहीं है। उनका कहना है कि घोषणापत्र के वादे सिर्फ लुभावने होते हैं। उन्हें पूरा नहीं किया जाता है। 60 फीसदी युवा ऐसे हैं, जो नोटा पसंद नहीं करते हैं। वे कहते हैं, जब नोटा विजेता घोषित नहीं हो सकता तो इसका कोई मतलब नहीं है। हमें मुखर होकर हमारे मुद्दों को जनप्रतिनिधियों के सामने रखने चाहिए और किसी न किसी प्रत्याशी को ही वोट देना चाहिए। 40 फीसदी युवा मानते हैं कि नोटा मतदाताओं के लिए ताकतवर हथियार है।

युवाओं का कहना है कि बड़े नेताओं के घर जन्म लेने वाले ही राजनीति की ऊंचाई पर पहुंचते हैं। जन्म के साथ ही सीट व चुनाव का क्षेत्र तय हो जाता है। फिर चाहे वह योग्य हो या नहीं। राजनीति भी अब रुपयों पर आधारित रह गई है। जाति फैक्टर काम करता है। हर राजनीतिक दल जातीय समीकरण को ध्यान में रखकर ही टिकट का बंटवारा करता है।

नोटा को वोट क्यों दें, राजनीतिक दलों से सवाल करिए

40 फीसदी युवा नोटा को मतदान के लिए हथियार मानते हैं। वे कहते हैं, इसे और अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत है। हालांकि 60 फीसदी युवा नोटा को वोट नहीं देना चाहते हैं। वे कहते हैं नोटा के जरिये नाराजगी जताई जा सकती है, लेकिन जीत-हार नहीं तय किया जा सकता है। राजनीतिक दलों के सामने अपने मुद्दे रखें। जब वोट मांगने आएं तो निडर होकर सवाल करें। 70 फीसदी युवा पार्टी से अधिक प्रत्याशी के चुनाव पर जोर देते हैं।

उनका कहना है कि प्रत्याशी की छवि और जनता के बीच उसका स्वभाव वोट का आधार होता है। कई बार राजनीतिक दल का विरोध नहीं होता है, लेकिन प्रत्याशी के विरोध के चलते पार्टी को चुनाव में हार का सामना करना पड़ता है।

रोजगार, सीमा सुरक्षा पर हो काम

रोजगार के मुद्दे पर लगभग सौ फीसदी युवा एक राय हैं। उनका कहना है कि रोजगार ही प्रमुख मुद्दा होना चाहिए। राजनीतिक दलों को इस ओर प्रमुखता से काम करना चाहिए। वैकेंसी आए तो समय से उसका परिणाम आए और उसमें भ्रष्टाचार न हो, यह सुनिश्चित होना चाहिए। पिछले दस साल में स्टार्टअप पर काम हुआ है मगर अभी इस दिशा में बहुत काम होना बाकी है। युवाओं को बैंक ऋण अभी भी आसानी से नहीं मिलता है। कुछ ही सफल स्टार्टअप हैं बस। सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर भी सभी एकमत हैं। उनका कहना है कि इसमें कोई कोताही नहीं होनी चाहिए।

कांग्रेस के पूर्व सांसद बोले

भाजपा संविधान में आरक्षण का प्रावधान बदलना चाहती है

लखनऊ , एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व सांसद पीएल पुनिया ने प्रेसवार्ता में कहा है कि निम्न आय वर्ग के लोगों को आरक्षण का लाभ लेकर उनका जीवन बेहतर किया गया है। भाजपा आरक्षण पर वार कर रही है। संविधान में आरक्षण का प्रावधान बदलना चाहती है। इनके सांसद आनंद हेगड़े ने कहा कि 400 पार संविधान बदलने के लिए चाहिए।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण किया जा रहा है। निजीकरण के बाद आरक्षण की व्यवस्था खत्म हो जाएगी। आगे आरक्षण की सुविधा पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। आउटसोर्सिंग में भी आरक्षण की सुविधा नहीं है। संयुक्त सचिव स्तर की भर्ती सीधी होती है। केंद्र ने लेटरल इंट्री में एक भी एससी, एसटी और ओबीसी को नहीं रखा है।

केंद्र की सरकार लगातार ओबीसी, एससी और एसटी का हक मार रही है। न तो जनगणना करा रहे हैं न ही जातीय जनगणना करा रहे हैं। हम जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी भागीदारी पर बात करते हैं। कांग्रेस मनरेगा की मजदूरी बढ़ाएगी। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि पार्टी आज से नियमित भाजपा से एक सवाल करेगी। प्रेसवार्ता में ममता चौधरी, पिछड़ा वर्ग विभाग कांग्रेस के चेयरमैन मनोज यादव उपस्थित थे।

अंधेरगर्दी: बिना नियुक्ति खजांची बना दसवीं फेल चपरासी, 35 साल तक की नौकरी, दोषी मिलने पर भी दो वर्ष की जॉब

मेरठ , एजेंसी। इसे सिस्टम की अंधेरगर्दी नहीं तो और क्या कहेंगे कि बिना नियुक्ति के ही कोषागार में 35 साल तक नौकरी करने वाले मुख्य रोकड़िया सुशील कुमार को जांच में दो साल पहले ही दोषी ठहरा दिया गया था। तत्कालीन डीएम मुजफ्फरनगर ने निदेशक कोषागार को पत्र लिखकर सुशील कुमार की सेवा समाप्त करने की संस्तुति की थी। दोषी पाए जाने के बावजूद वह मेरठ कोषागार में दो साल और नौकरी करता रहा। अब जाकर सुशील को निदेशक कोषागार एवं पेंशन नील रतन कुमार ने बर्खास्त किया है।

मुजफ्फरनगर की रामपुरम कॉलोनी के जय प्रकाश और मुजफ्फरनगर कोषागार में डिप्टी कैशियर शिवकुमार वर्मा की शिकायत पर यह कार्रवाई हुई।

अनियमित नियुक्ति की शुरुआती स्तर पर जांच के आधार पर ही सितंबर-2022 में मुजफ्फरनगर के तत्कालीन जिलाधिकारी चंद्रभूषण सिंह ने मुख्य रोकड़िया सुशील कुमार को सेवा से निष्कासन के लिए निदेशक कोषागार लखनऊ को पत्र लिखा था। इसके बाद भी अब दो साल तक आरोपी सेवा में रहा।

इस प्रकरण में विभाग के तत्कालीन निदेशक आलोक अग्रवाल ने दूसरी जांच अनुशासनात्मक बिंदुओं पर कराई थी। इसके लिए वित्त नियंत्रक राजकीय मेडिकल कॉलेज सहारनपुर एसके गौतम को नामित किया गया।

उन्होंने जांच के दौरान मुख्य रोकड़िया के पद तैनात सुशील कुमार का पक्ष सुना। शिकायतकर्ता जयप्रकाश और शिव कुमार के बयान दर्ज किए। वरिष्ठ कोषाधिकारी मुजफ्फरनगर से रिकॉर्ड तलब किया गया। समस्त साक्ष्यों को संकलित करने के बाद उन्होंने जनवरी 2024 में आख्या निदेशक को प्रेषित कर दी थी।

मुजफ्फरनगर में तैनात रहे सुशील कुमार ने फर्जी तरीके से नियुक्ति कराकर पदोन्नति पाई। किसी अफसर ने उनकी नियुक्ति की पत्रावली तक नहीं देखी। इस दौरान कई डीएम भी बदले गए।

मुजफ्फरनगर में तैनात डिप्टी कैशियर शिव कुमार वर्मा ने 6 सितंबर 2021 को शिकायत की। उनका तर्क था कि सुशील की पदोन्नति की वजह उनका प्रमोशन प्रभावित हुआ है। उनकी नियुक्ति कभी वैधानिक तरीके से नहीं हुई।

उन्होंने हाईकोर्ट में भी याचिका दाखिल की, जो लंबित है। दूसरी शिकायत दिसंबर 2021 में जय प्रकाश ने की थी। दोनों पर जांच के बाद शासन ने बड़ी कार्रवाई की।

अकासा ने नए विमानों को उड़ाने के लिए मांगा स्लॉट, बढ़ जाएगी उड़ान

गोरखपुर, एजेंसी। एयरपोर्ट प्रशासन से अकासा ने प्रस्ताव भेजकर नए विमानों को उड़ाने के लिए स्लॉट मांगा है। प्रशासन अगर स्लाट देता है तो मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद और कोलकाता के लिए गोरखपुर से विमान की संख्या बढ़ जाएगी। इसका फायदा यात्रियों को मिलेगा।

वर्तमान में गोरखपुर से इंडिगो और एलायंस एयर के छह विमान दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद और कोलकाता के लिए उड़ान भरते हैं। अकासा एयर को मंजूरी मिलने पर यहां विमानों की संख्या बढ़ जाएगी। ये बता दें कि अकासा एयर दो शहरों दिल्ली और बंगलूरू के लिए 29 मई से हवाई सेवा शुरू कर रहा है। इसके लिए टिकटों की बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। 29 मई से दिल्ली के लिए गोरखपुर से 2:45 बजे विमान उड़ेगा। वहीं यहां से शाम सात बजे बंगलूरू के लिए विमान उड़ान भरेगा। विमानों की संख्या बढ़ने के कारण वर्तमान में अकासा के एयर टिकट भी अभी सस्ते हैं। जो यात्री इस समय टिकट बुक करा रहे हैं, उन्हें एक हजार से 1500 तक फायदा मिल रहा है।

रात नौ बजे तक एयरपोर्ट से होती है उड़ान

बता दें कि सुबह सात से रात नौ बजे तक एयरपोर्ट से विमानों की उड़ान होती है। इसी समय में से अकासा एयर ने भी एयरपोर्ट प्रशासन से स्लॉट मांगा है। उम्मीद की जा रही है, बहुत जल्द प्रशासन इसपर स्वीकृति भी दे सकता है।

शहर के टूर प्लानर का कहना है कि गोरखपुर में यात्रियों की कमी नहीं है। अगर विमानों की संख्या बढ़ेगी तो यात्रियों को कहीं भी आने-जाने में सहूलियत मिलेगी। स्पाइस जेट ने फरवरी में दिल्ली और मुंबई की हवाई सेवा बंद कर दी। इसके बाद एलायंस एयर ने लखनऊ की सेवा बंद कर दिल्ली की उड़ान को चार दिन कर दिया। इस वजह से यात्री अयोध्या जाकर फ्लाइट पकड़ रहे हैं।

कामयाबी: मेरठ की मानसी माहेश्वरी की एनीमेशन फिल्म बनीहुड की कांस में होगी स्क्रीनिंग

मेरठ, एजेंसी। मेरठ की मानसी माहेश्वरी की एनीमेशन फिल्म बनीहुड का जलवा कांस में दिखेगा। एक निर्देशक के रूप में उनके काम को अब पूरी दुनिया देखेगी। उनकी यह एनीमेशन फिल्म कांस फिल्म फेस्टिवल-2024 के लिए चुनी गई है। 23 मई को इसकी स्क्रीनिंग कांस फिल्म फेस्टिवल में होगी।

मेरठ से शुरुआती पढ़ाई के बाद मानसी ने निफ्ट दिल्ली से अपनी आगे की पढ़ाई की। कोरोना के समय उनका झुकाव रचनात्मकता की तरफ हुआ। इसके बाद उन्होंने स्टॉप-मोशन एनिमेशन में अपनी पढ़ाई की।

मानसी का यह प्रेम उनको यूके के नेशनल फिल्म एंड टेलीविजन स्कूल में मास्टर्स प्रोग्राम डायरेक्टिंग एनीमेशन की तरफ ले गया। यहां केवल दस छात्रों में मानसी का चयन हुआ था।

फरवरी में बनी बनीहुड को मानसी खुद का ही आत्म-साक्षात्कार मानती हैं। नौ मिनट की इस रोलरकोस्टर यात्रा में उन अनुभवों को शामिल किया गया है, जिनसे हम अपनी जिंदगी में रूबरू होते हैं। इस फिल्म में बताया गया है कि कैसे हम अपनों को सुरक्षित करने के लिए झूठ तक का सहारा लेते हैं। कठिन समय में अपनी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए छल भी व्यवहार में शामिल हो जाता है। यही अनुभव थे जिनसे बनीहुड का आइडिया आया।

इस फिल्म की अनूठी दृश्य शैली एक नया दृष्टिकोण भी दर्शकों को देती है। यही इस एनीमेशन फिल्म के कांस में चयन का कारण भी बना। मानसी अभी यूके में अपनी एनीमेशन की पढ़ाई पूरी कर रही हैं। इसके अलावा वह एक निर्देशक के रूप में अपने काम को और अधिक निखारने में भी जुटी हुई हैं। मानसी का अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा को पहुंचाना अन्य फिल्म निर्माताओं के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन सकता है।

ट्रैफिक पुलिस के सिपाही से छिना अधिकार

वाहन से न चाबी निकाल सकेंगे...न कर सकेंगे चालान

आगरा , एजेंसी। आगरा शहर में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए अब यातायात पुलिस के मुख्य आरक्षी और आरक्षी यातायात नियमों का उल्लंघन होने पर वाहनों का चालान नहीं कर सकेंगे। यह कार्य केवल यातायात निरीक्षक व उपनिरीक्षक ही करेंगे। एसीपी यातायात सैयद अरीब अहमद ने बताया कि कमिश्नरेट में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। अब यातायात के मुख्य आरक्षी व आरक्षियों को चालान के कार्य से मुक्त करके उन्हें यातायात के संचालन की जिम्मेदारी दी गई है। वह यातायात नियमों का उल्लंघन होने पर चालान नहीं करेंगे। यदि कोई वाहन चालक नियमों का उल्लंघन करते हुए पकड़ा जाता है तो उस स्थिति में यातायात निरीक्षक अथवा उप निरीक्षक चालान करेंगे।

दुबई भागे लॉरेंस बिश्नोई के गुर्गे: फर्जी पासपोर्ट बनाने वाले राजू को लेकर मेरठ पहुंची बीकानेर पुलिस

मेरठ , एजेंसी। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गुर्गे राहुल कुमार और महेंद्र कुमार के फर्जी दस्तावेजों पर पासपोर्ट बनवाने वाले राजू वैध को लेकर बीकानेर पुलिस सोमवार को मेरठ पहुंची। बीकानेर पुलिस ने राजू वैध से पूछताछ के बाद फर्जी तरह से पासपोर्ट बनाने के मामले में कुछ सुबूत जुटाए। राजस्थान पुलिस गाजियाबाद में राजू वैध के ऑफिस में लगे कंप्यूटर को भी जब्त करेगी।

गुजरात की साबरमती जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गुर्गे श्रीडूंगरगढ़ बीकानेर राजस्थान निवासी राहुल कुमार पुत्र चेतन लाल और महेंद्र कुमार पुत्र खजोहर लाल के खिलाफ करोड़ों रुपये की रंगदारी मांगे जाने का मुकदमा दर्ज हुआ था।

राहुल और महेंद्र लॉरेंस के कहने पर राजस्थान में कई संगीन अपराध को अंजाम दे चुके हैं। बीकानेर पुलिस ने दोनों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी तो आरोपी फर्जी पासपोर्ट बनवाकर दुबई भाग गए।

बीकानेर क्राइम ब्रांच की जांच में सामने आया कि दोनों के पासपोर्ट कंकरखेड़ा श्रद्धापुरी के पते पर बनवाए गए। इस पते पर दोनों के फर्जी आधार बनवाए गए। इस मामले में बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ थाना पुलिस ने कंकरखेड़ा के सुभाषपुरी में साइबर कैफे और गाजियाबाद पासपोर्ट ऑफिस के पास कैफे चलाने वाले राजू वैध को गिरफ्तार किया तो उसने सारे फर्जीवाड़े को अंजाम देना कुबूल कर लिया था।

राजू ने बताया था कि उसने ही राहुल और महेंद्र के फर्जी आधार कार्ड और दूसरे दस्तावेज तैयार कराकर दोनों का तत्काल में पासपोर्ट आवेदन कराया। आवेदन करते समय राजू ने अपना मोबाइल नंबर भर दिया।

इसी नंबर पर कंकरखेड़ा थाने से फोन करके बिना मौके पर गए ही फर्जी पते का सत्यापन कर दिया गया। गाजियाबाद पासपोर्ट ऑफिस से लेकर कंकरखेड़ा थाने और लखनऊ तक से हुई रिपोर्ट में फर्जी दस्तावेजों पर मुहर लगती चली गई।

श्रीडूंगरगढ़ पुलिस ने राजू वैध को रिमांड पर लिया हुआ है। सोमवार को श्रीडूंगरगढ़ पुलिस राजू वैध को मेरठ लेकर पहुंची। पुलिस ने कंकरखेड़ा थाने से लगाई गई रिपोर्ट की भी जांच की। किस तरह से राजू ने पासपोर्ट के आवेदन किए, किन-किन लोगों ने इसमें राजू की मदद की। इन सभी तथ्यों को श्रीडूंगरगढ़ पुलिस जुटा रही है।

संपादकीय

स्त्री धन पर दो टूक

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में फैसला देते हुए कहा है कि स्त्री धन पूरी तरह महिला की संपत्ति होती है, जिस पर पति का कोई हक नहीं होता। हालांकि हिंदू लॉ की यह पोजिशन पहले से स्पष्ट है और इस लिहाज से फैसले को नया नहीं बताया जा सकता, फिर भी सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला आज की तारीख में न केवल कानूनी हलकों में बल्कि सामाजिक संदर्भों में भी काफी अहमियत रखता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से यह बात और स्पष्ट हो गई है कि स्त्री धन को पति-पत्नी की संयुक्त संपत्ति के रूप में नहीं देखा जा सकता। स्त्री धन का मतलब उस धन, संपत्ति, गहने-जेवर या रकम से है, जो शादी के समय लड़की को या लड़के और लड़की को दिया जाता है। आम तौर पर परिवार इसे अपनी संपत्ति के रूप में देखता है। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट का यह कहना महत्वपूर्ण है कि अगर किसी संकट के दौरान पति इस धन का इस्तेमाल करता है तो यह उसका नैतिक दायित्व है कि वह धन या उसके बराबर रकम पत्नी को वापस करे। यह आदेश ऐसे समय में आया है, जब कई अन्य फैसलों की बदौलत और महिलाओं की बढ़ती जागरूकता के कारण भी, समाज में स्त्री-पुरुष संबंधों का सदियों से चला आ रहा समीकरण बदल रहा है। महिलाएं घर से निकल कर हर क्षेत्र में अपना दखल बढ़ा रही हैं। परिवार के अंदर भी पैतृक संपत्ति में अपना जायज हिस्सा मांग रही हैं और रोजमर्रा की जिंदगी में फैसले लेने की प्रक्रिया में सक्रिय हिस्सेदारी कर रही हैं। इन सबका एक साइड इफेक्ट यह है कि पुरुषों के एक हिस्से में महिलाओं के अधिकारों को लेकर बेचैनी का अहसास बढ़ा है। कहीं यह उनमें बढ़ते असुरक्षा बोध के रूप में सामने आता है तो कहीं महिलाओं के अधिकारों का विरोध करने की प्रवृत्ति के रूप में। ऐसे में यह और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है कि समाज का बड़ा हिस्सा सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को किस रूप में देखता है। चूंकि स्त्री धन और उस पर मालिकाना पारंपरिक तौर पर ही स्त्रियों का माना जाता रहा है, इसलिए समाज में प्रचलित पारंपरिक सोच का एक रिएक्शन यह भी हो सकता है कि इस फैसले का स्वागत करते हुए लड़कियों के अधिकारों को वहीं तक सीमित करने की कोशिश की जाने लगे। कानूनी तौर पर तो लड़कियों के सारे अधिकार सुरक्षित हैं। अदालतें इस मामले में सतर्क भी हैं। लेकिन समाज में इस फैसले की आड़ में प्रतिक्रियावादी और प्रतिगामी सोच हावी न हो, इसे लेकर सावधानी बरतने की खास जरूरत है।

पैरों में लगा आलता या महावर

घर में शादी हो या कथा, नवरात्र हो या वसंत, अगर पैरों में आलता नहीं लगा है तो माना जाता है कि संपूर्ण शुभता नहीं आ सकती। वैसे तो आलता या महावर बहुत छोटी सी चीज है। गाढ़ा गुलाबी रंग ही तो, जिससे पैरों में तरह-तरह की डिजाइन बनाई जाती है। इसके बगैर स्त्री का सोलह श्रृंगार पूरा नहीं होता है। यूपी हो या बिहार, बंगाल हो या ओडिशा या फिर असम, आलता लगाए बगैर न तो दुल्हन पूरी मानी जाती है और न ही दूल्हा। आलता तो दोनों को लगाना होता है, चाहे कम लगाएं, चाहे ज्यादा। आलता संस्कृत का शब्द है, पर यह संस्कृत से सीधे हिंदी में नहीं आया। संस्कृत में इसे लक्ष्य रस भी कहा जाता है तो अलक्तक भी। इसी अलक्तक से आलता सबसे पहले बंगाली जमीन पर उतरा। वहां से इसने असम, ओडिशा होते हुए लगभग संपूर्ण उत्तर भारत में लोगों चरण कमल बनाए। लक्ष्य रस इसे इसलिए कहा जाता था क्योंकि पहले यह लाख से तैयार किया जाता था।

बाद में यह चुकंदर के पत्ते, सिंदूर और कुमकुम पाउडर से बनाया जाने लगा, और अब तो अक्सर सब जगह केमिकल वाला रंग ही मिलता है। जानकार लोग बंगाल और ओडिशा का बना आलता ही लेते हैं, क्योंकि वहां अभी भी इसे परंपरागत रूप से तैयार किया जाता है। आलता कोई आज का नहीं है। ऐसी कई पुरानी तस्वीरें हैं, जिसमें श्रीकृष्ण राधा के पैरों में आलता लगाते दिखते हैं। कथक, भरतनाट्यम, कुचिपुड़ी, मणिपुरी से लेकर असम का बिहू डांस भी बगैर आलता के अधूरा माना जाता है। आलता के इंग्लिश में रेड कलर के अलावा और कुछ नहीं है। आलता शुभ है, इसलिए यह हम भारतीयों के लिए रंग और धर्म से भी कहीं ज्यादा है। हिंदू हों या मुसलमान- शुभ कर्मों में आलता तो दोनों ही लगाते हैं। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

नक्सली कार्रवाई पर विपक्ष का हमदर्दी भरा दृष्टिकोण क्यों?

(डॉ. रमेश ठाकुर)

ये तो जगजाहिर है ही कि कांग्रेस नक्सल आंदोलन के हिंसावादी रवैये की प्रति शुरू से नरम रही है। जबकि, कायदे से देखें तो नक्सलियों ने उनके भी कई नेताओं को मौत के घाट उतारा है। बहरहाल, कांकेर मुठभेड़ को लेकर कांग्रेस और सत्तारूढ़ पार्टी के बीच जमकर वाकयुद्ध जारी है। कांकेर (छत्तीसगढ) में पिछले सप्ताह केंद्रीय सुरक्षाकर्मियों ने एक ऑपरेशन के तहत बड़ी संख्या में नक्सलियों को मार गिया। सूचनाएं थी कि नक्सली चुनाव में गड़बड़ी करने वाले थे। उनका निशाना पोलिंग बूथ थे, उनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद बरामद हुए। नक्सलियों पर इस कार्रवाई को लेकर एक दफे फिर कांग्रेस ने प्रामाणिकता पर सवाल उठाए हैं। वाजिब सवाल ये है कि आखिर चुनाव के बीच नक्सल और सुरक्षा बलों के बीच चले इस संघर्ष को राजनीतिक रंग देने में किसका भला होगा? भूपेश बघेल तो मुठभेड़ को फर्जी भी बता रहे हैं। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भी बिना सोचे समझे नक्सलियों से हमदर्दी जताई है। हालांकि, विरोध होने पर अब दोनों अपने बयानों को लेकर लीपापोती करने में लगे हैं। कुछ विपक्षी नेताओं ने इससे पूर्व भी नक्सलियों को शहीद बताकर उनके प्रति हमदर्दी जताई थी। ये तो जगजाहिर है ही कि कांग्रेस नक्सल आंदोलन के हिंसावादी रवैये की प्रति शुरू से नरम रही है। जबकि, कायदे से देखें तो नक्सलियों ने उनके भी कई नेताओं को मौत के घाट उतारा है। बहरहाल, कांकेर मुठभेड़ को लेकर कांग्रेस और सत्तारूढ़ पार्टी के बीच जमकर वाकयुद्ध जारी है। पर, नक्सलवाद की समस्या चुनाव तक ही सीमित नहीं रहने वाली? क्योंकि देश विगत 70 वर्षों से नक्सल आतंकवाद झेलता आया है। अब समय की मांग इसे जड़ से खत्म किया जाए। केंद्र की योजना फिलहाल इसी ओर अग्रसर भी है। अभी तक हजारों नक्सली मारे गए हैं जिनमें बड़ी संख्या में हमारे जवान भी शहीद हुए हैं। इसलिए इस समस्या को राजनीतिक चश्मे से देखने कतई औचित्य नहीं? इस समस्या को जड़ से मिटाने की राष्ट्रीय नीति के प्रति सभी को एक समान विचार रखना चाहिए। केंद्र सरकार ने गत दस वर्षों में नक्सल उन्मूलन की नीति पर एक निरंतरता बनाया हुआ है जिसके बेहतरीन परिणाम भी मिले हैं। नक्सल आंकड़ों पर गौर करें तो 2004-14 के यूपीए के दस सालों के नक्सली हमलों या मुठभेड़ों में 1,750 सुरक्षा बलों के जवानों की शहादत हुई थी, लेकिन 2014-23 में करीब 72 फीसदी तक कमी आई। इस दौरान 485 सुरक्षा बलों के जवानों की जाने गई। इसी अवधि में नागरिकों की मौत की संख्या भी 68 प्रतिशत घटकर 4,285 से 1,383 हुई। कांग्रेस सरकार अपने वक्त में ये तय नहीं कर पाई थी कि वह आर्मड वाम विद्रोह के खिलाफ केंद्रीय नीति किस तरह की रखे। कांग्रेस के नेताओं में इस पर एकमत था ही नहीं। प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह उच्च-स्तरीय सुरक्षा सम्मेलनों में तो यह कहते रहे कि नक्सलवाद देश के लिए खतरा हैं। पर, गृहमंत्री के रूप में चिदंबरम ने सशस्त्र विद्रोह के प्रति कोई आक्रामक नीति कभी बनाई ही नहीं? मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह नक्सलवाद के मूल कारणों को ढूंढने के अपने सिद्धांत बना लिए और उसी की वकालत करते रहे। सन-2009 में यूपीए सरकार ने ऑपरेशन 'ग्रीन हंट' शुरू किया था। तब कहा गया था कि सरकार नक्सलियों को पूरी तरह खत्म कर देगी। सीआरपीएफ को इसके लिए खास तरह के टास्क दिए गए, यहां तक की भारतीय सेना को भी लगाया गया। लेकिन, ऑपरेशन 'ग्रीन हंट' सुरक्षा बलों के लिए ही काल बन गया। अप्रैल-2010 में नक्सलियों ने दंतेवाड़ा में एक ही दिन 76 सीआरपीएफ के जवानों की हत्या कर दी। घरेलू मोर्चे पर यह ऑपरेशन 'ब्लूस्टार' के बाद सुरक्षा बलों की सबसे ज्यादा मौतों की यह घटना बन गई। यूपीए में तीन तीन गृह मंत्री बनाए गए, शिवराज पाटिल, चिदंबरम और सुशील शिंदे। नक्सलवाद को लेकर तीनों की अपनी अलग-अलग राय थी। यूपीए सरकार में ही हिंसक नक्सलियों को गुमराह और नेक इरादे वाले लोगों के रूप में वर्णन किया गया। यूपीए सरकार ने ही मलकानगिरी के कलेक्टर विनील कृष्णा के बदले में आठ माओवादियों को रिहा किया। उसी दौरान माओवादी समर्थकों का एक पढ़ा लिखा वर्ग भी तैयार हुआ, जिन्हें आज अर्बन नक्सली कहा जाता है।

> *केंद्र ने कई विकास परियोजनाएं भी शुरू करने की बात कही। जिनमें वामपंथी उग्रवाद से ग्रस्त क्षेत्रों में 17,600 किमी सड़कों को मंजूरी देना। केंद्र ने राज्यों को नियमित निगरानी के लिए हेलीकॉप्टर और मानव रहित हवाई वाहन उपलब्ध करवाना। सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए स्पेशल फंड्स जारी किए। इस मद में करीब 971 करोड़ रुपये की परियोजनाएं मंजूरी भी हुई।*

फिलहाल केंद्र सरकार अब ये दावा करती है कि उसने हिंसक वाम आंदोलन और उग्रवाद खिलाफ जोरदार अभियान छेड़ा है। नक्सली वामपंथी उग्रवाद को किसी भी तरह की रियायत नहीं दी जाएगी। 2015 में मोदी सरकार ने आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ 'राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना' शुरू की थी जिसमें हिंसा के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की बात कही गई थी। सरकार ने उसी समय से किसी भी तरह की हिंसा से निपटने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों का आधुनिकीकरण करना शुरू कर दिया। प्रशिक्षण के लिए विशेष तौर पर फंड जारी किए। इसके साथ ही सरकार ने हिंसा प्रभावित राज्यों की सहायता के लिए विशेष बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की योजना पर काम शुरू किया। सुरक्षा जरूरतों में आने वाले खर्चों के लिए अलग से धनराशि जारी की। इतना ही नहीं इस पूरे काम की निगरानी करने के लिए सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में अमित शाह के नेतृत्व में गृह मंत्रालय में एक अलग डिवीजन बना दिया है। इसे वामपंथी उग्रवाद प्रभाग का नाम दिया गया। वामपंथी उग्रवादियों का मुकाबला करने और राज्य पुलिस बलों की क्षमता को बढ़ाने के लिए राज्यों में इंडिया रिजर्व बटालियन का भी गठन किया गया। लगातार ऑपरेशन से माओवादियों और नक्सलियों के पांव उखर गए हैं। हिंसा और अपराधों के आकड़े में लगातार कमी आई है। वर्ष 2014 से 2023 के बीच में वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसा में 52 फीसदी से अधिक की कमी आई है। इस तरह कुल मौतों में भी 69 फीसदी की कमी आई है। सुरक्षा बलों के हताहतों की संख्या इस समय काफी कम है। यह एक बड़ी उपलब्धि रही है। ये तभी संभव हुआ जब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्र और राज्यों के बीच एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण का मार्ग प्रशस्त किया, जिसके चलते ही विगत वर्षों में उग्रवादी गुटों के कई सदस्य सरकार के सामने आत्मसमर्पण करने को भी मजबूर हुए। केंद्र सरकार मोदी ने कई मर्तबा वामपंथी उग्रवादियों को हिंसा छोड़ने और बातचीत करने का प्रस्ताव दिया था।

राष्ट्रहित में संकल्पित युवा शक्ति का मतदान

(डॉ. निशा शर्मा)

किसी भी राष्ट्र की विकास यात्रा में अनेक उतार चढ़ाव आते है और आज भारत विश्व में जिस गति से आगे बढ़ रहा है उसमे युवाओं की महती भूमिका है। अर्थव्यस्था, विज्ञान, अनुसंधान, खेल, राजनीति, रणनीति, सुरक्षा कोई भी क्षेत्र आज युवाओं से अछूता नहीं है। भारत इन दिनों अपना सबसे बड़े और पावन पर्व का आयोजन बड़े धूमधाम से कर रहा है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में भारत के नागरिक अपने राष्ट्र को अपने राष्ट्र को सशक्त और मजबूत सरकार देने के प्रयास में लगे हैं। सात चरणों में पूर्ण होने वाले इस वर्ष के लोकसभा के ये चुनाव देश के इतिहास के सबसे बड़े चुनाव होंगे। जिसमे से पहले चरण का मतदान पूर्ण हो चुका है, शेष अभी बाकी हैं। बैसे तो 18 वर्ष के ऊपर के सभी मतदाता अपने मत का प्रयोग करते ही हैं, परन्तु हम सभी जानते हैं कि भारत युवाओं का देश है, यंगिस्तान कहे जाने वाले अपने भारत में आज लगभग 66त्न युवा मतदाता हैं। मतदाताओं का ये प्रतिशत किसी भी राष्ट्र की दशा और दिशा बदलने के लिए पर्याप्त है। आज भारत का युवा पहले के मुकाबले अपने राष्ट्र के प्रति और अधिक जागरूक और सक्रिय हो गया है। इसका अंदाजा अपने इर्द गिर्द हो रही कुछ घटनाओं को देखकर लगाया जा सकता है। उदाहरण के लिए जैसे गतवर्ष महिला समन्वय की तरफ से ब्रज प्रान्त में महिला सम्मलेन और इस वर्ष उसी क्रम में तरुणी और युवा सम्मेलनों का आयोजन कई स्थानों पर कराया गया था। सम्मेलनों में संख्या विशेषकर युवा तरुणियों की बढ़ती संख्या इस बात की ओर इशारा तो कर रही थी कि कहीं न कहीं हमारा युवा मतदाता अपने राष्ट्र की उन्नति को लेकर बेहद संवेदनशील रवैया अपना रहा है। फैशन, कैरियर, टेक्नोलॉजी के साथ अब भारत का युवा अपनी संस्कृति और राष्ट्र के हित को लेकर भी जागरूक है। इस बात पर पक्की मुहर तब लग गयी जब चुनाव आयोग ने इस वर्ष के आकडे ज़ारी किये और उसमे मतदाता सूची के पुनरीक्षण में स्पष्ट किया गया कि 18 से 29 साल के आयु वर्ग में 2.63 करोड़ नये मतदाताओं ने पंजीकरण कराया है इसमें भी महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक रही। ये बड़े ही हर्ष का विषय है कि युवाओं विशेषकर महिलाओं में अपने राष्ट्र के प्रति ये विजन देखने को मिल रहा है। समाज में आज युवा-वर्ग भारत की हर राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्थिति, परिस्थिति और इसके साथ ही इन सभी में भारत की भूमिका को देखते हुए बहुत गंभीरतापूर्वक विचार कर रहा है। अब वह समय नहीं जब युवा अपने सिलेबस से बाहर की बात कहकर अनदेखा कर दिया करता था बल्कि इसके उलट अब वह समाज में सामाजिक कार्यों से जुड़कर किस प्रकार की भूमिका हमारी होनी चाहिए ? इस बात पर विचार करता है। किसी भी राष्ट्र को तभी पूरी दुनिया सम्मान से देखती है और सम्मान देती है जब वह अपनी संस्कृति, विरासत पर गर्व करते हुए आगे बढता है। यह बात अब भारत का युवा जान चुका है और इसमें कोई संदेह भी नहीं कि युवा ही हमारे राष्ट्र का भविष्य हैं। आज भारत युवा शक्ति समपन्न राष्ट है, इतनी युवा शक्ति तो भारत के पास तब भी नहीं थी जब हमने आज़ादी पायी थी। ज़रा विचार कीजिये इतनी विशाल युवा-शक्ति यदि कुछ करने की ठान ले तो वह भारत को किस ऊंचाई पर ले जा सकती है। आज का युवा देश की तरक्की देख रहा है, सम्पूर्ण विश्व में भारत की साख पर गर्व भी महसूस कर रहा है। इसके साथ ही एक और शक्ति को भी अपने अन्तेमन में महसूस कर रहा है वो है भारत की आध्यात्मिक शक्ति। यह स्पष्ट है कि युवा शक्ति, आध्यात्मिक शक्ति को महसूस कर पूर्ण सम्मान के साथ उसका समर्थन भी कर रही है। ये दोनों विश्व की महानतम शक्तियां हैं और इतिहास साक्षी है कि जब जब दो पावन शक्तियों का संयोग हुआ है तब तब इतिहास रच गया है। यह हमारा सौभाग्य ही है कि ये दो महान शक्तियां केवल भारत के पास ही हैं।

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन लाभपूर्ण होगा और आज आपके लिए सुख के साधनों में वृद्धि होगी। आपको आज आलस्य छोड़कर अपने काम समय से पूरे करने का प्रयास करना चाहिए। परिवार की ओर से पूरा सहयोग मिलेगा। शाम को आपको करियर के मामले में कोई जरूरी फैसला करना पड़ सकता है। पड़ोसी सहयोग करेंगे।

वृष
आज करियर के मामले में लाभ का दिन है। आपके धन में वृद्धि के योग हैं और भौतिक सुविधाएं बढ़ेंगी। आपके अन्दर भोग विलास बढ़ेगा। आप धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सहयोग करेंगे, यदि आप व्यापार कर रहे हैं तो आज कुछ नए परिवर्तन हो सकते हैं। आगे चलकर आपको लाभ होगा। शाम के वक्त बाहर का खाने से बचें और सेहत का ध्यान रखें।

कर्क
आज आर्थिक लाभ होगा और आपको कहीं से रुके धन की प्राप्ति होगी। देर रात ऐसे अनावश्यक खर्चे सामने आएंगे जो कि न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे। आपको आज किसी मामले में लाभ होगा और आपके धन में वृद्धि होगी। आपका भाग्य आज साथ देगा और आपके धन में वृद्धि के योग हैं।

सिंह
आज का दिन आपके लिए भविष्य की नवीन संभावनाओं से भरा होगा। आपकी रुचि धर्म के मामले में रहेगी। आपके अच्छे कर्मों से आपके खानदान का नाम ऊंचा होगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से कार्य में सफलता मिलेगी। सायंकाल का समय गाने बजाने संगीत और सैर सपाटे में बीतेगा। आप आज अच्छे कार्य में खर्च करेंगे।

मिथुन
आज आपको किसी प्रकार का लाभ और उपहार मिलेगा। आप अपनी शान और शौकत के लिए खर्च करेंगे। अपनी वाक्पटुता और कार्यकुशलता से दूसरे व्यक्तियों को अपनी ओर आकृष्ट करने में सक्षम रहेंगे। शाम के वक्त आपका मन धार्मिक कार्य में लगेगा।

कन्या
आज का दिन सावधानी से हर काम करने का है। मानसिक अशांति खिन्नता एवं उदासीनता के कारण आप भटक सकते हैं। आपकी संतान व पत्नी के प्रति प्रेम भावना बढ़ेगी। यदि आपकी प्रोन्नति होने वाली है तो अवश्य प्राप्त होगी। आप अपनी वाक्पटुता से शीघ्र ही दूर कर लेंगे।

तुला
आज का दिन लाभपूर्ण होगा। इस समय आपका मन धार्मिक कार्य में लगेगा। सायंकाल से देर रात तक आपकी भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। आपकी बुद्धि विवेक से नए-नए कार्य पूर्ण होंगे। आप दूसरों की कमियां ढूंढना छोड़ दें तो आज आपकी शान में चार चांद लग सकता है।

वृश्चिक
आज आपको कुछ मामलों में अपने पसंद का काम करने को मिलेगा। समाज की ओर से वांछित सहयोग मिलेगा, परिवार की तरफ से भी शुभ समाचार मिलने के संकेत हैं। यदि आप नौकरी करते हैं तो आपके अधिकारों में वृद्धि होगी। उत्तरदायित्व बढ़ेगा और लोग आपके काम की प्रशंसा करेंगे। आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी।

मकर
आज दिन मिश्रित फल वाला होगा। आज आपके सामने कुछ ऐसे खर्च आ सकते हैं जो कि आपको मजबूरी में करने पड़ सकते हैं। इन खर्च की वजह से आपकी खिन्नता और बढ़ जाएगी। शाम के समय कोई खुशखबरी मिलने से आपका उत्साह बढ़ेगा। रात में किसी मांगलिक समारोह में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त होगा।

कुंभ
आज आपको निर्णय लेने की क्षमता से लाभ होगा और रुके कार्य पूर्ण होंगे। आपका कोई विवाद राज्य में लंबित है तो उसमें आपकी जीत होगी और सफलता प्राप्त होगी। धन का लाभ होगा। सायंकाल से लेकर देर रात्रि तक का समय ईश्वर की सेवा के कार्य में आपका मन लगेगा। आपको आज लाभ प्राप्ति के योग हैं।

धनु
आज का दिन सफलता से भरा होगा। आज आप में अपने कार्य के प्रति लगन रहेगी और रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे। आप आज किसी नई कार्ययोजना में निवेश कर सकते हैं। आपके परिवार में मनमुटाव की स्थिति रहेगी। शाम के वक्त वाहन खराब होने से आपका खर्च बढ़ सकता है। आप इस समय में धैर्य से काम लें क्योंकि जल्दबाजी में किए गए कार्य से आप परेशान हो सकते हैं।

मीन
आज का दिन सामाजिक कार्य में बीतेगा। आपकी भौतिक सुख सुविधाओं में कुछ कमी आ सकती है। यदि आप अपने मन की बात को शीघ्र दूसरों से उजागर न करें तो रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। आपके स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है। खानपान में नियंत्रण रखें और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5356

	9	5			3	2	1	
7						5		9
2	8		6	9				4
							7	
			2	1	8			
	5							
1				4	2		8	5
9		8						7
	4	6	3			1	9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5355

3	7	9	4	5	2	8	6	1
1	8	6	3	7	9	5	4	2
4	2	5	6	8	1	9	3	7
9	1	2	7	4	5	6	8	3
6	4	3	2	1	8	7	5	9
8	5	7	9	3	6	1	2	4
7	3	8	1	6	4	2	9	5
2	6	4	5	9	7	3	1	8
5	9	1	8	2	3	4	7	6

वर्ग पहेली 5356

1	2		3	4	■	5	6
7			■	8			
9		10		■	■	11	
	■		■	12		■	■
13	14		15		■	16	17
18		■	19		20		
■	21			■	22		
23		■	24			■	■

संकेतः बाएं से दाएं

1. भारत की इस प्रथम महिला आई.पी.एस.अधिकारी का जन्मदिवस है (09 जून 1949)(5)
5. सिर के बाल झड़ने का रोग (2)
7. संगीत में स्वर का विस्तार, तानने की क्रिया, खिंचाव (2)
8. गानवृंद, गायक दल (5)
9. वर्षा के समान गिरना, कुद्ध होना (4)
11. अव्यक्त मधुर ध्वनि, बीता या आने वाला दिन (2)
12. गेंहू, जौ आदि पौधे के डंठलों के छोटे टुकडे जो पशु भोजन के रूप में इस्तेमाल होती है (2)
13. डायरी जिसमें दैनिक कार्यो का विवरण लिखा जाता है (5)
16. उम्मीद, वस्तु आदि पाने का अल्पनिश्चय (2)
18. मथुरापति कंस के मल्ल का एक नाम, भाला (3)
19. ख्वाहिशमंद, इच्छा रखने वाला (5)
21. पगश्रृंगार, पायजेब (3)
22. पुनीता, पवित्रा (3)
23. दृश्य (2)
24. व्यतीत होना, फल (3)

ऊपर से नीचे

1. पुस्तक विक्रेता को यह भी कहा जाता है (3)
2. दौड़ने वाला (अंग्रेजी)(3)
3. पराया, गैर आदमी, अनजान (3)
4. दयनीय दशा या अवस्था वाला (2)
5. यह नदी गंगा की सहायक नदी है (3)
6. महान, पूज्य, मोहतरम (3)
10. अंदर भरना, गुंजाईश होना (3)
12. भूकंप, जलजला, भूडोल (3)
16. कलेवा, नाश्ता (4)
15. स्वार्थी, खुदगर्ज (4)
16. आने वाला, भविष्य में होने वाला (3)
17. दुर्गा, माता सरस्वती का एक नाम (3)
20. प्रवाहित होना, जल प्रवाह होना (3)

वर्ग पहेली 5355 का हल

ऑ	ल	इं	डि	या	रे	डि	यो
स्क	■	त	■	क	ज	■	ग
र	म	जा	न	■	गा	ज	■
■	ह	म	■	व	री	य	ता
त	त्व	■	अ	ली	■	कि	ला
■	पू	ज	क	■	■	श	ब
पू	र्ण	■	ब	लि	दा	न	■
जा	■	मौ	र	■	वा	■	सा

मरुस्थलीकरण (रेगिस्तान का फैलना) आज विश्व भर में एक विकट समस्या बन गया है। उससे बड़ी संख्या में मनुष्य प्रभावित हो रहे हैं क्योंकि रेत का साम्राज्य बढ़ने से अन्न का उत्पादन घटता है और अनेक प्राकृतिक तंत्रों की धारण क्षमता कम होती है। पर्यावरण भी उसके कुप्रभावों से अछूता नहीं रह पाता। मरुस्थलीकरण से तात्पर्य उस प्रक्रिया से है, जिससे विश्व भर के शुष्क क्षेत्रों में उपजाऊ जमीन अनुपजाऊ जमीन में बदल रही है। मानव गतिविधियां और भौगोलिक परिवर्तन, दोनों इसके लिए जिम्मेदार हैं। शुष्क क्षेत्र उन इलाकों को कहते हैं, जहां उतनी बारिश नहीं होती कि घनी हरियाली पनप सके। विश्व के कुल स्थल भाग का लगभग 40 प्रतिशत, अथवा 5.4 करोड़ वर्ग किलोमीटर शुष्क है। मरुस्थलीकरण इन्हीं शुष्क भागों में अधिक देखने में आता है।

मिट्टी हो रही रेत

भारत का 69.6 प्रतिशत भूभाग (22.83 करोड़ हेक्टेयर) शुष्क माना गया है। यद्यपि इन शुष्क इलाकों की उत्पादकता काफी कम है, फिर भी दूध, मांस, रेशे, चमड़ा आदि के उत्पादन में वे काफी योगदान देते हैं। देश की आबादी का एक बहुत बड़ा भाग शुष्क इलाकों में रहता है। भारत में 17.36 करोड़ हेक्टेयर, अथवा देश के कुल क्षेत्रफल का 53 प्रतिशत, मरुस्थलीकरण से प्रभावित है। ये इलाके अक्सर सूखे की चपेट में भी रहते हैं। सूखा मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया को तेज कर देता है। राजस्थान का पश्चिमी भाग और गुजरात का कच्छ जिला लगभग सदा सूखे की गिरफ्त में रहते हैं।

मनुष्य तथा उसके पालतू पशु सदा से ही रेगिस्तानी इलाकों में रहते आ रहे हैं। विश्व के अन्य शुष्क इलाकों की तुलना में भारत के शुष्क इलाकों में मानव आबादी का दबाव कहीं ज्यादा है। भारत के पास विश्व के कुल स्थल भाग का मात्र 2.4 प्रतिशत है, लेकिन कुल मानव आबादी का 16.67 प्रतिशत भारत में रहता है। इतना ही नहीं, भारत में विश्व में मौजूद चरागाहों का मात्र 0.5 प्रतिशत ही है, पर यहां विश्व में मौजूद मवेशियों का 18 प्रतिशत पलता है। मनुष्य और मवेशियों का यह असहनीय दबाव मरुस्थलीकरण को बढ़ावा दे रहा है। थार रेगिस्तान के भीतरी भागों तक में खेती और पशुपालन का प्रसार हो रहा है। रेगिस्तानी इलाकों में पानी की सीमित उपलब्धि वानस्पतिक उत्पादकता की सीमा बांध देती है। वहां वर्षा भी बड़े ही अनियमित ढंग से होती है, जिससे अन्न के उत्पादन में बड़ी-बड़ी अनियमितताएं देखी जाती हैं। इससे पैदा हुई अन्न की किल्लत से गरीब तबके के लोग सर्वाधिक प्रभावित होते हैं। जीवित रहने के लिए उन्हें रेगिस्तान की वनस्पति पर अत्यधिक निर्भर होना पड़ता है। जैसे-जैसे मनुष्यों और मवेशियों की संख्या बढ़ती जाती है, यह निर्भरता भी बढ़ती है। किसी भी प्राकृतिक-तंत्र की धारण क्षमता सीमित होती है। इस सीमा का उल्लंघन होने पर वह तंत्र बिखरने लगता है। शुष्क इलाकों का प्राकृतिक तंत्र भी मनुष्य द्वारा डाले गए दबाव से आखिरकार चरमरा जाता है। यदि समय रहते इस विघटनकारी प्रक्रिया को रोका नहीं गया, तो सारा तंत्र रेगिस्तान की भेंट चढ़ जाता है, अथवा अत्यधिक चराई और लकड़ी के लिए पेड़ों की छंटाई के कारण उस तंत्र में उपयोगी पौधों की तादाद घट जाती है। उनका स्थान अनुपयोगी और अखाद्य पौधे ले लेते हैं। नतीजा यह होता है कि वह तंत्र अब पहले से भी कम संख्या में मनुष्यों और मवेशियों को पोषित कर पाता है। यही दुश्चक्र मरुस्थलीकरण को गति देता है।

यद्यपि शुष्क इलाकों में बारिश कम होती है, पर जो बारिश होती है, वह काफी तेज और तूफानी ढंग की होती है। इससे इन इलाकों में बारिश अक्सर बाढ़ का रूप धारण करके उपजाऊ मिट्टी को बहा ले जाती है। एक अनुमान के अनुसार बंजर इलाकों में हर हेक्टेयर क्षेत्र से हर साल पानी के कटाव से 16.35 टन मिट्टी बह जाती है। इससे देश के बहुत बड़े-बड़े इलाकों में खड्ड और नाले बन गए हैं और वे खेती के लिए निकम्मे हो गए हैं। काफी इलाकों में रेत के टीलों ने अधिकार जमा लिया है। इस प्रकार अनुपयोगी बनी जमीन को पुन: उपजाऊ बनाने का काम वहां की मिट्टी की जिजीविषा शक्ति पर निर्भर करता है, पर यदि समय रहते कदम न उठाए गए, तो यह मिट्टी ही लुप्त हो जाती है। बार-बार आने वाला सूखा मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया को त्वरित कर देता है, यद्यपि सूखे का प्रभाव क्षणभंगुर ही होता है।

अभी हाल तक हर गांव में नदी-तालाब होते थे, जिनका पानी फसल उगाने के लिए पर्याप्त था। गांव के गोचरों में मवेशियों के लिए चारा पैदा होता था। आसपास के जंगलों से चूल्हे के लिए लकड़ी मिल जाती थी। आज इन्हीं गांवों का हाल बिलकुल बदल गया है। नदी-तालाब सूख गए हैं, अथवा उनमें पानी बहुत कम रह गया है। जो जलाशय बचे हैं, उनमें से कई तो इतने प्रदूषित हो गए हैं कि उनका पानी पीने लायक नहीं रह गया है।

गांव की स्त्रियों को पानी, चारा और ईंधन लाने के लिए मजबूरन कोसों चलना पड़ रहा है। यह दुखद स्थिति गांवों तक सीमित नहीं है, अनेक शहरों की भी यही दशा है। मिट्टी के कटाव का एक अन्य दुष्परिणाम यह है कि पानी के साथ बह आई मिट्टी जलाशयों में जमा होकर उनके जलधारण क्षमता को घटा रही है। इससे बाढ़ की स्थिति और गंभीर हो जाती है और लाखों लोगों को हर साल बारिश के मौसम में बेघर होना पड़ता है। हमारे देश में ऐसे व्यक्तियों की तादाद बहुत ज्यादा है जिनके लिए बारिश का मौसम अभिशाप बनकर आता है, क्योंकि वह मौत, बीमारी और तबाही का पैगाम भी साथ लाता है। बड़ी-बड़ी पनबिजली योजनाओं के सरोवरों में मिट्टी भर जाने से उनसे निर्मित बिजली की मात्रा घटी है और इन योजनाओं की आयु कम हो गई है।

मिट्टी को पहुंचे नुकसान से कृषि की उत्पादनशीलता में जो कमी आई है, उसे लगभग 23,200 करोड़ रुपए आंका गया है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि हमारे जैसे निर्धन देश में बढ़ती आबादी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कृषि की उत्पादकता को बढ़ाने की जरूरत है, न कि घटाने की।

मरुस्थलीकरण एक बहुआयामी समस्या है जिसके जैविक, भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक आदि अनेक पक्ष हैं। इसलिए उससे निपटने में केंद्र और राज्य सरकारों की अनेक संस्थाएं योगदान दे रही हैं। मरुस्थलीकरण से लड़ रहे मुख्य मंत्रालयों में शामिल हैं पर्यावरण और वन मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि मंत्रालय और जल संसाधन मंत्रालय।

सन 1985 में राष्ट्रीय भूमि-उपयोग एवं परती विकास परिषद को उच्चतम नीति-निर्धारक एवं समायोजक एजेंसी के रूप में गठित किया गया। यह परिषद देश भर की जमीनों के प्रबंध से जुड़ी समस्याओं पर विचार करती है तथा नीतियां बनाती है। इस परिषद के अध्यक्ष स्वयं प्रधान मंत्री हैं। यह परिषद राष्ट्रीय भूमि-उपयोग एवं संरक्षण बोर्ड, राष्ट्रीय परती भूमि विकास बोर्ड और राष्ट्रीय वनीकरण एवं पारिस्थितिकी-विकास बोर्ड के कामों की देखरेख करती है। राज्य स्तर पर राज्य-स्तरीय भूमि-उपयोग बोर्ड गठित किए गए हैं। इनके अध्यक्ष संबंधित राज्य के मुख्य मंत्री होते हैं। ये बोर्ड भूमि विकास संबंधी कार्यक्रम चलाते हैं।

पिछले कई सालों से शोध संस्थाएं कृषि विश्वविद्यालयों के सहयोग से मरुस्थलीकरण और सूखे के प्रभावों पर गहन अनुसंधन कार्यों में लगी हुई हैं। इन अनुसंधानों की प्राथमिकता रही है मरुस्थलीकरण रोकना और सूखा-पीड़ित इलाकों की उत्पादकता बढ़ाने की कार्यक्षम विधियां विकसित करना। इन अनुसंधान कार्यों को आर्थिक मदद देने के लिए केंद्रीय और राज्य स्तर की अनेक अनुसंधान संस्थान गठित किए गए हैं। इनमें शामिल हैं, हैदराबाद का केंद्रीय शुष्क खेती अनुसंधान संस्थान, जोधपुर का केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, करनाल का केंद्रीय क्षारीय जमीन अनुसंधान संस्थान, देहरादून का केंद्रीय मृदा एवं जल संरक्षण अनुसंधान संस्थान, झांसी का भारतीय वन एवं चरागाह अनुसंधान संस्थान और नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के परिसर में स्थित जल प्रौद्योगिकी केंद्र। देहरादून के भारतीय वन अनुसंधान एवं शिक्षण परिषद के मार्गदर्शन में अनेक शोध संस्थाएं शुष्क प्रदेशों के वनों के पुनरुद्धार के कार्य में लगी हैं तथा इन वनों की उत्पादकता में वृद्धि लाने के तरीके खोज रही हैं। ये सब संस्थाएं शुष्क क्षेत्रों के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकियां विकसित करने के साथ-साथ कर्मचारियों को विभिन्न विषयों में प्रशिक्षण भी देती हैं। इन संस्थाओं के कार्यों को समर्थन देने के लिए काफी धनराशि उपलब्ध कराई गई है और नीतिमूलक संरचनाएं एवं विधि-कानून बनाए गए हैं।

सन 1992 में ब्राजील के रियो द जनेरियो में हुए पृथ्वी सम्मेलन में विश्व समुदाय ने मरुस्थलीकरण रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संधि पर हस्ताक्षर किए। 15 जून 1994 को इस संधि को कानूनी स्वरूप दिया गया। भारत ने उसे 17 दिसंबर 1996 को अनुमोदित किया। इस संधि का उद्देश्य है मरुस्थलीकरण रोकना तथा मरुस्थलीकरण और सूखे के कारण मानव समुदायों पर पड़ रहे विपरीत प्रभावों को कम करने के लिए सभी देशों के बीच सभी स्तरों पर सहयोग बढ़ाना। मरुस्थलीकरण रोकने के भगीरथ कार्य में पारंपरिक ज्ञान की अहम भूमिका है क्योंकि वह समयसिद्ध ही नहीं है, बल्कि साधारण जनता की दैनंदिन की समस्याओं को सुलझाने में कामयाब भी रहा है। इनमें से कुछ पारंपरिक विधियों का संक्षिप्त विवरण आगे दिया जा रहा है।

थार रेगिस्तान में वर्ष के कुछ ही महीने फसल उगाने के लिए उपयुक्त होते हैं। अत: वहां के लोगों ने अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए खेती के साथ पशुपालन भी करना सीख लिया है। गर्मियों में वे बाजरा आदि खुरदुरे अनाजों की खेती करते हैं, जिन्हें बहुत कम पानी चाहिए होता है। लेकिन पालीवाल नामक एक काश्तकार समुदाय वर्षाजल संचित करके सर्दियों की फसल भी उगाने में सफल हुआ है। इस विधि को खदीन प्रणाली कहते हैं। आज 500 से भी ज्यादा छोटे-बड़े खदीन हैं जो 12,140 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचित कर रहे हैं। बिहार में इससे मिलता-जुलता एक दूसरा तरीका है जिसे अहर कहा जाता है।

ये हैं दुनिया के रहस्यमयी प्राणी

जर्सी डेविल

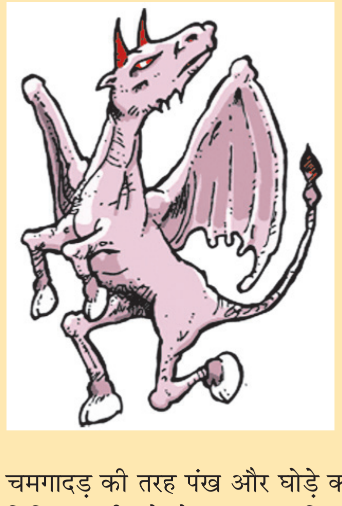

जर्सी डेविल के बारे में 1800 से लेकर 20वीं सदी तक कई तरह की बातें की जाती रही। इसे न्यू जर्सी के दक्षिणी क्षेत्र में देवदार वृक्ष के जंगल में देखे जाने की बात सामने आई थी। जर्सी डेविल के बारे में कहा जाता था कि उसके दो पैर, चमगादड़ की तरह पंख और घोड़े की तरह मुंह था। इस विचित्र प्राणी को लेकर यह प्रचलित था कि एक चुड़ैल जब अपने 13वें बच्चे को जन्म दे रही थी उस समय उसने शैतान को जगा दिया था। इस कारण जन्म लेते ही इस बच्चे का विचित्र ढंग से रूप बदल गया।

फ्लैटवुड मॉन्स्टर

फ्लैटवुड मॉन्स्टर भी किसी परलौकिक प्राणी की तरह दिखाई देता था। वेस्ट वर्जीनिया में ब्रेक्सटन काउंटी के फ्लैटवुड कस्बे में 12 सितंबर, 1952 को इसे देखा गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार वह 10 फीट लंबा था और उसका चेहरा लाल रंग का था। उसका विचित्र चेहरा और आंखें इंसानों जैसी नहीं थीं। ऐसा लगता था कि वह गहरे रंग की स्कर्ट पहने हुए है।

लिजर्डमैन

दुनिया के सबसे डरावने विचित्र प्राणियों में अमेरिका का लिजर्डमैन भी है। साउथ कैरोलिना की ली काउंटी के स्वाम्पलैंड क्षेत्र में इसे 29 जून, 1988 को देखा गया था। हरी त्वचा वाले इस विचित्र प्राणी की लंबाई 7 फीट 2 इंच लंबी थी। रिपोर्ट्स के अनुसार लिजर्डमैन के हर पैर में तीन अंगूठे और हर हाथ में तीन अंगुलियां थीं। वह दीवारों और सीलिंग पर चढ़ जाता था। एक प्रमाण यह भी है कि उसने एक कार को भी नुकसान पहुंचाया था। वह इतना ताकतवर था कि उसने कार तक को तोड़ दिया था।

डोवर डीमन

इस विचित्र और डरावने प्राणी को अमेरिका में देखा गया था। मैसाचुसेट्स के डोवर टाउन को दिखाई दिया था। इसके विचित्र रूप के कारण इसके एलियन या किसी प्रयोग का कोई हिस्सा होने के अनुमान लगाए जाते रहे। वह हाइब्रिड एलियन भी हो सकता था। कुछ लोगों का कहना है यह किसी दूसरे लोक से आया था। डोवर डीमन का सिर बड़ा था, आंखें ऑरेंज कलर की और हाथ-पैर पतले दिखाई देते थे। बताया जाता है कि यह बिना बालों का था। इसमें फेशियल फीचर्स बहुत कम थे। यह विचित्र प्राणी लगभग तीन फीट लंबा था। डोवर डीमन सांप की तरह फुफकारता और बाज की तरह चीखता था। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह किसी दूसरे ग्रह से आया होगा या जैविक कारणों से धरती के ही किसी जीव का आकार बदल गया होगा।

गोटमैन

बकरी और इंसान के फीचर्स लिए यह विचित्र जीव पहली बार अमेरिका में देखा गया था। इसके बारे में पहली रिपोर्ट 1957 में आई थी। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार उसने बालों और सींग वाला एक दैत्य जैसा दिखने वाला प्राणी देखा था। इसे फॉरेस्टविले और अपर मार्लबोरो के प्रिंस जॉर्ज काउंटी में देखा गया था। यह 1962 तक छिपा रहा लेकिन एक दर्जन बच्चों और दो वयस्क लोगों की हत्या कर दी। यह लोगों पर कुल्हाड़ी से हमला करता था और शवों को कई टुकड़ों में काट डालता था।

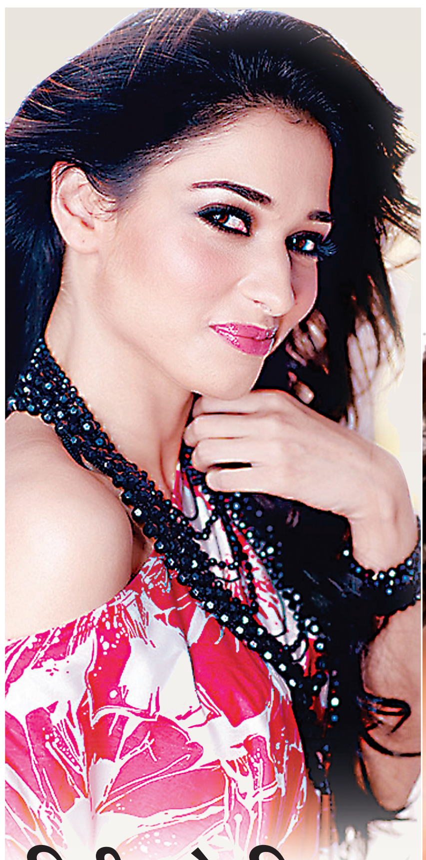

रिलीज के लिए तैयार है तमन्ना भाटिया की अरनमनई 4

तमिल हॉरर कॉमेडी फिल्म अरनमनई 4 सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसी के मद्देनजर फिल्म का प्रचार जोरों पर है। फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही तमन्ना भाटिया और राशि खन्ना इसके प्रचार में जुटी हुई हैं। दोनों ही अभिनेत्रियां इस काम में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। मालूम हो कि तमन्ना इन दिनों आईपीएल 2023 की अवैध स्ट्रीमिंग मामले के चलते विवादों में घिरी हुई हैं।

3 मई को होगी रिलीज

फिल्म अरनमनई 4 में तमन्ना भाटिया और राशि खन्ना के अलावा सुंदर सी भी मुख्य भूमिका में हैं। इन तीनों के अलावा कोवई सरला, योगी बाबू, वेनेला किशोर, श्रीनिवास रेड्डी, सुनील और केएस रविकुमार भी अभिनय करते नजर आएंगे। यह फिल्म 3 मई, 2024 को रिलीज होगी। तेलुगु में इस फिल्म को उसी दिन बाक के नाम से रिलीज किया जाएगा। फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह चरम पर है। उन्हें फिल्म के चौथे भाग से काफी उम्मीदें हैं।

सुंदर सी की पत्नी ने किया हैं फिल्म का निर्माण

फिल्म सेंसर बोर्ड से भी प्रमाणपत्र पा चुकी है। इसे यू/ए प्रमाणपत्र दिया गया है। इसका निर्माण सुंदर सी की पत्नी खुश्बू सुंदर और एसीएस अरुण कुमार ने किया हैं। फिल्म में संगीतकार हिपहॉप तमिझा का संगीत सुनने को मिलेगा। हाल ही में, फिल्म के गाने अचाचो को रिलीज किया गया था। इस गाने में तमिझा के संगीत, खरेस्मा रविचंद्रन की आवाज और विग्नेश श्रीकांत के बोल को लोग खूब पसंद कर रहे हैं।

2014 में रिलीज हुआ था पहला भाग

अरनमनई सीरीज की पहली फिल्म साल 2014 में रिलीज हुई थी। पहले भाग में हंसिका मोटवानी, विनय राय, सुंदर और एंड्रिया जेरेमिया ने मुख्य भूमिका अदा की थी। फिल्म का दूसरा भाग 2016 में रिलीज हुई था। इसमें सुंदर, हंसिका मोटवानी, सिद्धार्थ और तृषा नजर आए थे। वहीं, तीसरा भाग साल 2021 में रिलीज किया गया था, जिसमें सुंदर, राशि खन्ना और एंड्रिया जेरेमिया ने काम किया था।

राशि खन्ना का खुलासा
स्क्रिप्ट पढ़े बिना ही साइन की तेलुगु फिल्म बाक

हॉरर फिल्म अरनमनई 4 लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फैंस भी इस फिल्म से जुड़ी हर जानकारी जानने के लिए उत्सुक रहते हैं। यह एक हॉरर कॉमेडी और सस्पेंस से भरी फिल्म है। यह फिल्म 3 मई 2024 को रिलीज होगी। तेलुगु में इस फिल्म को उसी दिन बाक के नाम से रिलीज किया जाएगा। फिल्म को लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं। उन्हें फिल्म के इस चौथे भाग से काफी उम्मीदें हैं। पहले इस फिल्म की रिलीज डेट 26 अप्रैल तय की गई थी, लेकिन अब इसे 3 मई को सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है। अरनमनई 4 में रामचंद्र राजू, कोवई सरला, योगी बाबू, वीटीवी गणेश, दिल्ली गणेश और कई दिग्गज कलाकार हैं। फिल्म का निर्माण अवनि सिनेमैक्स के बैनर तले खुशबू सुंदर द्वारा किया गया है और संगीत संगीतकार जोड़ी हिपहॉप तमिझा द्वारा दिया गया है। राशी खन्ना दक्षिण में एक ठोस हिट की तलाश में हैं और उन्होंने बाक से काफी उम्मीदें लगा रखी हैं। तेलुगु राज्यों में तेलुगु संस्करण कि यह फिल्म कैसा प्रदर्शन करती है। इस फिल्म से फैंस के साथ ही स्टारकास्ट को भी काफी उम्मीदें हैं।

फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही तमन्ना भाटिया और राशि खन्ना भी इसका प्रचार करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही हैं। एक इंटरव्यू के दौरान राशि खन्ना ने कहा, जब सुंदर सी ने उन्हें फोन किया तो उन्होंने (राशि) बिना स्क्रिप्ट सुने ही फिल्म के लिए हां कह दिया। वह इसकी स्क्रिप्ट सुनना ही नहीं चाहती थीं क्योंकि वह सिर्फ इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना चाहती थीं।

अरनमनई सीरीज की पहली फिल्म साल 2014 में रिलीज हुई थी। पहले भाग में हंसिका मोटवानी, विनय राय, सुंदर और एंड्रिया जेरेमिया ने मुख्य भूमिका अदा की थी। फिल्म का दूसरा भाग 2016 में रिलीज हुई था। इसमें सुंदर, हंसिका मोटवानी, सिद्धार्थ और तृषा नजर आए थे। वहीं, तीसरा भाग साल 2021 में रिलीज किया गया था, जिसमें सुंदर, राशि खन्ना और एंड्रिया जेरेमिया ने काम किया था। तमन्ना इन दिनों आईपीएल 2023 की अवैध स्ट्रीमिंग मामले के चलते विवादों में घिरी हुई हैं। इसके अलावा तमन्ना भाटिया अपनी आगामी फिल्म ओडेला 2 को लेकर सुर्खियों में लगातार बनी हुई हैं। इस फिल्म की शूटिंग मार्च महीने से शुरू हो चुकी है। ओडेला 2 क्राइम-थ्रिलर फिल्म ओडेला रेलवे स्टेशन का दूसरा भाग है। इसका पहला भाग साल 2022 में रिलीज हुआ था। तो वहीं राशि खन्ना हील ही में फिल्म योद्धा में नजर आई थीं।

वेलकम टू द जंगल में आफताब की हुई एंट्री

वेलकम टू द जंगल को लेकर फैंस काफी ज्यादा उत्साहित हैं। इस फिल्म में बड़ी संख्या में सितारे नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन अहमद खान कर रहे हैं। इस बीच फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। अक्षय कुमार की इस फिल्म में अब आफताब शिवदासानी की एंट्री हो गई है। इस बात की पुष्टि खुद अभिनेता ने सोशल मीडियाके जरिए की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक खास तस्वीर को साझा करते हुए बताया कि फिल्म में वे भी काम कर रहे हैं। आफताब ने 16 साल पहले और 2024 की तस्वीर का कोलाज साझा करते हुए लिखा, पहली और दूसरी तस्वीर 16 साल के अंतराल पर ली गई है। जैसा कि आप देख सकते हैं कि तब से अब तक कुछ भी नहीं बदला है। आवारा को पागल जंगल में इस दीवाने का स्वागत करने के लिए धन्यवाद। इस फिल्म को 20 दिसंबर, 2024 को रिलीज करने की तैयारी चल रही है। इस फ्रेंचाइजी में अक्षय कुमार ने एक बार फिर वापसी की है। वेलकम के दूसरे भाग में उनकी जगह जॉन अब्राहम नजर आए थे। वेलकम टू द जंगल में सुनील शेट्टी, संजय दत्त, दिशा पटानी, रवीना टंडन, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, परेश रावल, जॉनी लीवर, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े और राजपाल यादव सहित कई बॉलीवुड अभिनेता अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

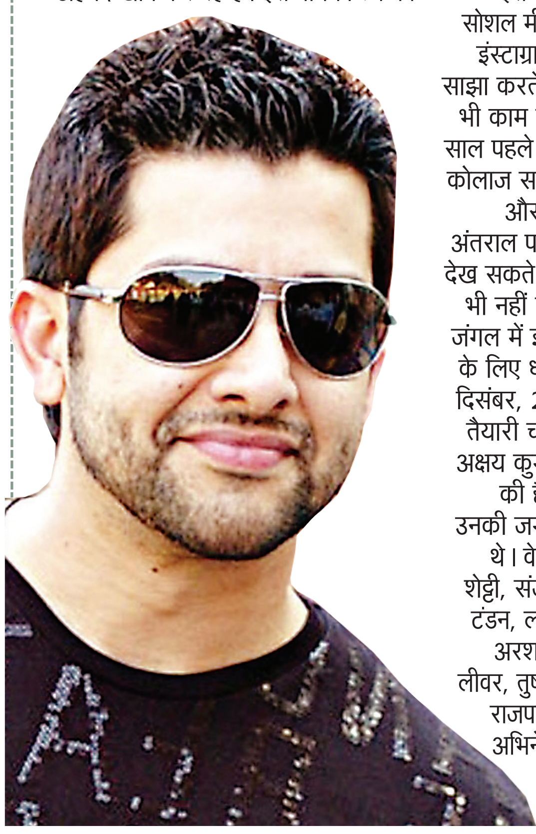

पैपराजी से नाराजगी पर बोलीं तापसी

तापसी पन्नू कई बार पैपराजी पर नाराज होती नजर आई हैं। इस बारे में चर्चा करते हुए तापसी ने एक इंटरव्यू में कहा- मैं 'रियल' हूं और केवल 'म्यूचुअल रिस्पेक्ट' की उम्मीद करती हूं। जो एक्टर्स पैपराजी के सामने एक्स्ट्रा स्वीट बनते हैं, ऐसे लोगों को तापसी ने 'लाजवंती' नाम दिया है। तापसी का कहना है कि वो इस तरह का दिखावा नहीं कर सकती हैं। एक्ट्रेस ने साफतौर पर कहा- मुझे माफ करें, लेकिन मैं 'लाजवंती' नहीं बन सकती। तापसी ने कहा- भले ही लोग मुझे अजीब समझते हों, लेकिन मैं केवल 'रियल' रहने की कोशिश करती हूं। उन्होंने कहा- अगर आप मुझसे बात करते हैं, तो मैं बातचीत करूंगी, लेकिन अगर आप ये कहते हैं कि, 'आपकी पिछली फिल्म नहीं चली, तो कैसा लगता है?' या इतनी देर से खड़ी हैं, फोटो तो दे दो फिर।' आप मुझसे इस तरह की बातें करेंगे तो मैं आपसे बातचीत नहीं कर पाऊंगी। क्योंकि यहां 'म्यूचुअल रिस्पेक्ट' की जरूरत है। तापसी ने कहा- अगर आप किसी ऐसी जगह पर आ आते हैं, जहां मैं काम नहीं कर रही हूं। ऐसे में आप मुझसे ये उम्मीद नहीं कर सकते हैं कि मैं आपको एंटरटेन करूं। कुछ महीने पहले तापसी डिनर के बाद रेस्टोरेंट से निकलीं तो उन्होंने देखा कि पैपराजी उनकी कार को घेरे खड़े हुए थे। ये देखकर तापसी भड़क गईं थीं और उन्होंने पैपराजी को ताना मारते हुए कार से दूर हटने की रिक्वेस्ट की थी। इस इंसीडेंट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। पैपराजी उनके सामने से हट नहीं रहे थे, तो तापसी उनसे कई बार हटने के लिए बोले जा रही थीं। फिल्म 'दोबारा' के प्रमोशन के दौरान तापसी एक इवेंट में लेट पहुंची थीं तब उनकी पैपराजी से बहस हो गई थी। जब पैपराजी ने उनसे कहा कि हम आपका काफी देर से वेट कर रहे हैं तो तापसी ने कहा कि आप मुझे क्यों डांट रहे हो। मुझे जो टाइम दिया गया है, मैं उस टाइम पर आ रही हूं। आप मुझसे ढंग से बात कीजिए।'

भंसाली से बेटे की तारीफ सुन शेखर के छलक पड़े आंसू

संजय लीला भंसाली की पहली वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार की चर्चा इस समय हर ओर हो रही है। जल्द ही इस शो की स्ट्रीमिंग नेटफिलक्स पर शुरू होने वाली है। इसमें कई दिग्गज कलाकारों के साथ अध्ययन सुमन भी नजर आने वाले हैं। सीरीज में उनके किरदार को लेकर लोगों में काफी ज्यादा उत्सुकता देखने को मिल रही है। शो में उनके अभिनय से भंसाली भी काफी ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इस बात का खुलासा हाल ही में खुद शेखर सुमन ने किया है। एक बातचीत में शेखर ने बताया कि कैसे संजय लीला भंसाली अध्ययन के पांच मिनट का एक संवाद प्रस्तुत करते हुए देखकर बहुत प्रभावित हुए थे। उन्होंने बताया कि भंसाली ने इस सीन के बाद अध्ययन से सवाल किया कि क्या उनके पिता ने उनके अभिनय कौशल को प्रभावित किया है। अभिनेता ने खुलासा किया कि एक ही टेक में शॉट देने के बाद सेट पर मौजूद पूरी टीम ने उनके बेटे प्रशंसा की और तालियां बजाईं। शेखर ने बताया कि उनकी इस परफॉरमेंस के बाद संजय लीला भंसाली ने जब फोन पर तारीफ की तो उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। हीरामंडी की बात करें तो यह वेश्याओं की दुनिया पर आधारित एक पीरियड ड्रामा है, जिसमें मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, फरदीन खान जैसे शानदार कलाकार नजर आएंगे। 1 मई को ओटीटी प्लेटफॉर्म इसे नेटफिलक्स पर देखा जा सकेगा। सीरीज में शेखर सुमन भी अहम किरदार में दिखने वाले हैं।

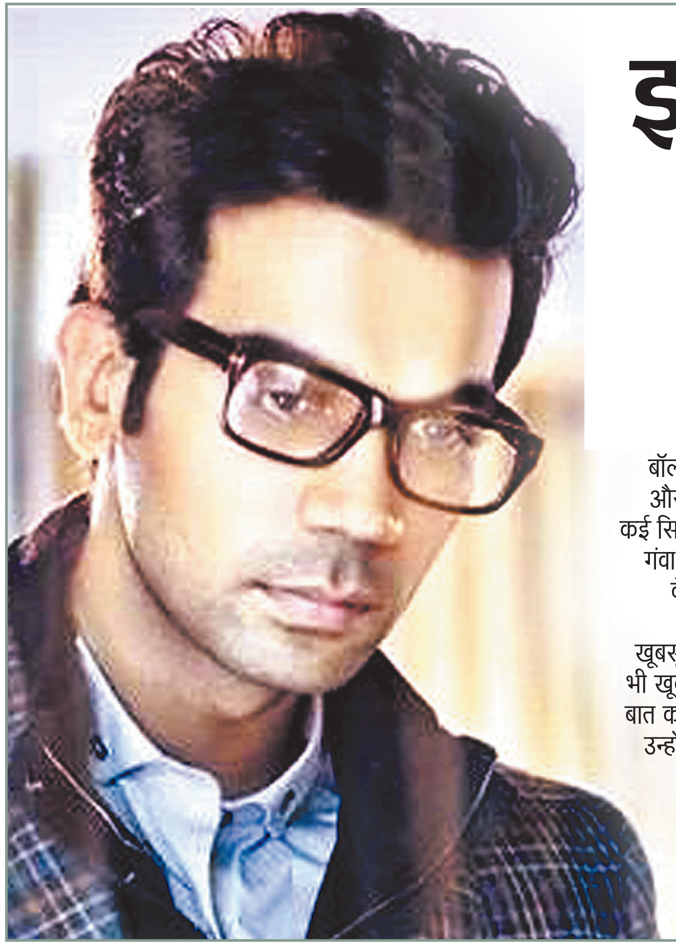

इन सितारों ने प्लास्टिक सर्जरी की अफवाहों से किया इनकार

बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक कई अभिनेताओं और अभिनेत्रियों ने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है। कई सितारों ने इस प्रक्रिया के चलते अपनी जान भी गंवा दी, तो वहीं, कई के चेहरे और शरीर सर्जरी के बाद भद्दे हो गए। हालांकि, कई सितारों की सर्जरी सफल रही और वह पहले से ज्यादा खूबसूरत दिखने लगे। ऐसे में अफवाहों का बाजार भी खूब गर्म रहता है। आज हम ऐसे ही सितारों की बात करने जा रहे हैं, जिन्हें लेकर अफवाह उड़ी की उन्होंने प्लास्टिक सर्जरी करवा ली है, लेकिन इन सितारों ने अफवाहों का खंडन कर दिया।

राजकुमार राव

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव की एक फोटो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई। वायरल फोटो देखने के बाद लोगों ने दावा करना शुरू कर दिया कि अभिनेता ने प्लास्टिक सर्जरी करवा ली है। हालांकि, एक साक्षात्कार में अभिनेता ने इस बात का खंडन कर दिया। राजकुमार राव ने कहा कि उनहोंने कोई सर्जरी नहीं करवाई है।

लेडी गागा

हॉलीवुड की मशहूर हस्तियों में से एक नाम है 'लेडी गागा' का। लेडी को भी सर्जरी की अफवाहों से गुजरना पड़ा है। लेडी गागा ने ऑस्कर और ग्रैमी जैसे अवार्ड जीते हैं। लेडी गागा भी हाल ही में चेहरे पर इंजेक्शन लगाने के प्रयोग के बारे में सफाई दी है। लेडी गागा हॉलीवुड की आगामी फिल्म 'जोकर 2' में दिखेंगी।

प्रियंका चोपड़ा

सालों से प्रियंका चोपड़ा को लगातार अफवाहों का सामना करना पड़ा है कि उन्होंने कॉस्मेटिक सर्जरी करवाई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस पर अभिनेत्री ने खुलासा किया था कि उन्होंने नाक के पॉलीप के इलाज के लिए सर्जरी करवाई थी, जिसके कारण अनजाने में उनकी नाक के लिए सुधारात्मक प्रक्रियाएं हुईं।

वाणी कपूर

अभिनेत्री वाणी कपूरी को भी ठोड़ी की सर्जरी की अफवाहों का सामना करना पड़ा है। हालांकि, उन्होंने इन दावों का खंडन कर दिया। अपने चेहरे में आए बदलावों का कारण उन्होंने वजन कम होने को बताया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक साक्षात्कार में अभिनेत्री ने यह तर्क भी दिया कि इस उद्योग में वह नई हैं, इसलिए वो सर्जरी का खर्च नहीं उठा सकतीं।

संक्षिप्त समाचार

रिकॉर्ड मुनाफे के बाद जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों में तूफानी तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों में जोरदार तेजी आई है। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयर मंगलवार को 20 पर्सेंट की तेजी के साथ 599 रुपये पर पहुंच गए हैं। स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयर मंगलवार को अपने लाइफ टाइम हाई पर जा पहुंचे हैं। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों में यह तेज उछाल मार्च 2024 तिमाही में तगड़े मुनाफे और बैंक की एसेट क्वॉलिटी में सुधार के बाद आया है। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 365 रुपये है। बेंगलुरु बेस्ड जना स्मॉल फाइनेंस बैंक ने इस साल 14 फरवरी को स्टॉक मार्केट में एंट्री की थी। लिस्टिंग के बाद से स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों में 40 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आ गया है। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के शेयरों का इश्यू प्राइस 414 रुपये था। मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंक का मई-जून 2025 तक यूनिवर्सल बैंक लाइसेंस के लिए अप्लाई करने का प्लान है। बेंगलुरु बेस्ड जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के टैक्स भुगतान के बाद मुनाफे में मार्च 2024 तिमाही में 296.8 पर्सेंट का तगड़ा उछाल आया है। मार्च 2024 तिमाही में बैंक को टैक्स चुकाने के बाद 321.4 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि में टैक्स देने के बाद बैंक का मुनाफा 81 करोड़ रुपये था। वहीं, दिसंबर 2023 तिमाही के मुकाबले बैंक का पीएटी (टैक्स देने के बाद मुनाफा) 134.6 करोड़ रुपये था। बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम मार्च 2024 तिमाही में सालाना आधार पर 26.4 पर्सेंट बढ़कर 590.7 करोड़ रुपये रही है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 467.3 करोड़ रुपये थी। वहीं, दिसंबर 2023 तिमाही के मुकाबले बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम 7.7 पर्सेंट बढ़ी है। मार्च 2024 तिमाही में बैंक की अदर इनकम 179.9 करोड़ रुपये रही है।

137 से टूटकर 19 पर आया जयप्रकाश पावर वेंचर्स का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। पावर सेक्टर से जुड़ी कंपनी- जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड ने मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट बढ़ा है। तिमाही नतीजे के ऐलान के बाद मंगलवार को जयप्रकाश पावर के शेयर पर निवेशक टूट पड़े। सप्ताह के दूसरे कारोबारी इस शेयर में 5 प्रतिशत का अपर सर्किट लग गया और भाव 19.99 रुपये पर पहुंच गया। बता दें कि 12 फरवरी 2024 को शेयर की कीमत 23.99 रुपये पर पहुंच गई। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। मई 2023 में शेयर की कीमत 5.57 रुपये थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का निचला स्तर है। इस पावर कंपनी के शेयर 4 जनवरी 2008 को 137 रुपये पर थे। मार्च 2020 में कंपनी के शेयर 99 पर्सेंट से ज्यादा लुढ़ककर 27 मार्च 2020 को 60 पैसे पर पहुंचे थे। मार्च तिमाही में जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड का प्रॉफिट 588.79 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से आय बढ़ने से कंपनी का लाभ बढ़ा है। 31 मार्च, 2023 को समाप्त तिमाही में कंपनी को 43.99 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 1,863.63 करोड़ रुपये हो गई।

मई 2024 से आपकी जेब पर बढ़ जाएगा भार? नए महीने के नए नियम बजट पर डालेंगे असर

नईदिल्ली, एजेंसी। नए महीने के साथ वित्तीय जगत से जुड़े कई बदलाव होने वाले है। ये परिवर्तन सीधे आम आदमी की जेब पर असर डालेंगे। मई महीने में सिलेंडर की कीमतों में बदलाव हो सकता है। म्युचुअल फंड निवेशकों और बैंक ग्राहकों से जुड़े कई नियम भी बदलने वाले हैं। मई महीने में कुछ बैंकों के बचत खातों पर लगने वाले शुल्क में इजाफा होगा। कुछ बैंक क्रेडिट कार्ड के जरिए यूटिलिटी भुगतान पर सरचार्ज भी लगाने वाले हैं। वरिष्ठ नागरिकों की सावधि जमा के डेडलाइन में भी परिवर्तन हो सकता है।

पेट्रोलियम कंपनियां हर महीने पेट्रोल-डीजल और एलपीजी के कमर्शियल व घरेलू सिलेंडरों की कीमतों की समीक्षा करती है। ऐसे में संभव है एक मई से इनकी कीमतों में परिवर्तन देखने को मिले। हालांकि इसका एलान 30 अप्रैल की मध्यरात्रि के बाद ही होने की संभावना है। देश में लोकसभा चुनाव चल रहे हैं ऐसे में पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में होने वाले किसी भी बदलाव पर आम आदमी की नजर बनी रहेगी।

म्युचुअल फंड निवेशकों के लिए जरूरी बदलाव

अगर आप म्युचुअल फंड में निवेश करते हैं तो एक मई 2024 से एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। 30 अप्रैल 2024 के बाद अगर आपके म्युचुअल आवेदन पर लिखा नाम आपके पैन कार्ड पर लिखे नाम के सामान नहीं हुआ तो आपका आवेदन रद्द हो जाएगा। आधिकारिक रिकॉर्ड में आपका नाम एक जैसा दिखे यह सुनिश्चित करने के लिए केवाईसी नियमों में बदलाव किया गया है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के अनिवार्य केवाईसी नियम कहते हैं कि आपका नाम एक समान होना चाहिए। इसे अनुसार आप पहली बार म्यूचुअल फंड फोलियो में निवेश कर रहे हैं, तो आपका नाम और आपकी जन्मतिथि आपके पेन पर लिखे नाम और जन्मतिथि के साथ-साथ आपके इनकम टैक्स रिकॉर्ड के समान होना चाहिए। राहत की बात यह है कि नया नियम नए निवेशकों को प्रभावित करेगा, न कि मौजूदा निवेशकों को।

आईसीआईसीआई बैंक में होंगे ये बदलाव

1 मई से आईसीआईसीआई बैंक बचत खाता सेवाओं पर लगने वाले शुल्क में परिवर्तन करेगा। इसमें डेबिट कार्ड पर लगने वाले 200 रुपये तक की सालाना फीस शामिल है। ग्रामीण इलाकों के लिए यह शुल्क 99 रुपये प्रति वर्ष है। चेक बुक की बात करें तो एक वर्ष में 25 चेक तक को शुल्क देय नहीं होगा पर इससे अधिक के लिए बैंक 4 रुपये प्रति चेक का शुल्क वसूल करेगा।

बैंक आउटवर्ड इमीडिएट पेमेंट सर्विस (आईएमपीएस) लेनदेन के लिए 2.5 रुपये से 15 रुपये प्रति लेनदेन के हिसाब से शुल्क लेगा। डिमांड ड्राफ्ट या पे ऑर्डर को रद्द करने, डुप्लिकेट या रिवैलिडेशन के लिए बैंक 100 रुपये का शुल्क लेगा। बैंक हस्ताक्षर सत्यापन के लिए प्रति आवेदन के लिए 100 रुपये और बैंक शाखा के जरिए किसी विशेष चेक के भुगतान को रोकने के लिए 100 रुपये चार्ज करेगा हालांकि कस्टमर केयर आईवीआर और नेट बैंकिंग के माध्यम से यह सुविधा मुफ्त में मिलेगी। वित्तीय कारणों से ईसीएस/एनएसीएच डेबिट रिटर्न पर 500 रुपये जुर्माना लगेगा।

यस बैंक के बचत खातों से जुड़े शुल्क बदलेंगे

यस बैंक ने 1 मई बचत खाता सेवाओं पर लगने वाले शुल्क में बदलाव की घोषणा की है। बैंक ने बचत खातों में अनिवार्य औसत मासिक शेष (एएमबी) से कम होने की स्थिति में अधिकतम शुल्क बढ़ा दिया है। अब बैंक ऐसी स्थिति में 250 रुपये से 1,000 रुपये के बीच चार्ज करेगा। इससे पहले यह शुल्क 250 रुपये से 750 रुपये के बीच था। बचत खाते के प्रकार, बैंक शाखा के स्थान और खाते में कमी की राशि के आधार पर यह शुल्क अलग-अलग होते हैं। अपर्याप्त धनराशि के कारण ईसीएस (इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सर्विस) रिटर्न की स्थिति में बैंक अब पहली बार 500 रुपये का शुल्क लेगा। दूसरे रिटर्न पर बैंक 550 रुपये का चार्ज करेगा।

वरिष्ठ नागरिकों की एफडी से जुड़ा बदलाव

एचडीएफसी बैंक के वरिष्ठ नागरिकों के सावधि जमा खातों में निवेश की आखिरी तारीख 02 मई 2024 है। इन खातों में सामान्य एफडी खातों की तुलना में 0.75 प्रतिशत अधिक ब्याज दिया जाता है। यह ऑफर 60 वर्ष या उससे से अधिक के वरिष्ठ नागरिकों के लिए है। संभव है कि बैंक की ओर इन खातों में जमा की आखिरी तारीख में बदलाव किया जाए और इसे आगे बढ़ा दिया जाए।

क्रेडिट कार्ड से यूटीलिटी पेंमेंट पर लगेगा चार्ज

यस बैंक और आईडीएफसी बैंक ने एक मई से क्रेडिट कार्ड के जरिए यूटिलिटी भुगतान पर सरचार्ज लगाने का एलान किया है। टेलीफोन बिल, इलेक्ट्रिक बिल, गैस, पानी, इंटरनेट सेवाएं और केबल सर्विसेज से जुड़े पेमेंट यूटिलिटी भुगतान के अंतर्गत आते है। अगर यूटिलिटी सेवाओं का भुगतान 15000 रुपये से अधिक है तो यस बैंक उस पर 1 प्रतिशत के सरचार्ज के अलावे जीएसटी भी वसूलेगा। आईडीएफसी बैंक ने 20,000 रुपये से अधिक के यूटिलिटी भुगतान पर 1 रुपये सरचार्ज के साथ जीएसटी चार्ज करने की बात कही है।

भारत एंटरेप्रेन्योरशिप में बना ग्लोबल लीडर

ग्लोबल एंटरेप्रेन्योरशिप मॉनिटर (जीईएम) 2023-2024 रिपोर्ट के मुताबिक 49 देशों में दूसरे स्थान पर

मुंबई, एजेंसी। भारत कारोबार शुरू करने के लिए दुनिया भर में सर्वश्रेष्ठ स्थान है, इस दृष्टि से भारत को ग्लोबल एंटरेप्रेन्योरशिप मॉनिटर (जीईएम) 2023/2024 रिपोर्ट के अनुसार 49 देशों में दूसरे स्थान पर रखा गया है। ये रूझान भारत में विशेषज्ञों के साथ किए गए एक सर्वेक्षण पर आधारित हैं, जिसमें उन्हें 13 एंटरेप्रेन्योरशिप फ्रेमवर्क कंडीशन्स (ईएफसी) पर देश का मूल्यांकन करने के लिए कहा गया। यह मूल्यांकन एक अर्थव्यवस्था के नेशनल एंटरेप्रेन्योरशिप कॉन्टेक्स्ट इंडैक्स स्कोर (एनईसीआई) और रैंक पर निर्भर करता है, जिसे युनिवर्सिटी ऑफ ग्लासगो एडम स्मिथ बिज़नेस स्कूल द्वारा जनरेट किया गया है। भारत तीन जीईएम देशों में से एक है जिनका ईएफसी मूल्यांकन पर्याप्त से अधिक रहा (नीदरलैण्ड्स और युनाइटेड अरब अमीरात के अलावा) फ्रेमवर्क कंडीशन्स के अच्छे स्कोर की वजह से भारत का परफोर्मेन्स मजबूत रहा है, जैसे एंटरेप्रेन्योरशिप को समर्थन करने वाले 'सामाजिक एवं सांस्कृतिक नियम' और 'स्कूल में और स्कूल के बाद एंटरेप्रेन्योरशिप की शिक्षा। यह मात्र पांच देशों में से एक है जहां विशेषज्ञों ने महिला उद्यमियों के लिए सामाजिक सहयोग तथा उनके लिए संसाधनों की सुलभता का मूल्यांकन किया और यह संतोषजनक या बेहतर पाया गया। पिछले साल के दौरान भारत की रैंकिंग चौथे स्थान से आगे बढ़कर दूसरे स्थान पर आ गई है। जीईएम इंडिया टीम के नेशनल टीम लीडर और एंटरेप्रेन्योरशिप डेवलपमेन्ट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, अहमदाबाद के महानिदेशक सुनील शुक्ला ने कहा, ''भारत नेशनल ग्लोबल एंटरेप्रेन्योरशिप मॉनिटर (जीईएम) सर्वे 2024 में एंटरेप्रेन्योरशिप कॉन्टेक्स्ट इंडैक्स स्कोर (एनईसीआई) की दृष्टि से 49 देशों में दूसरे स्थान पर रहा है।

एशियन पेंट्स ने विराट कोहली को क्रांतिकारी पेशकश, नियो भारत लेटेक्स पेंट के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाया

नईदिल्ली, एजेंसी। एशियन पेंट्स, भारत की सबसे आगे रहने वाली पेंट और डेकोर कंपनी, क्रिकेट आइकन, विराट कोहली को अपने आने वाले नए लॉन्च - नियो भारत लेटेक्स पेंट के ब्रांड एंबेसडर के रूप में शामिल करने की घोषणा गर्व से करती है।

नियो भारत लेटेक्स पेंट के साथ, एशियन पेंट्स इस डायनामिक उद्योग में अपनी मौजूदगी का विस्तार करके और इसे सभी के लिए ज्यादा सुलभ बनाकर पेंट की श्रेणी में क्रांति लाएगा। नियो भारत लेटेक्स पेंट हर तरह से क्रांतिकारी है क्योंकि इसमें विशेष पॉलिमर तकनीक है जो बेहतर फिनिश, ज़्यादा कवरेज और क्लीनेबिलिटीदेती है। ये प्रगति के रंग, जो कि नियो भारत की टैग लाइन है, उन लाखों भारतीयों को समर्पित है जो बेहतर जीवन की तलाश में हैं, और एशियन पेंट्स का लक्ष्य उनकी यात्रा में उनके साथ कदम से कदम मिला कर चलना है। बाजार में सबसे आगे रहते हुए, एशियन पेंट्स ने लगातार ऐसे नए-नए उत्पाद पेश किए हैं जो बेहतरीन होने को फिर से परिभाषित करते हैं, और नियो भारत लेटेक्स पेंट एक बार फिर इस श्रेणी में क्रांति लाने के लिए तैयार है। विराट कोहली से बेहतर कौन इस स्तर के लॉन्च के साथ न्याय कर सकता है। विराट ब्रांड के मूल्यों और भावना का प्रतीक हैं और यह एशियन पेंट्स के नेतृत्व और उच्च स्तर और प्रदर्शन के लिए समर्पण को दिखाता है, यह उन्हें एशियन पेंट्स और नए ढंग से बने नियो भारत लेटेक्स पेंट दोनों के लिए एक एकदम सही चेहरा बनाता है। आगामी लॉन्च और उसके ब्रांड एंबेसडर के लिए अपना उत्साह दर्शाते हुए, एशियन पेंट्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ, अमित सिंगल ने कहा, हमारा आने वाला लॉन्च, नियो भारत लेटेक्स पेंट, एशियन पेंट्स के इतिहास में सबसे बड़े मौकों में से एक है, और विराट कोहली का इस जबरदस्त ब्रांड के चेहरे के रूप में होना हमारे उत्साह को बढ़ाता है। आज कोहली को खेल और भारतीय टीम को कुछ इस तरह से बदलने का श्रेय दिया जाता है, जैसा कई दूसरे लोग नहीं कर पाए। उनकी लोकप्रियता किसी खास इलाके तक सीमित नहीं है, उनके व्यक्तित्व से नए भारत का आत्मविश्वास झलकता है।

भारत में लॉन्च हुई फर्स्ट-एवर ऑल-इलेक्ट्रिक बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव

मुंबई, एजेंसी। भारत में फर्स्ट-एवर बीएमडब्ल्यू आई5 को लॉन्च किया गया है। जो विशिष्ट बीएमडब्ल्यू ड परफॉर्मेन्स मॉडल, बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव के रूप में मिलेगी।

यह ऑल-इलेक्ट्रिक स्पोर्टी एग्जिक्यूटिव सिडैन अपनी सुडौल उपस्थिति, नवाचारी टेक्नोलॉजी, और डाइनैमिक कार्यप्रदर्शन के साथ सबसे आगे है। बीएमडब्ल्यू बीएमडब्ल्यू एम जीएमबीएच के परफॉर्मेस मॉडल के रूप में ऑल-इलेक्ट्रिक बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव बतौर मानक निर्दिष्ट बाहरी फीचर्स के साथ आती है, जो अपनी शानदार स्पोर्ट संभावना को भी स्पश्ट रूप से रेखांकित करती है। फर्स्ट-एवर बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव आज से कम्प्लीटली बिल्ट-अप युनिट के रूप में संपूर्ण भारत में सभी बीएमडब्ल्यू डीलरशिप पर उपलब्ध है।

विक्रम पावाह, प्रेसिडेंट, बीएमडब्ल्यू इंडिया ने कहा कि, फर्स्ट-एवर बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव के साथ आप पूरी तरह रोमांचकारी अनुभव से कम कुछ भी अपेक्षा नहीं कर सकते। इसमें एक साथ स्पोर्टीएस्ट एग्जिक्यूटिव सिडैन - 5 की आठ पीढ़ियों की विरासत, एम का जोश से भरपूर परफॉर्मेन्स और आइ की सस्टेनेबिलिटी समाहित है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया की ओर से छठी इलेक्ट्रिक पेशकश के रूप में बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव, भारतीय लग्जरी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सेग्मेण्ट में हमारी लीडरशिप को और मजबूत करेगी। आधुनिक युग के लिए उत्साह को परिभाषित करने वाले समझौताहीन परफॉर्मेन्स के साथ यह एक ऐसा अनुभव है जिसे बेमिसाल रोमांच के लिए अभियंत्रित किया गया है। इन्वॉइस बनाने के समय प्रचलित कीमत लागू होगी। एक्स-शोरूम कीमतों में यथालागू कम्पेन्सेशन सेस सहित शामिल है, लेकिन रोड टैक्स, टैक्स कलेक्टेड ऐट सोर्स टैक्स कलेक्टेड ऐट सोर्स पर ळैज, त्ज्व् स्टैटूटरी टैक्सेस/फीस, अन्य लोकल टैक्स सेस लेवीज और इन्श्योरेस सम्मिलित नहीं हैं। कीमत और विकल्पों में किसी पूर्व सूचना के बगैर बदलाव हो सकता है। विस्तृत जानकारी के लिए कृपया स्थानीय ऑथराइज्ड बीएमडब्ल्यू डीलर से संपर्क करें। फर्स्ट-एवर बीएमडब्ल्यू आई5 एम 60 एक्स ड्राइव नॉन-मटैलिक पेंटवर्क के रूप में अल्पाइन वाइट और निम्नलिखित मटैलिक पेंटवर्क में उपलब्ध है - ड ब्रुक्लीन ग्रे, ड कार्बन ब्लैक, केप यॉर्क ग्रीन, फाइटॉनिक ब्लू, ब्लैक सफायर, सोफिस्टो ग्रे, ऑक्साइड ग्रे, मिनरल वाइट। विकल्प के रूप में निम्नलिखित बीएमडब्ल्यू इंडिविजूअल पेंटवर्क्स भी उपलब्ध हैं - फ्रोजन पोर्टिमाओ ब्लू, फ्रोजन डीप ग्रे, फ्रोजेन प्यूर ग्रे और टैन्सेनाइट ब्लू। मानक इंटीरियर ट्रिम कार्बन फाइबर में है और अपहोल्स्ट्री के विकल्पों में अल्कांटारा/वेगान्जा द्य ब्लैक शामिल है।

आईआईएम संबलपुर के 8वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में 236 विद्यार्थियों को प्रदान की गई डिग्रियां

संबलपुर, एजेंसी। देश के प्रमुख प्रबंधन संस्थानों में से एक आईआईएम संबलपुर का 8वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। संस्थान के इतिहास में यह दिन इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण उपलब्धि वाला दिन रहा, क्योंकि इस दीक्षांत समारोह में 8वें एमबीए बैच (2022-24) के साथ-साथ एग्जीक्यूटिव एमबीए (2021-23) के पहले बैच को भी डिग्रियां प्रदान की गई। दीक्षांत समारोह में प्रिया पंत और रोमा दाश ने क्रमशः एमबीए और एक्जीक्यूटिव एमबीए प्रोग्राम में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन के लिए चेयरमैन गोल्ड मैडल हासिल किए। आईआईएम संबलपुर के लिए यह गर्व की बात थी और महिला सशक्तिकरण के लिहाज से भी यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि कही जा सकती है कि संस्थान की दो छात्राओं ने प्रथम रैंक प्राप्त कर क्रमशः एमबीए और एक्जीक्यूटिव एमबीए प्रोग्राम के प्रतिष्ठित चेयरमैन गोल्ड मैडल हासिल किए। यह भी गौरतलब है कि एमबीए बैच में शीर्ष 10 स्कोररों में से 6 आरक्षित श्रेणियों से थे। बंधन बैंक के फाउंडर, एमडी और सीईओ श्री चंद्रशेखर घोष ने मुख्य अतिथि के रूप में दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर आईआईएम संबलपुर के बीओजी की चेयरमैन और सेल्सफोर्स इंडिया की चेयरमैन और सीईओ श्रीमती अरुंधति भट्टाचार्य भी उपस्थित थीं। दीक्षांत समारोह में आईआईएम संबलपुर के डायरेक्टर प्रोफेसर महादेव जायसवाल, डीन, संकाय सदस्य, स्नातक छात्र और उनके अभिभावक भी शामिल हुए।

स्कैनपॉइंट जियोमैट्रिक का राइट इश्यू खुलेगा

मुंबई एजेंसी। स्कैनपॉइंट जियोमैट्रिक लिमिटेड (एसजीएल) जियोस्पेशल टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस की एक प्रमुख प्रदाता, कंपनी का राइट इश्यू 30 अप्रैल, 2024 को खुल रहा है. कंपनी पात्र शेयरधारकों को 67:47 (रिकॉर्ड तारीख पर कंपनी के पात्र इक्विटी शेयरधारकों द्वारा रखे गए पूर्णतः चुकता 47 इक्विटी शेयर्स के लिए 67 इक्विटी शेयर्स) के अनुपात में कुल 49.40 करोड़ मूल्य के 5 प्रति इक्विटी शेयर (3 प्रति इक्विटी शेयर प्रीमियम सहित) मूल्य पर नकद 2 प्रत्येक सम भाव के 9,88,00,000 पूर्णतः चुकता इक्विटी शेयर्स जारी करेगी. इस इश्यू के मार्फत एकत्र किए जाने वाले फंड का उपयोग कंपनी के प्रमाणित असुरक्षित कर्ज का पुनरभुगतान करने, कंपनी के कारोबारी क्रियाकलाप हेतु कार्यशील पूंजी की जरूरत पूरी करने और आम कॉर्पोरेट खर्चो का वित्त पोषण करने के लिए किया जाएगा. राइट इश्यू की लीड मैनेजर विव्रो फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है.

शक्ति पंप्स ने हासिल किया अब तक का सबसे ज्यादा रेवेन्यू और प्रॉफिट

वित्तीय वर्ष 24 में 142 करोड़ रहा शुद्ध लाभ

पीथमपुर, एजेंसी। सोलर स्टेनलेस-स्टील सबमर्सिबल पंप, प्रेशर बूस्टर पंप, पंप-मोटर्स, कंट्रोलर और इनवर्टर सहित अन्य उत्पादों के अग्रणी निर्माता शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड ने 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और वित्तीय वर्ष के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की।

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के चेयरमैन दिनेश पाटीदार ने कंपनी के प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि, एफवाय24 शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के लिए एक उल्लेखनीय वर्ष रहा है, क्योंकि कंपनी ने रेवेन्यू और प्रॉफिट के मामले में अब तक का मजबूत प्रदर्शन किया है। यह हमारी गवर्नमेंट और एक्सपोर्ट बिजनेस दोनों में हमारे उत्कृष्ट प्रदर्शन को बताता है, जिसने एफवाय24 में क्रमशः 52 प्रतिशत और 23 प्रतिशत की रेवेन्यू में ग्रोथ दर्ज की है। हमारी प्रभावशाली ऑर्डर बुक, राशि 2,400 करोड़ रुपये, 31 मार्च 2024 तक हाल ही में 250.62 करोड़ रुपये के तीन नए ऑर्डर के साथ जनवरी 2024 की शुरुआत से हरियाणा और महाराष्ट्र में विस्तारित हुआ है। शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड अपने ऑर्डर बुक के निरंतर विस्तार के बारे में आशावादी है, जो कृषक समुदाय के बीच सोलर पंपों को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है।

तिमाही के दौरान कंपनी ने सफलतापूर्वक 200 करोड़ रुपये क्यूआईपी के माध्यम दो प्रमुख म्यूचुअल फंडों से प्राप्त किये है। इन राशियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पंप/मोटर्स, इनवर्टर/वीएफडी और सहायक स्ट्रक्चर की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए उपयोग किया जाएगा। रिसर्च और डेवलपमेंट के प्रति हमारा अटूट समर्पण है, क्योंकि हम खुद को एक इनोवेशन केंद्रित इंटरप्राइजेज के रूप में परिभाषित करने का प्रयास करते हैं। यह प्रतिबद्धता हमारे द्वारा हाल ही में हासिल किए गए दो अतिरिक्त पेटेंटों से प्रमाणित होती है, जिसमें फाइल किए गए 29 में से हमें कुल 13 पेटेंट प्राप्त हो गए हैं7 सोलर पीएम कुसुम योजना के नेतृत्व में पंप उद्योग, 14 लाख से अधिक ऑफ-ग्रिड और 35 लाख से अधिक ऑन-ग्रिड सोलर पंपों की अनुमानित स्थापना डिमांड के साथ डेवेलपमेंट के लिए तैयार है। विभिन्न राज्यों में बड़ी संख्या में ऐसे किसान हैं जिन्होंने अपने खेतों की सिंचाई के लिए बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन किया है। जिसमे डिस्कॉम को बेसिक स्ट्रक्चर उपलब्ध कराने में कॉस्ट शामिल होती है, साथ ही बिजली कम रियायती दरों पर उपलब्ध करानी होती है, जो डिस्कॉम की वित्तीय स्थिति पर और अधिक बोझ डालती है। इसके बावजूद, कई किसान बिजली कनेक्शन से वंचित रह जाते हैं और उनकी जरूरतें पूरी नहीं होती हैं। राज्य और केंद्रीय योजनाओं के माध्यम से 60-70 प्रतिशत कॉस्ट को कम करने के साथ, सब्सिडी वाले सोलर पंपों के बदलाव से, सरकार को एक सॉल्यूशन प्राप्त होगा। यह पहल केवल 2-3 वर्षों में किसानों को विश्वसनीय बिजली प्रदान करते हुए, स्थिरता की ओर ले जाते हुए, बचत के साथ सब्सिडी को संतुलित करती है। रणनीतिक रूप से मजबूत, शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड निरंतर विकास के लिए तैयार है, ऑर्डर में अनुमानित वृद्धि का लाभ उठाने और संभावित अवसरों के लिए खुद को उपयुक्त स्थिति में लाने के लिए तैयार है।

सागर के वेदांत असाटी 98.53 परसेंटाइल हासिल कर बने सिटी टॉपर

सागर। परीक्षण तैयारी सेवाओं में राष्ट्रीय अग्रणी आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) ने सागर से अपने स्टूडेंट वेदांत असाटी की असाधारण उपलब्धि की घोषणा करते हुए गर्व महसूस किया, जिन्होंने ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम (जेईई) मेन 2024 के दूसरे सत्र में 98.53 परसेंटाइल हासिल कर सागर मे सिटी टॉप किया है।उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले स्टूडेंट वेदांत असाटी ने 98.53 परसेंटाइल हासिल किया है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों को दिया। उनकी उपलब्धि में उनके परिवार, शिक्षक और आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के समर्थन का बड़ा हाथ है। स्टूडेंट्स का शानदार प्रदर्शन न केवल उनकी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, बल्कि भारत की सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में से एक में परीक्षण किए गए विषयों पर उनकी गहरी पकड़ को भी सामने लाता है. नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने 24 अप्रैल, 2024 की देर रात दूसरे सत्र के परिणामों का अनावरण कर उत्कृष्टता का एक नया मानदंड स्थापित किया है.आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के क्लासरूम प्रोग्राम में नामांकित, इन छात्रों ने विश्व स्तर पर सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित आईआईटी जेईई के लिए एक कठिन यात्रा शुरू की।

टाटा मोटर्स ने कॉमर्शियल वाहनों की आसान फाइनेंसिंग के लिए साउथ इंडियन बैंक के साथ समझौता ज्ञापन किया

मुंबई एजेंसी। भारत में कॉमर्शियल वाहनों के सबसे बड़े निर्माता, टाटा मोटर्स ने कॉमर्शियल वाहन खरीदने वाले उपभोक्ताओं और डीलरों को फाइनेंस के सुविधाजनक समाधान देने के लिए साउथ इंडियन बैंक के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। साउथ इंडियन बैंक कंपनी के सभी तरह के कॉमर्शियल वाहनों की खरीदारी के लिए उपभोक्ताओं को फाइनेंसिंग की सुविधा देगा और उपभोक्ताओं को बैंक के व्यापक नेटवर्क और खसतौर से बनाई गई भुगतान की आसान योजनाओं से फायदा मिलेगा। यह सहयोग डीलरशिप को बेहतर सहयोग देने, वृद्धि को बढ़ावा देने, कोलेटरल की जरूरतों को कम से कम करने, ब्याज दर में कटौती करने और ऋण की प्रक्रिया को सुचारू बनाने में किए जा रहे महत्वपूर्ण प्रयासों को दर्शाता है। साउथ इंडियन बैंक के एमडी और सीईओ श्री पी. आर. शेषाद्रि ने विकास के बारे में कहा, साउथ इंडियन बैंक में, हम सुरक्षित, फुर्तीला और गतिशील बैंकिंग माहौल बनाने के लिए समर्पित हैं, जो गाड़ियों के मालिकों और डीलरों की जरूरत को पूरा कर सके। टाटा मोटर्स के साथ हमारे समझौते ने हमें कमर्शल वाहन के डीलरों और उपभोक्ताओं को वाहन को फाइनेंस करने के लिए आसान और सुविधाजनक समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाया है। हमें पूरी उम्मीद है कि टाटा मोटर्स के साथ हमारी साझेदारी से फाइनेंसिंग के बेहतरीन समाधान मिलेंगे, जो इंडस्ट्री में उत्कृष्टता के नए मानदंड स्थापित करेंगे।''

टाटा मोटर्स कॉमर्शियल व्हीकल्स में ट्रक्स डिविजन के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेड श्री राजेश कौल ने इस साझेदारी के बारे में कहा, हम प्रतिष्ठित साउथ इंडियन बैंक के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा कर बहुत खुशी महसूस कर रहे हैं। हमारे उपभोक्ताओं के लिए, कॉमर्शियल वाहन खरीदने के लिए फाइनेंसिंग समाधानों तक आसान पहुंच उनके परिचालन की प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है।

पाकिस्तान को कम से कम एक आईसीसी ट्रॉफी दिलाना चाहते हैं कोच गैरी क्सर्टन

टी20 विश्व कप को लेकर कही यह बात

कराची, एजेंसी। क्सर्टन के मुताबिक पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग के शीर्ष चार से पांच पद में से एक है और दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों के साथ काम करने का प्रस्ताव उन्हें आकर्षित कर रहा था। पाकिस्तान के नवनियुक्त मुख्य कोच गैरी क्सर्टन चाहते हैं कि उनकी टीम अगले तीन साल में आईसीसी के तीन टूर्नामेंट्स में से कम से कम एक ट्रॉफी जीते। कर्स्टन इस साल जून में होने वाले टी20 विश्व कप के अलावा 2025 में होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी और 2026 में होने वाले टी20 विश्व कप में पाकिस्तान टीम की कोचिंग करते दिखेंगे। भारत की विश्व कप (2011) विजेता टीम के मुख्य कोच रह चुके क्सर्टन चाहते हैं कि बाबर आजम और उनकी टीम इन तीन में से कम से कम एक टूर्नामेंट जीते।

वनडे-टी20 में पाकिस्तान के हेड कोच हैं क्सर्टन- मौजूदा समय में आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के मार्गदर्शक (मेंटर) कर्स्टन को रविवार को वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए पाकिस्तान का मुख्य कोच नियुक्त किया गया था। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व बल्लेबाज के पाकिस्तान के इंग्लैंड दौरे से पहले 22 मई से अपनी नई जिम्मेदारी संभालने की उम्मीद है।

पाकिस्तान टीम के साथ यह है क्सर्टन का लक्ष्य- कर्स्टन से उनके कार्यकाल के दौरान उनके लक्ष्यों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पॉडकास्ट में कहा- अगर आप उन तीन आईसीसी प्रतियोगिताओं में से एक जीत सकते हैं तो यह एक शानदार उपलब्धि होगी। चाहे वह आगामी टी20 विश्व कप हो या अब से दो साल बाद।

टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे- उन्होंने कहा, मेरा काम यह सुनिश्चित करना है कि टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे। यदि टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही है तो हमारे पास हमेशा ट्रॉफी जीतने का अच्छा मौका होगा। इसलिए मेरे लिए यह समझना वास्तव में महत्वपूर्ण होगा कि टीम अभी कहां हैं और टीम को शीर्ष पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम होने के लिए कहां जाने की जरूरत है।

टी20 विश्व कप की तैयारियों के लिए कम समय बचा- क्सर्टन के मुताबिक पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग के शीर्ष चार से पांच पद में से एक है और दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों के साथ काम करने का प्रस्ताव उन्हें आकर्षित कर रहा था।

शाहरुख खान ने कहा कि

विराट हमारी बॉलीवुड बिरादरी के लिए दामाद की तरह हैं

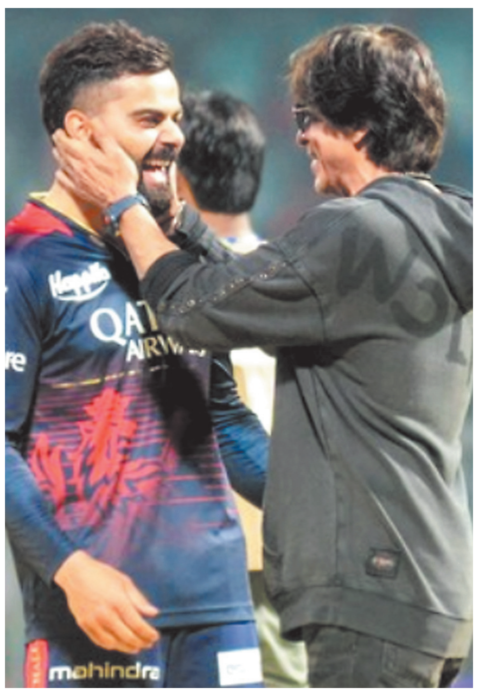

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के सह-मालिक और बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि मैं उनसे प्यार करता हूं। विराट कोहली के साथ अपने रिश्ते पर बात करते हुए शाहरुख ने कहा कि मैंने उनके साथ काफी समय बिताया, मैं उनसे प्यार करता हूं। हम कहते हैं कि वह हमारी बिरादरी के दामाद हैं।

मैं अन्य खिलाड़ियों की तुलना में उन्हें सबसे ज्यादा जानता हूं। मैं विराट और अनुष्का को लंबे समय से जानता हूं और उनके साथ काफी समय बिताया है। केकेआर के सह-मालिक ने बताया कि मैं उन्हें तब से जानता हूं जब उनका डेटिंग पीरियड चल रहा था और मैं अनुष्का के साथ फिल्म की शूटिंग कर रहा था। इसलिए, उन्होंने हमारे साथ कई दिन बिताए। शाहरुख ने विराट की पत्नी और एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा के साथ रब ने बना दी जोड़ी, जब तक है जान जैसी कई फिल्मों में काम किया है। वह 2017 में उनकी शादी में भी शामिल हुए थे। लेकिन यह सिर्फ ऑन-स्क्रीन जादू नहीं है जो इन दोनों को बांधता है; उनकी ऑफ-स्क्रीन मुलाकातें भी उतनी ही मनमोहक हैं।

शाहरुख ने विराट के डांस करने के मजाकिया अंदाज पर कहा कि तो,मैंने उसे पठान फिल्म के शीर्षक गीत के डांस स्टेप सिखाए। मैंने उन्हें भारत के एक मैच में देखा था, उन्होंने मैच में रवींद्र जड़ेजा के साथ डांस करने की कोशिश की थी। वे उस डांस स्टेप को करने की कोशिश कर रहे थे, मुझे बहुत दुख हुआ कि वे इसे इतनी बुरी तरह से कर रहे थे ! मैंने उनसे कहा कि आइए मैं आपको स्टेप्स सिखाऊं ताकि अगले विश्व कप और अन्य चैंपियनशिप में जब भी आप डांस करें तो कम से कम मुझे फोन करें और पूछें कि स्टेप्स कैसे करते हैं।

सर्दिनिया विश्व शतरंज फेस्टिवल राउंड- 2

जर्मनी के लेव ने तीसरे वरीय किरिल को हराया , भारत के भरत की दूसरी जीत

ओलबिया, इटली, एजेंसी। सर्दिनिया विश्व शतरंज फेस्टिवल में दूसरे दिन 40 देशो के लगभग 300 खिलाड़ियों के बीच हुए मुक़ाबले में लगातार दूसरे दिन बड़े उलटफेर देखने को मिले ।मास्टर्स वर्ग में दूसरे दिन ही टॉप सीड खिलाड़ी स्लोवेनिया के वल्दिमीर फेडोसीव अपनी वरीयता कायम नहीं रख पाये और उन्हे नॉर्वे के 41वे वरीय बेंजामिन हलडोरसेन नें आधा अंक बांटने पर मजबूर कर दिया ।

वहीं तीसरे बोर्ड पर दिन का सबसे बड़ा उलटफेर सामने आया जब रोमानिया के तीसरे वरीय सावचेंकों किरिल को जर्मनी के 42वें वरीय लेव यांखेलविच नें पराजित करते हुए दिन का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया । हालांकि प्रमुख खिलाड़ियों में दूसरे वरीय हंगरी के सनन सुगिरोव नें मेजबान इटली के वालेरिओ कार्नीकेली को पराजित करते हुए और चौंथे वरीय स्पेन के एलन पीचोट नें इटली के गेब्रियल लूमाची को पराजित करते हुए लगातार अपनी दूसरी जीत दर्ज की है ।

भारतीय खिलाड़ियों में भरत सुब्रमण्यम नें इज़राइल के वागमन रॉय को मात देते हुए दूसरी जीत दर्ज की तो 50वीं वरीय वन्तिका अग्रवाल नें नौवे वरीय स्पेन के मकसीम चिगेव को ड्रॉ पर रोका ।

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल प्लेऑफ के करीब पहुंची केकेआर

इन टीमों पर अभी भी संकट के बादल

नईदिल्ली, एजेंसी। जीत के रथ पर सवार हुई ऋषभ पंत की कप्तानी वाली दिल्ली कैपिटल्स अब एक और हार का सामना करना पड़ा है। इस बीच श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली कोलकाता नाइटराइडर्स ने जीत दर्ज कर अपनी प्लेऑफ में जाने की संभावनाओं को और भी मजबूत कर लिया है। खास बात ये है कि अब तक लीग में 47 मुकाबले हो चुके हैं, लेकिन ना तो कोई टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर हुई है और ना ही कोई टीम इसमें एंट्री कर पाई है। आने वाले वक्त में मैच और भी रोचक होने की उम्मीद है।

राजस्थान रॉयल्स अभी भी टेबिल टॉपर

आईपीएल की ताजा अंक तालिका पर नजर डालें तो हम पाते हैं कि संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स की टीम इस वक्त टॉप पर चल रही है। टीम ने 9 में से अपने 8 मुकाबले जीते हैं और 16 अंकों के साथ टॉप पर चल रही है। टीम को प्लेऑफ में जाने के लिए यहां से बस एक और मैच जीतना जरूरी होगा। वहीं डीसी पर जीत हासिल करने के बाद केकेआर की टीम अभी भी दूसरे नंबर पर है। केकेआर ने अब तक 9 मुकाबले खेले हैं, इसमें से 6 जीतकर उसके पास कुल 12 अंक हो गए हैं।

रिंकू का नाम 15 सदस्यीय टी-20 विश्व कप टीम में होना चाहिए : श्रीकांत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मुख्य चयनकर्ता रहे कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा कि बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह को आगामी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम में शामिल किया जाना चाहिए। रिंकू आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स की पारी की आखिरी पांच गेंदों पर पांच सिक्स जड़ने के साथ सुर्खियों में आए।

आईपीएल में उन्होंने लगातार अपनी फिनिशिंग टच से फैंस का दिल जीता है। इतना ही नहीं पिछले सीजन में अपने दमदार प्रदर्शन की बदौलत उन्होंने साल के अंत में भारत के लिए टी20 में डेब्यू किया और 15 मैचों में 356 रन बनाए, जिनमें से सात मैच में 176.23 की स्ट्राइक रेट से नाबाद रहे। केकेआर के शीर्ष क्रम ने आईपीएल 2024 में अब तक टीम के लिए बड़े पैमाने पर स्कोरिंग की है।

रिंकू को बल्लेबाजी के लिए ज्यादा समय नहीं मिला है, उन्होंने आठ मैचों में 157.74 की स्ट्राइक-रेट से 112 रन बनाए हैं। श्रीकांत भारत की 2011 विश्व कप विजेता टीम के मुख्य चयनकर्ता थे। उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम शो के टिकट टू वर्ल्ड कप एपिसोड में कहा कि रिंकू सिंह मेरे 15 खिलाड़ियों में से एक है। उसे आईपीएल में बल्लेबाजी करने के ज्यादा मौके नहीं मिले हैं, लेकिन आप उसका अंतर्राष्ट्रीय ट्रैक रिकॉर्ड देखें, यह अद्भुत है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि आईपीएल के जरिए कई भारतीय युवा खिलाड़ी को अपना दमखम दिखाने का मौका मिला है, जिनकी अब आगामी पुरुष टी20 विश्व कप की चयन दौड़ में चर्चा हो रही है।

2007 संस्करण का विजेता भारत, अपने पुरुष टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत 5 जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ करेगा। उसे ग्रुप ए में पाकिस्तान, कनाडा और टूर्नामेंट के सह-मेजबान अमेरिका के साथ रखा गया है।

पाकिस्तान के नए टेस्ट कोच गिलेस्पी ने कहा

वह बनने की कोशिश मत करो जो तुम नहीं हो

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी ने कहा कि पाकिस्तान के नए टेस्ट कोच के रूप में उनका सिद्धांत यह होगा कि कुछ ऐसा बनने की कोशिश न करें जो वो नहीं हैं। पाकिस्तान के टेस्ट कोच के रूप में गिलेस्पी का पहला कार्यभार अगस्त में बांग्लादेश के साथ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला होगी, जिसमें टीम वर्तमान में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर है। यह पहली बार है कि गिलेस्पी किसी अंतरराष्ट्रीय टीम के कोच होंगे। इससे पहले वह यॉर्कशायर के मुख्य कोच के रूप में काम कर चुके हैं, साथ ही ससेक्स और साउथ ऑस्ट्रेलिया को भी कोचिंग दे चुके हैं।

उन्होंने पंजाब किंग्स (पूर्व में किंग्स इलेवन पंजाब) और एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ टी20 कोचिंग भूमिकाएं भी निभाईं। जेसन गिलेस्पी ने कहा, देखो, मैं बस इतना चाहता हूं कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम उस शैली की क्रिकेट खेले जो उनके अनुकूल हो, मेरे लिए यही महत्वपूर्ण है। मेरा मानना है कि कुछ ऐसा बनने की कोशिश मत करो जो तुम नहीं हो! टेस्ट क्रिकेट प्रारूप की लोकप्रियता में योगदान देने पर, गिलेस्पी ने कहा, मुझे टेस्ट क्रिकेट पसंद है। यह शारीरिक और मानसिक रूप से आपके खेल के हर हिस्से का टेस्ट लेता है। यह टेक्नीक का परीक्षण करता है और यही सच्ची परीक्षा है। आपको केवल दुनिया भर के खिलाड़ियों से बात करनी है और वे सभी टेस्ट खेलना पसंद करते हैं। हम प्रशंसकों, खिलाड़ियों, कोचों, मीडिया, सभी को इसका लुत्फ उठाते देखते हैं। इससे पता चलता है कि विश्व कैलेंडर में टेस्ट क्रिकेट को कितना महत्व दिया जाता है।

थॉमस कप बैडमिंटन-

भारतीय टीम क्वार्टर फाइनल मे

- आखिरी ग्रुप मुकाबले में इंग्लैंड को 5-0 से हराया
- अब मुकाबला इंडोनेशिया से होगा

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने सोमवार को चेंगदू, चीन में अपने दूसरे ग्रुप सी मुकाबले में इंग्लैंड को 5-0 से हराकर थॉमस कप 2024 के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली है। भारत क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया ने भिड़ेगा। थॉमस कप पुरुष टीमों के बीच होने वाला मल्टीनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट है। महिलाओं के इस टूर्नामेंट को उबर कप कहा जाता है। इन टूर्नामेंट दो टीमों के एक मुबाले में तीन सिंगल्स और 2 डबल्स मैच खेले जाते हैं।

- एचएस प्रणय ने जीता पहला मैच

भारत-इंग्लैंड मुकाबले की शुरुआत सिगल्स मैच से हुई।भारत की ओर से वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट एचएस प्रणय उतरे।वहीं, इंग्लैंड के लिए दुनिया के 106वें नंबर के खिलाड़ी हैरी हुआंग आए।प्रणय ने यह मैच 42 मिनट में 21-15, 21-15 से जीत लिया।

सात्विक-चिराग की जोड़ी तीन गेम में जीती- दूसरा मैच डबल्स का खेला गया। दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 19वीं रैंकिंग वाली जोड़ी बेन लेन और सीन वेंडी को हराया। भारतीय जोड़ी ने यह मुकाबला एक घंटा और पांच मिनट में 21-17, 19-21, 21-15 से जीता। तीसरा मैच सिंगल्स का हुआ। इसमें भारत के पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 किदांबी श्रीकांत ने नदीम दलवी को 21-16, 21-11 से हराया। दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन को इस मुकाबले के लिए आराम दिया गया था। चौथे मैच में एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला ने रोरी ईस्टन और एलेक्स ग्रीन को 21-17, 21-19 से हराया। आखिरी मैच सिंगल्स का हुआ। इसमें दुनिया के 36वें नंबर के खिलाड़ी किरण जॉर्ज ने 209वें नंबर के चोलन कायान को 21-18, 21-12 से हराया। साल 2022 में भारत ने पहली बार थॉमस कप जीता था। भारत ने फाइनल में इंडोनेशिया को 3-0 से हराया था। 1948-1949 के बाद से आयोजित 30 थॉमस कप टूर्नामेंटों में से केवल छह देशों ने खिताब जीता है। इंडोनेशिया सबसे सफल टीम है, जिसने 14 बार जीत हासिल की है। चीन, जिसने 1982 से पहले प्रतिस्पर्धा शुरू नहीं की थी, 10 खिताबों के साथ इंडोनेशिया से पीछे है, जबकि मलेशिया ने 5 खिताब जीते हैं।

Uber Cup

चीन के आगे फीका पड़ा भारत का युवा जोश

चेंगदू (चीन), एजेंसी। कनाडा और सिंगापुर के खिलाफ लगातार मुकाबलों में जीत के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम ने अश्मिता चालिहा को 15 बार की चैंपियन टीम के खिलाफ मुकाबले में नहीं उतारा।

भारत की महिला टीम को मंगलवार को चेंगदु में चल रहे उबेर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए मैच में चीन ने 5-0 से रौंद दिया। युवा सनसनी अनमोल खरब टखने में चोट के कारण आंखों में आंसुओं के साथ कोर्ट से हटना पड़ा। कनाडा और सिंगापुर के खिलाफ लगातार मुकाबलों में जीत के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुकी भारतीय टीम ने अश्मिता चालिहा को 15 बार की चैंपियन टीम के खिलाफ मुकाबले में नहीं उतारा। भारत इस टूर्नामेंट में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के बिना खेल रहा है जिन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया। इसके अलावा अश्विनी पोनप्पा-तनीशा क्रास्तो और त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद के बिना भारतीय टीम यह टूर्नामेंट खेल रही है।

नई टी20 प्रतियोगिता शुरू करने के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने डब्ल्यूबीबीएल में की कटौती

मेलबर्न, एजेंसी। महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के आयोजन में थोड़ी कटौती की जाएगी और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया एक नई राज्य-आधारित टी20 प्रतियोगिता जल्द शुरू करने वाला है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने महिला क्रिकेट में निवेश करने, जमीनी स्तर पर भागीदारी बढ़ाने और व्यावसायिक राजस्व बढ़ाने के लिए 10-वर्षीय कार्य योजना का अनावरण किया। डब्ल्यूबीबीएल, जिसका 2015-16 में शुरू होने के बाद से 9 सीजन में प्रत्येक में 56 मैच का नियमित सीजन था, अब 40-मैचों का होगा, जो इसे पुरुषों के बीबीएल फाइनल के तय समय के साथ जोड़ता है। टीमें अब 14 के बजाय 10 नियमित सीज़न मैचों में प्रतिस्पर्धा करेंगी। क्लबों के लिए वेतन में कोई बदलाव नहीं होगा।

नई राज्य-आधारित टी20 प्रतियोगिता, जिसके कुछ विवरणों को अभी भी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है, के 50 ओवरों की महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग के साथ चलने की उम्मीद है।

क्रिकेट.कॉम.एयू वेबसाइट के अनुसार, नई प्रतियोगिता की शुरुआत का मतलब है कि घरेलू क्रिकेटरों के लिए अधिक शीर्ष स्तर के खेल के अवसर प्रदान करने वाले टूर्नामेंट के साथ महिलाओं के खेल में कोई समग्र कमी नहीं होगी। अगले सीज़न में, नई प्रतियोगिता से महिला घरेलू खिलाड़ियों के वेतन में वृद्धि होगी। डब्ल्यूबीबीएल और राज्य दोनों प्रतियोगिताओं में अनुबंध रखने वालों के लिए महिला घरेलू खिलाड़ियों का औसत वेतन आठ प्रतिशत बढ़कर एयू.163,322 हो जाएगा।

सीए ने ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख स्टेडियमों में आयोजित होने वाले मैचों की संख्या बढ़ाने का वादा किया है, जिसमें प्रमुख स्थानों पर महिला अंतर्राष्ट्रीय और डब्ल्यूबीबीएल की उपस्थिति को अधिकतम करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

लाल सागर में हूती विद्रोहियों ने फिर दागीं ताबड़तोड़ मिसाइल, निशाने पर क्यों सऊदी अरब का माल

साना, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में सोमवार को एक कंटेनर पोत को निशाना बनाकर कथित रूप से मिसाइल से हमला किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। इस अहम समुद्री मार्ग पर अंतरराष्ट्रीय पोतों के खिलाफ उनके अभियान की कड़ी में यह नया हमला है। ब्रिटेन की सेना की 'यूनाइटेड किंगडम मेरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर' ने कहा कि यह हमला यमन में मोखा के अपतटीय क्षेत्र में हुआ। इसके अलावा उसने और कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई। उसने क्षेत्र से गुज़रने के दौरान पोतों से सतर्कता बरतने का आग्रह किया है। निजी सुरक्षा कंपनी 'अम्ब्रे' ने कहा कि माल्टा का ध्वज लगे कंटेनगर पोत को ताबड़तोड़ तीन मिसाइल के जरिए निशाना बनाया गया है। यह कंटेनर ज़िबूती से सऊदी अरब के जेद्दा की ओर जा रहा था। 'अम्ब्रे' ने कहा कि पोत को इसलिए निशाना बनाया गया, क्योंकि इसके सूचीबद्ध संचालक का इज़रायल के साथ व्यापारिक संबंध है। हालांकि पोत के संचालक ने कहा कि पोत ज़िबूती में ही है और घटना में इसे निशाना नहीं बनाया जा सकता है। हूती ने तत्काल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन शक उनपर ही है।

अमेरिका में अपराधी को गिरफ्तार करने गई पुलिस पर दागीं गोलियां 4 अधिकारियों की मौत

चार्लोट, एजेंसी। अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना में एक चौंकाने वाली घटना हुई हैं। यहां पुलिस जिन बदमाशों को पकड़ने गई थी उन्ही ने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इससे चार अधिकारियों की मौत हो गई। वहीं, चार अन्य अधिकारी घायल हो गए। यह सभी अधिकारी बंदूक रखने के आरोप में वांछित एक अपराधी के वारंट की तामील करने उत्तरी कैरोलिना के एक घर में गए थे। तभी बदमाशों ने गोलीबारी शुरू कर दी जिसमें चार पुलिस कर्मियों की मौत हो गई तो वहीं चार घायल हो गए। चार्लोट–मैकलेनबर्ग पुलिस प्रमुख जॉनी जेनिंग्स ने कहा कि मारे गए अधिकारियों की पहली खेप को बचाने के लिए चार्लोट पड़ोस में पहुंचे कुछ अधिकारी घायल हो गए क्योंकि वांछित व्यक्ति को मारने के बाद दूसरे शूटर ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर अमेरिकी मार्शल सेवा ने पुष्टि की है कि उत्तरी कैरोलिना के चार्लोट में एक भगोड़े वारंट अपराधी को पकड़ने के लिए चलाए गए ऑपरेशन के दौरान एक उप अमेरिकी मार्शल की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। कई अन्य मार्शल सर्विस टास्क फोर्स के सदस्यों और स्थानीय अधिकारियों को भी गोली मार दी गई और घायल कर दिया गया। जेनिंग्स ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आज हमने कुछ नायकों को खो दिया जो हमारे समुदाय को सुरक्षित रखने की कोशिश कर रहे थे। इस मुठभेड़ के बाद घर में एक महिला और एक 17 वर्षीय पुरुष पाए गए हैं। जेनिंग्स ने कहा, दोनों से पूछताछ की जा रही है।

लॉटरी जीतने का पता चला तो निकल पडे आंसू

लंदन, एजेंसी। इंग्लैड के विल्टशायर के निवासी 51 वर्षीय व्यक्ति ट्रोब्रिज ने 18 मई 2023 को टिकट खरीदा था। शख्स ने कई दिनों तक टिकट की जांच नहीं की। उन्होंने कहा कि वह पलस्तर का एक दिन पूरा करने के बाद अपनी वैन में बैठकर कॉफी पी रहा था और तभी उसकी नजर छज्जे के पीछे टिकट पर पड़ी। वह एक दुकान के करीब था इसलिए उसने सोचा कि वह अंदर जाएगा और टिकट की जांच करवाएगा, इस उम्मीद में कि शायद कुछ हो जाए !जब स्टोर सहायक ने इसे जांचने के लिए मशीन में डाला, तो मशीन ने वास्तव में अजीब आवाज निकाली, कुछ ऐसा जो उसने पहले कभी नहीं सुना था। तब सहायक ने उससे कहा कि उसे टिकट पर दिए गए नंबर पर कॉल करना होगा क्योंकि यह एक विजेता टिकट था लेकिन वह उसे भुगतान नहीं कर सकती। जॉन ने सोचा कि शायद उसने केवल दस हजार रुपये ही जीते हैं, और जब उसे पता चला कि उसने इससे कहीं अधिक राशि जीती है तो उसकी आंखों में आसू आ गए। अपनी वैन में वापस गया उसी क्षण रेडियो पर एक राष्ट्रीय लॉटरी का विज्ञापन आया, जिसमें एक विजेता का टेलीफोन कॉल बज रहा था। और सचमुच ही उसके कॉल का जवाब था। फोन के अंत में महिला ने जॉन से कहा, 'क्या आप बैठे हैं?' फिर उसने पुष्टि की कि उसने शीर्ष पुरस्कार जीता है ।जॉन लंबे समय तक काम करने, धूल में सने रहने और बिलों की चिंता से तंग आ चुका था। लाटरी विजेता शख्स एक झील के किनारे घर बनाने और मछली पकड़ने की उम्मीद करता है। युवक अब मछली पकड़ने और फोटोग्राफी के अपने शौक को पूरा करने की योजना बना रहा है।

नेतन्याहू होंगे गिरफ्तार! अरेस्ट वारंट से भड़का अमेरिका, दी अंजाम भुगतने की चेतावनी

येरुशलम, एजेंसी। गाजा पट्टी में भीषण नरसंहार के चलते इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ ऐक्शन हो सकता है। रिपोर्ट है कि अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय उनकी गिरफ्तारी का वारंट जारी करने वाली है। वारंट सिर्फ नेतन्याहू ही नहीं इजरायली रक्षा मंत्री और आईडीएफ चीफ के खिलाफ भी जारी हो सकता है। आईसीसी के इस कदम ने अमेरिका को भड़का दिया है। उसने चेतावनी दी है कि अगर ऐसा हुआ तो आईसीसी अंजाम भुगतने को तैयार रहे।

गाजा पट्टी में इजरायली सेना के कत्लेआम से मरने वालों की तादाद 34 हजार पार कर गई है। गाजा में मरने वालों में ज्यादातर निर्दोष बच्चे और महिलाएं हैं। गाजा पर जमीनी और हवाई ऑपरेशनों रोकने के लिए यूएन समेत कई अंतरराष्ट्रीय संगठन आवाज उठा चुके हैं लेकिन, नेतन्याहू ने अपने कदम पीछे नहीं किए।

एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में दोनों पार्टियों के सांसदों ने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय को चेतावनी दी है कि यदि शीर्ष इजरायली अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया तो वाशिंगटन अदालत के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करेगा। बता दें कि आईसीसी नेतन्याहू, इजरायली रक्षा मंत्री समेत आईडीएफ चीफ के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस मामले पर आईसीसी ऐक्शन लेने की तैयारी कर रहा है। हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के अध्यक्ष माइकल मैककॉल ने कहा कि आईसीसी अधिकारियों को मंजूरी देने के लिए एक विधेयक पास होने की उम्मीद है, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों को लगता है कि उसकी धमकी के बाद आईसीसी अपने कदम वापस ले सकता है। अमेरिकी सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने गाजा युद्ध के लिए नेतन्याहू के गिरफ्तारी वारंट जारी करने को लेकर आईसीसी की निंदा की है।

जॉनसन ने एक बयान में कहा, यह अपमानजनक है कि आईसीसी कथित तौर पर इजरायल के प्रधान मंत्री नेतन्याहू और अन्य वरिष्ठ इजरायली अधिकारियों के खिलाफ निराधार गिरफ्तारी वारंट जारी करने की योजना बना रहा है। आईसीसी की ऐसी अराजक कार्रवाई सीधे तौर पर अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा हितों को कमजोर करेगी। यदि बाइडेन प्रशासन द्वारा चुनौती नहीं दी गई, तो आईसीसी अमेरिकी नेताओं, हमारे राजनयिकों और सैन्य कर्मियों के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी कर सकती है। इससे हमारे देश की संप्रभुता खतरे में पड़ सकती है।

पुतिन के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी कर चुका आईसीसी बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब आईसीसी ने किसी देश के सर्वोच्च नेता पर इस तरह का ऐक्शन लिया हो। इससे पहले आईसीसी ने यूक्रेन पर युद्ध के आरोप में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। इस ऐक्शन के तहत आईसीसी के नियमों को मानने वाले किसी भी देश के दौरे पर उस नेता पर गिरफ्तारी का खतरा रहता है।

हमास संचालित स्वास्थ्य प्राधिकरण का दावा, राफा में इजरायली हमलों में 27 लोग मारे गए

गाजा/तेल अवीव , एजेंसी। दक्षिणी गाजा पट्टी के राफा शहर पर ताजा इजरायली हमलों में कम से कम 27 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। क्षेत्र के हमास-नियंत्रित स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को यह दावा किया। अधिकारियों ने कहा कि रात के दौरान विभिन्न हमलों में सीमावर्ती शहर की आवासीय इमारतों में 20 लोग मारे गए।

सोमवार सुबह गोलाबारी में राफा में एक परिवार के सात सदस्यों की भी कथित तौर पर मौत हो गई। जानकारी को स्वतंत्र रूप से सत्यापित नहीं किया जा सका। इजरायली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि वह घटनाओं के सटीक निर्देशांक के बिना टिप्पणी नहीं कर सकते।

इजरायल ने कहा है कि वह फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के शेष गढ़ों को खत्म करने के लिए राफा में आक्रामक अभियान शुरू करेगा। इजरायल के सहयोगियों ने बार-बार सावधानी बरतने का आग्रह किया है, क्योंकि सैकड़ों हजारों विस्थापित फिलिस्तीनी नागरिक शहर में शरण ले रहे हैं। नियोजित सैन्य अभियान को अभी भी टाला जा सकता है, हमास का एक प्रतिनिधिमंडल फ़िलिस्तीनी कैदियों के बदले में इजरायली बंधकों की रिहाई पर बातचीत करने के लिए सोमवार को मिस्र पहुंच रहा है।

कई सालों से आग में झुलस रहा अमेरिका का सेंट्रलिया शहर

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिका के पेनसिल्वेनिया का यह खौफनाक शहर सेंट्रलिया दशकों से जमीन के नीचे की आग की चपेट में है। आज इसकी आबादी केवल 5 लोगों की रह गई है। 1962 में सेंट्रिलिया की खदान में आग लग गई थी जिसने आज तक थमने का नाम नहीं लिया है और अब पूरा का पूरा बसाया बसाया शहर जमीन के अंदर लगी आग के धुएं से तबाह हो चुका है।

1920 के दशक में सेंट्रलिया दुकानों से भरा एक हलचल भरा शहर हुआ करता था, जिसके निवासी बढ़ते खनन उद्योग से लाभान्वित होते थे। जैसे-जैसे इसकी अर्थव्यवस्था बढ़ती गई, इसके 1,200 निवासी स्थानीय खदानों से प्राप्त कोयले पर खुशी से जीवन व्यतीत करने लगे।पर आज यह शहर पूरी तरह से वीरान है, इसकी अधिकांश इमारतें नष्ट हो चुकी हैं। यह सब एक खदान में लगी आग से शुरू हुआ जो 1962 में शुरू हुई और 50 साल से अधिक समय बाद भी जल रही है, जिसके धुएं से शहर पूरी तरह से तबाह हो गया। पिछली अमेरिकी जनगणना के अनुसार शहर की आबादी अब घटकर केवल 5 लोगों की रह गई है, जो अब धुएं वाले इलाके के करीब रहते हैं। फायर अंडरग्राउंड में डेविड डेटोक ने लिखा कि यह अप्रासंगिक, छोटे शहर के इतिहास जैसा लग सकता है।कूड़े के ढेर को साफ़ करने के लिए सेंट्रलिया काउंसिल का तरीका यह था कि उसमें आग लगा दी जाए। ऐसा माना जाता है कि विशाल डंप आग ने शहर के नीचे एक बड़ी खदान में आग लगा दी, जिसके कारण जल्द ही सेंट्रलिया की कोयला खदानों के पूरे नेटवर्क में आग फैल गई। आग बुझाने के कई प्रयास किए गए लेकिन ये असफल रहे।

हैती में व्यवस्था बहाल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सेना में शामिल होने को बांग्लादेश सहमत

वाशिंगटन, एजेंसी। हैती में व्यवस्था बहाल करने में मदद करने के लिए बांग्लादेश एक अंतरराष्ट्रीय सेना में शामिल होने के लिए सहमत हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी। यूएन के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने सोमवार को कहा कि बांग्लादेश उन छह देशों में से एक है, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को लिखा है कि वे हैती में बहुराष्ट्रीय सुरक्षा सहायता मिशन (एमएसएसएम) में कर्मियों का योगदान देंगे। गौरतलब है कि सुरक्षा परिषद ने हैती में स्थिति को सुधारने में मदद करने के लिए एमएसएसएम मिशन का गठन किया है। यह मिशन संयुक्त राष्ट्र से स्वतंत्र रूप में कार्य करेगा। केन्या के नेतृत्व वाली सेना में बहामास, बारबाडोस, बेनिन, चाड और जमैका शामिल हैं। गौरतलब है कि हैती की राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस सहित देश के कई हिस्सों में सशस्त्र गिरोह अराजकता फैलाए हुए हैं। इस दौरान हजारों लोग मारे गए हैं। 1.4 मिलियन लोगों को अकाल का सामना करना पड़ रहा है और चार मिलियन लोगों को गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है। इस साल फरवरी में हैती के प्रधानमंत्री एरियल हेनरी, देश छोड़कर अमेरिका भाग गए थे। उन्होंने पिछले सप्ताह अमेरिका में निर्वासन के दौरान इस्तीफा दे दिया।

भारत महाशक्ति बन रहा है और हम भीख मांग रहे हैं : मौलाना फजलुर रहमान

इस्लामाबाद, एजेंसी। गरीबी,भुखमरी और आतंकवाद के लिए खुद की पहचान बना चुके पाकिस्तान का दर्द एक बार फिर छलका है। दरअसल पाकिस्तानी संसद में विपक्ष के एक सांसद ने भारत की तारीफ करते हुए अपने ही देश की बुरी गत का जिक्र कर दिया। नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता और जेयूआई-एफ प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने बयान दिया कि एक तरफ भारत है जो लगातार महाशक्ति बनने की तरफ बढ़ रहा है, दूसरी तरफ हम हैं जो दिवालिया होने से बचने के लिए दूसरे देशों से भीख मांग रहे हैं। रहमान ने शहबाज शरीफ पर निशाना भी साधा। आरोप लगाया कि पाकिस्तान में सरकारें महलों में बनती हैं। पर्दे के पीछे के कुछ लोग फैसले ले रहे हैं और हम सिर्फ कठपुतली बने हुए हैं। सांसद अब खुलेआम

पीएम शहबाज शरीफ को खरी-खोटी सुनाने में लगे हैं। नेशनल असेंबली पर अपने भाषण में मौलाना फजलुर रहमान का शहबाज पर जमकर गुस्सा फूटा। उन्होंने कहा कि एक तरफ भारत महाशक्ति बनने का सपना देख रहा है और हम दिवालिया होने से बचने के लिए भीख मांग रहे हैं। इसका जिम्मेदार कौन है? रिपोर्ट के अनुसार, मौलाना फजलुर रहमान ने देश की दुर्दशा के लिए पर्दे के पीछे से फैसले लेने वाली अदृश्य ताकतों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने देश की निर्वाचित सरकार को महज उनकी कठपुतली बताया। साथ ही दावा किया कि हमारी दीवारों के पीछे कुछ ऐसी शक्तियां हैं जो हमें नियंत्रित कर रही हैं और वे ही सारे निर्णय ले रहे हैं जबकि हम सिर्फ कठपुतलियां हैं।रहमान ने संसद की वैधता पर सवाल उठाते हुए संविधान के सिद्धांतों को त्यागने और लोकतंत्र को बेचने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, सरकारें महलों में बनती हैं और नौकरशाह तय करते हैं कि प्रधानमंत्री कौन होगा? मौलाना फजल ने सवाल किया, कब तक हम समझौता करते रहेंगे? कब तक हम विधायक चुने जाने के लिए बाहरी ताकतों से मदद मांगते रहेंगे। दरअसल, 2024 के संसदीय चुनाव के बाद पाकिस्तान में नई सरकार का गठन तो हो गया लेकिन, हालात अभी भी नहीं सुधरे हैं। जोड़-तोड़ कर सरकार बनाने वाले शहबाज शरीफ एक बार फिर पीएम की कुर्सी पर विराजमान हो चुके हैं। तमाम वादों के बावजूद पाकिस्तान की आर्थिक दुर्दशा में रत्ती भर भी फर्क नहीं आया। शहबाज शरीफ लगातार दूसरे देशों में जाकर आर्थिक मदद ला रहे हैं, जिसके दम पर सरकार चल रही है। हालत ये हो गई है कि अब सांसदों ने भी शहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। रहमान ने 2018 और 2024 दोनों समय लोकसभा चुनावों में हुई धांधली की निंदा की और कथित तौर पर नकली प्रतिनिधियों के सत्ता में आने की निंदा की। रहमान ने दावा किया कि देशवासी असुरक्षा से ग्रस्त हैं और इसके प्रति हमारी सरकार को होश में आने की जरूरत है।

ये सरेंडर तो शर्मनाक... इजरायल की युद्ध कैबिनेट दो फाड़; मंत्री क्यों बोले खतरे में नेतन्याहू सरकार

राफा, एजेंसी। दक्षिण गाजा पट्टी के राफा शहर के तीन आवासीय इमारतों पर इजरायल की ओर से किए गए हवाई हमलों में करीब 20 फिलीस्तीनी मारे गए हैं। फिलिस्तीनी आधिकारिक समाचार एजेंसी वफा ने सोमवार को बताया कि गाजा पट्टी के राफा शहर के आवासीय क्षेत्र में इजरायल ने हवाई हमले किए, जिसमें करीब 20 लोगों की जान चली गई। पीड़ितों में बच्चे और महिलाएं शामिल हैं ओर कई अन्य लोग अभी भी मलबे में फंसे हुए हैं। नागरिक सुरक्षा दल उन्हें बचाने के लिए काम कर रहे हैं।

ये हमले काहिरा में हमास नेताओं और मिस्र के मध्यस्थों के बीच नए दौर की संघर्ष विराम वार्ता से ठीक पहले हुए हैं। इसके बावजूद मिस्र के विदेश मंत्री ने कहा है कि वह गाजा में युद्ध विराम के नए प्रस्तावों को लेकर आशान्वित हैं। सूत्रों के अनुसाार गाजा में युद्धविराम के संबंध में आंदोलन की प्रतिक्रिया देने और इजरायल के साथ बंधक और कैदियों की अदला-बदली समझौते पर बातचीत करने के लिए हमास प्रतिनिधिमंडल आज

काहिरा जाने वाला है।

इधर, बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के बीच इजरायल की युद्ध कैबिनेट ने भी गाजा में युद्ध विराम के प्रस्तावों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की कैबिनेट के मंत्री इस मुद्दे पर आपस में ही उलझते और दो फाड़ दिखे। रक्षा मंत्री बेनी गैंट्ज ने कहा है कि अगर इजरायली सरकार बंधकों की रिहाई के समझौते को रोकती है तो उसे सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं रहेगा। दूसरी तरफ वित्त मंत्री बेजालेल स्मोटरिच ने कहा कि सरकार समझौते के लिए तैयार होती है तो यह शर्मनाक सरेंडर होगा। कट्टरपंथी इजरायली मंत्री प्रधानमंत्री नेतन्याहू को चेतावनी दे रहे हैं कि अगर हमास के साथ बंदियों के बदले युद्ध विराम पर सहमति बनी तो उनकी सरकार गिर जाएगी।ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने कहा है कि नई वार्ता के अनुसार इसमें 40 दिनों का युद्ध विराम शामिल होगा। अमेरिकी विदेश मंत्री ने भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि हमास इस उदार प्रस्ताव को स्वीकार करेगा। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन किर्बी ने कहा है कि इजरायल ने अमेरिका समेत अन्य पश्चिमी देशों को भरोसा दिया है कि वो रफाह में हमला नहीं करेगा।

हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा है कि पिछले 24 घंटों के दौरान इजरायल की ओर से किए गये हमलों में करीब 66 फिलिस्तीनियों की मौत हो गयी और अन्य 138 घायल हो गए हैं। पिछले साल सात अक्टूबर को इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष शुरू होने के बाद से गाजा पट्टी में मरने वालों की कुल संख्या 34,454 तक पहुंच गयी है और 77,575 लोग घायल हो गए।

स्कॉटलैंड के पहले मुस्लिम प्रथम मंत्री हमजा यूसुफ का इस्तीफा, पार्टी में हलचल; उत्तराधिकारी की तलाश तेज

स्कॉटलैंड, एजेंसी। मार्च 2023 में स्कॉटलैंड के पहले मुस्लिम प्रथम मंत्री के रूप में पदभार संभालने वाले पाकिस्तानी मूल के हमजा यूसुफ ने स्कॉटिश नेशनल पार्टी (एसएनपी) के नेतृत्व वाली सरकार से इस्तीफा दे दिया। बता दें कि पार्टी के अंदरखाने कई दिनों से उथल-पुथल चल रही थी। 39 वर्षीय यूसुफ ने बढ़ते नीतिगत मतभेदों के बीच पिछले सप्ताह स्कॉटिश ग्रीन पार्टी (एसजीपी) के साथ गठबंधन भी समाप्त कर दिया था। इस तरह से अल्पमत वाली एसएनपी सरकार पर संकट के बादल मंडराने लगे थे।

मैं किसी के साथ सौदा नहीं कर सकता– हमजा यूसुफ : इससे पहले एसएनपी की सहयोगी एसजीपी ने विपक्षी पार्टियों के साथ मिलकर दो अविश्वास प्रस्तावों का समर्थन किया था। पहला अविश्वास प्रस्ताव यूसुफ के नेतृत्व को लेकर था जबकि दूसरा प्रस्ताव स्कॉटिश सरकार के संबंध में था। इसे लेकर हमजा यूसुफ का कहना है कि अविश्वास प्रस्ताव को लेकर उनके पास भी विकल्प मौजूद था लेकिन उन्होंने वह रास्ता नहीं चुना। हमजा ने कहा कि मैं केवल सत्ता में रहने के लिए अपने मूल्यों और सिद्धांतों का व्यापार कर किसी के साथ सौदा नहीं कर सकता। उन्होंने कहा काफी सोचने के बाद वह इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि देश के लिए सबसे अच्छा क्या है।

मुझे जो अवसर मिला, उसके लिए आभारी हूं– हमजा यूसुफ : एडिनबर्ग के ब्यूट हाउस में दिए गए अपने भाषण में यूसुफ ने कहा कि मुझे दुख है कि मंत्री के रूप में मेरा कार्यकाल समाप्त हो रहा है, लेकिन नेतृत्व का जो अवसर मुझे मिला उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। उन्होंने अपने भाषण में प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, लंदन के मेयर सादिक खान का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब मैं छोटा था, तो मेरे जैसे दिखने वाले लोग राजनीति में प्रभावशाली पदों पर नहीं थे। अब हम ऐसे ब्रिटेन में रहते हैं जहां एक ब्रिटिश हिंदू प्रधानमंत्री और एक मुस्लिम मेयर भी हैं। यूसुफ ने कहा अब हम एक उत्तराधिकारी को कमान सौंपने की तैयारी करेंगे और मुझे पूरा यकीन है कि वह बेहतरीन काम करेंगे।

उत्तराधिकारी की तलाश जारी : यूसुफ अपने पद पर तब तक बने रहेंगे जब तक कि स्कॉटिश संसद में उनके स्थान पर प्रथम मंत्री का चयन नहीं हो जाता। यह स्कॉटिश नेशनल पार्टी (एसएनपी) के लिए उथल-पुथल का समय है। उधर विपक्षी दलों ने भी उनके इस्तीफे का स्वागत किया। पाकिस्तान मूल के राजनीतिज्ञ हमजा यूसुफ मार्च 2023 में यूनाईटेड किंगडम के स्कॉटलैंड में पहले इस्लामिक फर्स्ट मिनिस्टर बने थे। उन्हें 37 वर्ष की उम्र में सत्तारूढ़ स्कॉटिश नेशनल पार्टी (एसएनपी) के नए नेता के रूप में चुना गया था।

कनाडा में मुसलमानों को हलाल लोन देंगे ट्रूडो, शरिया कानून के हिसाब से करेगा काम

टोरंटो, एजेंसी। खालिस्तान समर्थक कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडोअब हलाल लोन को लेकर चर्चा में हैं। कनाडाई सरकार ने मुसलमानों को शरिया कानून के तहत हलाल के तहत होम लोन देने की घोषणा की। कनाडा एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है और हलाल लोन की घोषणा से कनाडा के लोग में गुस्सा है। हालांकि ट्रूडो सरकार का कहना है कि मुसलमानों को होम लोन देने में सुविधा देने के लिए हलाल मोर्गेज (लोन) लाया जा रहा है। इसमें मुसलमानों को फायदा भी होगा और वह शरिया कानून के तहत लोन ले सकेंगे।

पिछले सप्ताह कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने संघीट बजट पेश करते हुए देश के मुसलमानों को हलाल लोन के रूप में नया तोहफा दिया। उन्होंने घोषणा की कि मुसलमानों को होम लोन की सुविधा के लिए हलाल मोर्गेज दिया जाएगा। यह लोन पूरी तरह से शरिया कानून के तहत कार्य करेगा। उधर, ट्रूडो सरकार की घोषणा के बाद लोगों में गुस्सा है। आरोप है कि किसी धर्म विशेष के प्रति झुकाव नहीं रखने वाले कनाडा देश में तुष्टिकरण की राजनीति हो रही है।

क्या है हलाल लोन और कैसे दिया जाएगा : जस्टिन ट्रूडो और वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ़्रीलैंड ने 16 अप्रैल को 2024-25 का बजट जारी किया था, जिसमें अपने सपनों का घर खरीदने की इच्छा रखने वाले मुसलमानों के लिए

हलाल लोन की घोषणा की गई। इसके तहत किसी भी मुस्लिम को घर के लिए लोन दिया जा सकेगा। इस प्रक्रिया में शरिया कानून के तहत कार्यवाही की जाएगी। क्योंकि शरिया कानून के तहत ब्याज लेना हराम है। इसलिए लोन लेने वाला कर्ज चुकाने के दौरान उस घर पर बतौर किराएदार रह सकता है और कर्ज की रकम किराए के तौर पर बैंक को अदा करेगा। जैसे-जैसे उसका कर्ज कम होता जाएगा, उस घर पर उसका स्वामित्व होता जाएगा।

ट्रूडो सरकार का मामले में कहना है कि लोगों को कर्ज लेने के लिए सुविधा को देखते हुए ऐसा कदम उठाया गया है। मुसलमानों के लिए ब्याज की रकम हराम है, इसलिए लोन को शरिया कानून के तहत दिया जाएगा। इसलिए इस प्रक्रिया को हलाल मोर्गेज नाम दिया गया है। ट्रूडो का यह आदेश ऐसे समय में आया है जब कनाडाई सरकार ने विदेशियों के घर खरीदने पर प्रतिबंध बढ़ा दिया है।

ट्रूडो की लिबरल सरकार ने संघीय बजट 2024 में घोषणा तो कर दी है लेकिन, उसने वित्तीय संस्थानों और विभिन्न समुदायों के साथ मामले में परामर्श भी शुरू कर दिया है। सरकार का लक्ष्य यह समझना है कि सरकार की नीतियां घर खरीदने के इच्छुक कनाडाई लोगों की विविध आवश्यकताओं को कैसे बेहतर ढंग से पूरा कर सकती हैं।

संक्षिप्त समाचार

शहतूत के फल के सेवन से सेहत को अनगिनत फायदे

नई दिल्ली, एजेंसी। शहतूत के फल का सेवन से सेहत को अनगिनत फायदे पहुंचाता है. इसकी

पत्तियां, फल हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद ही फायदेमंद हैं. क्योंकि इसमें बहुत सारे औषधि गुण मौजूद होते हैं, जिससे यह हमें कई बीमारियों से छुटकारा दिलाता है। भीषण गर्मियां शुरू होने से पहले यानी अप्रैल में इस फल की खूब पैदावार होती है। विशेषज्ञ की मानें तो शहतूत दो प्रकार के होते हैं, एक तो हरे रंग का दूसरा काले रंग का। इसमें बहुत सारे औषधीय गुण होते हैं। शहतूत एक छोटा सा रसीला और स्वादिष्ट फल होता है, जो लाल, काले और सफेद रंग का होता है। इस फल में एंटीऑक्सिडेंट के साथ विटामिन ए, विटामिन-सी, एंथोसायनिन समेत कई अन्य पॉलीफेनोलिक यौगिक भरपूर मात्रा में होते हैं। यह हमें शुगर, कोलेस्ट्रॉल, अपच, कब्ज, चेहरे की झुर्रियां, अल्सर, पेट संबंधित कई बीमारियों से छुटकारा दिलाता है। अगर किसी का ब्लड शुगर बहुत हाई रहता है, उनको इसकी पत्तियों का रस निकाल करके सुबह-शाम खाना खाने से आधा घंटा पहले सेवन करना चाहिए। यह शुगर लेवल को बहुत ही जल्दी कंट्रोल कर देता है। वहीं अपच, कब्ज, कोलेस्ट्रॉल में भी शहतूत का फल काफी लाभ पहुंचाता है। वहीं अगर पेट संबंधित समस्या है जैसे अल्सर या पेट खराब रहता है, उसमें भी शहतूत फायदा पहुंचाता है।

आप नेता संजय सिंह ने कहा- लवली ने आप पार्टी गठबंधन में निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी। इस्तीफे पर आप नेता संजय सिंह ने कहा कि लवली ने आम आदमी पार्टी के

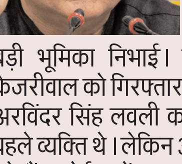

साथ गठबंधन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने ही दिल्ली में इंडिया गठबंधन बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। जब सीएम अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया जा रहा था, तो अरविंदर सिंह लवली कांग्रेस से पहुंचने वाले पहले व्यक्ति थे। लेकिन अब वह ऐसा क्यों कह रहे हैं। कोई उन्हें बताए। सूत्रों के अनुसार, अरविंदर सिंह लवली के त्यागपत्र देने व उसे स्वीकार करने के बावजूद अभी उत्तराधिकारी की ताजपोशी नहीं होगी। कांग्रेस आलाकमान लोकसभा चुनाव के बाद ही नए अध्यक्ष की नियुक्ति करेगा। फिलहाल, चुनाव पूरे दमखम से लड़ने और गठबंधन धर्म निभाने के लिए कार्यकारी अध्यक्ष के अलावा प्रदेश के 4-5वरिष्ठ नेताओं की एक कमेटी गठित करने पर विचार किया है। कांग्रेस आलाकमान लवली के संपर्क में हैं और उनसे उनकी नाराजगी के बारे में बात कर रहे हैं। इसी सबके बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस पर हमला बोला है।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला : मुश्किल में पूर्व सीएम के करीबी अधिकारी, टुटेजा से ईडी की पूछताछ जारी

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में कथित शराब घोटाले मामले को लेकर पूछताछ का दौर जारी है। ईडी की टीम लगातार शराब मामले में आरोपियों से पूछताछ कर रही है। इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री के बेहद ही करीब अधिकारी पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा से पूछताछ के बाद एक बार फिर कोर्ट में पेश किया गया। जहां कोर्ट ने टुटेजा को 4 मई तक रिमांड पर भेज दिया है। ईडी का कहना है कि अनिल टुटेजा से हुई पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली है। ईडी इस मामले में नए सिरे से जांच कर रही है जिसमें अनिल टुटेजा की भूमिका बेहद ही अहम मानी जा रही है। कई सबूत जिसे आमने-सामने बैठकर करनी है चर्चा- ईडी शराब घोटाले मामले को लेकर पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा को कोर्ट में पेश करने के बाद रायपुर के विशेष अदालत ने टुटेजा को 5 दिनों की रिमांड पर भेज दिया है। अनिल टुटेजा से ईडी 4 मई तक मामले में पूछताछ करेगी। इस पूरे मामले को लेकर ईडी के अधिवक्ता सौरभ पांडे ने बताया कि कोर्ट ने दोनों पक्ष के तर्क सुनने के बाद अनिल टुटेजा की रिमांड बढ़ाई है। सौरभ पांडे ने कहा कि टुटेजा से पूछताछ में कई हम सबूत मिले हैं। जिसके तथ्य हमारे पास मौजूद हैं, इस विषय पर आमने-सामने बैठकर चर्चाएं करनी है। इस पूरे कथित 2000 करोड़ के शराब घोटाले मामले को लेकर ईडी की पहले रेड की कार्रवाई की बाद में कई आरोपित से पूछताछ की गई। जिसके बाद उन्हें ज्यूडिशियल रिमांड पर भेज दिया गया था। बाद में सभी आरोपियों को जमानत मिल गई। इसके बाद एसीबी मामले की जांच नए सिरे से शुरू कर दी है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग का केस मामले से खत्म करने के बाद ईडी ने इस पूरे मामले में नई एफआईआर दर्ज करते हुए दूसरी तरफ मामले की नए सिरे से जांच कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट में बोली मुस्लिम युवती- साहब मुझे हिंदुओं जैसा संपत्ति का अधिकार चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के सामने कई बार चौंकाने वाले मामले आते हैं। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली खंडपीठ के सामने एक ऐसी अर्जी आई, जिसमें एक मुस्लिम युवती ने यह कहते हुए भारतीय उत्तराधिकार कानून के तहत संपत्ति बंटवारे का निर्देश देने की मांग की थी कि वह इस्लाम नहीं मानती है। महिला का तर्क था कि वह भले ही मुस्लिम परिवार में जन्मी है लेकिन उसकी आस्था अब इस्लाम धर्म में नहीं है। इसलिए उसकी पैतृक संपत्ति का बंटवारा शरिया कानून के तहत ना होकर भारतीय उत्तराधिकार कानून के तहत करने का निर्देश दिया जाय।खंडपीठ में जस्टिस चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी थे।

महिला के वकील के तर्कों को सुनने के बाद तीनों जजों की बेंच ने उस पर गहन विचार-विमर्श किया और इस नतीजे पर पहुंची कि यह मुद्दा महत्वपूर्ण है। इसके बाद सीजेआई ने अटॉर्नी जनरल को इस मामले में एमिकस क्यूरी बहाल करने का निर्देश दिया, जो अदालत को कानूनी और तकनीकी पहलुओं से परिचित करा सके। इस मामले की अगली सुनवाई अब जुलाई 2024 के दूसरे सप्ताह में निर्धारित है।याचिका पर सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि भारतीय उत्तराधिकार कानून मुस्लिम धर्म में जन्मे व्यक्तियों को धर्मनिरपेक्ष कानून का लाभ उठाने से रोकता है, भले ही वे शरीयत कानून की धारा 3 के तहत औपचारिक रूप से ये घोषणा करें कि वे अब इस्लामी कानून का पालन नहीं करना चाहते हैं। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि भारतीय उत्तराधिकार कानून की धारा 58 में कहा गया है कि यह मुसलमानों पर लागू नहीं होता है। भले ही आप शरिया अधिनियम के तहत घोषणा न करें, वसीयत आदि पर कोई धर्मनिरपेक्ष अधिनियम नहीं है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि जब आप शरियत भी नहीं मानेंगे तो फिर आप पर कौन सा नियम लागू होगा यह एक अहम विषय है। इसके बाद सीजेआई ने इस पर एक कानूनी अधिकारी के नियुक्ति का आदेश दिया।

यह रिट याचिका केरल की एक महिला सफिया पीएम ने दायर की है। सफिया केरल में पूर्व-मुस्लिमों (जो मुस्लिम परिवार में जन्में लेकिन अब इस्लाम में आस्था नहीं रखते) का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संघ की महासचिव हैं। अपनी याचिका में सफिया ने एक डिक्लेरेशन दिया कि जो व्यक्ति मुस्लिम पर्सनल लॉ से बंधे नहीं रहना चाहते हैं, उन्हें देश के धर्मनिरपेक्ष कानूनों, विशेष रूप से 1925 के भारतीय उत्तराधिकार कानून के तहत वसीयत और गैर वसीयत उत्तराधिकार के मामलों में अधिकार मिलना चाहिए। महिला ने तर्क दिया कि संविधान का अनुच्छेद 25 उसे किसी भी धर्म में आस्था रखने या न रखने की आजादी देता है। इसके साथ ही उनसे कहा कि उसके में पिता भी इस्लाम में आस्था नहीं रखते हैं इसलिए वह भी शरिया कानून के मुताबिक वसीयत नहीं लिखना चाहते हैं। इस पर सीजेआई ने कहा कि अगर आप इसकी घोषणा नहीं करते हैं, तो धारा 3 के तहत आप इस कानून के अधीन नहीं आएंगे।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, मैं महिला हूँ, और मेरे भाई को डाउन सिंड्रोम है, उसे 2/3 संपत्ति दी गई है तो क्या मुझे भी वसीयत नहीं की जा सकती है। मेरी एक बेटी है। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा, इसकी हम घोषणा कैसे कर सकते हैं सीजेआई ने कहा, आपके अधिकार या हक आस्तिक या नास्तिक होने से नहीं मिलते बल्कि ये अधिकार आपको आपके जन्म से मिले हैं। अगर मुसलमान के रूप में पैदा होते हैं,तो आप पर मुस्लिम पर्सनल लॉ लागू होगा। जहां तक आपके पिता का सवाल है तो वह भी धारा-3 से बाध्य हैं। जब तक वह भी घोषणा नहीं करते तब तक वह धारा- 2 से बंधे रहेंगे।

एक मई को अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के रूप में क्यों मनाया जाता है महाराष्ट्र दिवस

मुंबई, एजेंसी। एक मई, मई महीने का पहला दिन, दुनिया भर के श्रमिकों, कामगारों को समर्पित है। इसलिए इस दिन को इंटरनेशनल लेबर डे यानी अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के रूप में मनाया जाता है। मजदूर दिवस को मजदूर दिवस या मई दिवस के नाम से भी जाना जाता है। श्रमिकों को सम्मान देने के अलावा यह दिन श्रमिकों के अधिकारों के लिए आवाज उठाने और समाज में श्रमिकों की स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से भी मनाया जाता है। किसी भी देश के विकास में श्रम की अहम भूमिका होती है। प्रत्येक कार्य क्षेत्र श्रमिकों की मेहनत पर निर्भर करता है। श्रमिक किसी विशेष क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि मजदूरों को एक खास दिन कब और कैसे समर्पित किया गया पहली बार मजदूर दिवस क्यों मनाया गया

यह दिवस पहली बार कब मनाया गया था : अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस हर साल 1 मई को मनाया जाता है। 1889 में पहली बार मजदूर दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। इस दिन को मनाने की योजना अमेरिका के शिकागो में शुरू हुई, जब मजदूर एकजुट होकर सड़कों पर उतरे।

हम मजदूर दिवस क्यों मनाते हैं : यह आंदोलन 1886 से पहले अमेरिका में शुरू हुआ था। अमेरिकी कर्मचारी सड़कों पर उतर आये. मजदूर अपने हक के लिए हड़ताल पर चले गये. इस आंदोलन का कारण मजदूरों के काम के घंटे थे. उन दिनों मजदूर 15-15 घंटे काम करते थे. प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने मजदूरों पर फायरिंग कर दी. इस दौरान कई मजदूरों की जान चली गई. सैकड़ों मजदूर घायल हो गए.

मजदूर दिवस मनाने का प्रस्ताव : इस घटना के तीन वर्ष बाद 1889 में अंतर्राष्ट्रीय समाजवादी सम्मेलन हुआ। इस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि प्रत्येक मजदूर को प्रतिदिन केवल 8 घंटे काम करना होगा। सम्मेलन के बाद 1 मई को मजदूर दिवस मनाने का निर्णय लिया गया. हर वर्ष इस दिन श्रमिकों को छुट्टी देने का भी निर्णय लिया गया। बाद में अमेरिका के श्रमिकों की तरह कई अन्य देशों में भी 8 घंटे काम का नियम लागू हो गया।

भारत में मजदूर दिवस : अमेरिका में मजदूर दिवस मनाने का प्रस्ताव 1 मई 1889 को लागू हुआ, लेकिन भारत ने 34 साल बाद इस दिन को मनाना शुरू किया। भारत में भी मजदूर उत्पीड़न और शोषण के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। मजदूरों का नेतृत्व वामपंथियों ने किया. उनके आंदोलन के मद्देनजर 1 मई 1923 को चेन्नई में पहली बार मजदूर दिवस मनाया गया।

यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, अक्तूबर में शुरू होगी यात्री उड़ानें

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से अक्तूबर 2024 में यात्री उड़ानें शुरू होने जा रही है। इससे पहले हवाई अड्डे की प्रमुख शहरों से सीधे कनेक्टिविटी के लिए सड़क मार्गों से जोड़ने का काम तेजी से चल रहा है। जेवर में तैयार हो रहा नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा 15 जून तक यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़ जाएगा जबकि हवाई अड्डे से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी के लिए अभी इंतजार करना होगा। दोनों को जोड़ने वाले 31 किमी लंबे ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का काम हरियाणा सीमा में शुरू तक नहीं हो पाया है। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से अक्तूबर में यात्री उड़ानें शुरू हो जाएंगी। इससे पहले हवाई अड्डे की प्रमुख शहरों से सीधे कनेक्टिविटी के लिए सड़क मार्गों से जोड़ने का काम तेजी से चल रहा है। निर्माणकर्ता कंपनी कि माने तो, यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाले इस हिस्से का 80 प्रतिशत काम हो चुका है बाकी को जल्द पूरा कर लिया जाएगा। वहीं दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए हरियाणा के बल्लभगढ़ से एयरपोर्ट तक ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) कर रहा है। इसका 22 किमी का हिस्सा हरियाणा में और 9 किमी का हिस्सा उत्तर प्रदेश की सीमा में तैयार होना बाकि है।

ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराएगी लग्जरी ट्रेन,28 जून शुरु होगी यात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईआरसीटीसी की रामायण सर्किट यात्रा की सफलता के बाद 28 जून से देव दर्शन यात्रा के लिए सुपर लग्जरी एसी ट्रेन शुरू करने का निर्णय लिया गया है। लग्जरी ट्रेन में एसी-1 के कुपे व केबिन के साथ एसी-2 और एसी-3 श्रेणी के कोच होंगे। ट्रे में ऑनबोर्ड रेस्त्रां होगा। एसी-1 व एसी-2 के तीर्थ यात्री रेस्त्रां में बैठकर नश्ता, खाना, सुबह-शाम चाय-काफी का लुफ्त उठा सकेंगे। जबकि एसी-3 के शिवभक्तों को उनकी बर्थ पर खाना, चाय, नाश्ता आदि दिया जाएगा। भारतीय रेल वाराणसी स्थिति बाबा विश्वनाथ, काशी कॉरिडोर और गंगा आरती के दर्शन के लिए अगले माह से सुपर लग्जरी ट्रेन चलाने जा रही है। रेलवे देव दर्शन यात्रा में बद्रीनाथ, जोशीमठ, सहित देश के कई ज्योतिर्लिंग मंदिरों के दर्शन कराएगी। सुपर लग्जरी ट्रेन में रेस्त्रां महादेव भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा। जहां शुद्ध व ताजा शकाहारी नश्ता, भोजन मिलेगा। सभी भक्तों का बीमा और ट्रेन में ऑनबोर्ड सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम रहेगा।

आईआरसीटीसी के प्रवक्ता ने बताया कि

ई-टिकट के पीएनआर में छह यात्री में से किसी एक यात्री की बर्थ कन्फर्म है और शेष पांच की वेटिंग टिकट होने के बावजूद सभी यात्रियों को रेल यात्री वैकिल्पक बीमा कवर दिया जाता है। नियमतः पीएनआर में एक यात्री के कन्फर्म टिकट पर शेष यात्री वेटिंग टिकट पर यात्रा करने के लिए वैध हैं। यदि पीएनआर में एक भी यात्री का टिकट कन्फर्म नहीं है तो रेलवे सिस्टम स्वतः टिकट रद कर देता है और पैसे उनके बैंक खाते में आ जाता है। जिससे उक्त पीएनआर पर यात्रा नहीं की जा सकती है। इसी प्रकार पांच साल से कम उम्र के बच्चे व आधी टिकट पर सफर करने वाले बच्चों को बीमा कवर दिया जाता है। ये रहा सफर का किराया रेलवे के अधिकारी ने बताया कि देव दर्शन ट्रेन दिल्ली के सफदरजंग से सफर शुरू करेगी। ट्रेन में गाजियाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर से तीर्थ यात्री सवार हो सकेंगे और राजकोट, पालनपुर, अजमेर, रेवाणी से उतर सकेंगे। ट्रेन दिल्ली से जोशीमठ, बद्रीनाथ, ऋषिकेश, वाराणसी, कांचीपुरम, रामेश्वरम, पुणे, नासिक, द्वारकाधीश से होते हुए दिल्ली में आकर समाप्त होगी। 17 दिन की यात्रा में जोशीमठ, ऋषिकेश, काचीपुरम, रामेश्वरम, पूणे द्वारकाधीश, वाराणसी, नासिक में एक से दो रात का डीलक्स श्रेणी होटल में ठहराव होगा व ज्योतिर्लिंग मंदिरों के दर्शन कराए जाएंगे। सुपर लग्जरी ट्रेन के एसी-1 का किराया 1,55,740 से 1,80,440 लाख रुपये, एसी-2 का 1,44,325 से 1,67,725 लाख रुपये व एसी-3 का 83,970 से 95,520 हजार रुपये होगा। ट्रेन के प्रत्येक कोच में सुरक्षा गार्ड मौजूद रहेंगे। सभी कोचों में इलेक्ट्रॉनिक लॉकर और सीसीटीवी कैमरे की सुविधा होगी।

कश्मीर में भारी बारिश से बिगड़े हालात, भूस्खलन होने से नेशनल हाईवे ठप; बंद रहेंगे स्कूल

कश्मीर , एजेंसी। कश्मीर में बीते तीन दिनों लगातार बारिश हुई, जिसके कारण नदियों और नालों का जल स्तर काफी बढ़ गया है। इसे देखते हुए एहतियात के तौर पर मंगलवार को घाटी के सभी स्कूलों को बंद करने की घोषणा की गई। कश्मीर यूनिवर्सिटी ने भी मंगलवार को होने वाली परीक्षाएं टाल दी हैं। घाटी में भारी बारिश के बाद भूस्खलन की अनेक घटनाएं हुईं। इसे देखते हुए सोमवार को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को यातायात के लिए बंद कर दिया गया। कश्मीर को देशभर से जोड़ने वाले इस राजमार्ग पर रामबन जिले के मेहर, गांगरू, मोम पस्सी और किश्तवाड़ी पाथेर में भूस्खलन देखा गया। अधिकारियों ने कहा कि बारिश जारी होने की वजह से मरम्मत का काम नहीं हो पा रहा है। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि जब तक राजमार्ग से मलबा साफ नहीं हो जाता, तब तक यहां से गुजरने से बचें। जम्मू के पुंछ और राजौरी जिलों को दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले से जोड़ने वाला वैकल्पिक मार्ग मुगल रोड भी पीर की गली और आसपास के क्षेत्रों में हिमपात की वजह से तीसरे दिन बंद रहा। एक अधिकारी

ने कहा कि रविवार को हुंजाला में नायगड़ जल आपूर्ति योजना के 250 मिलीमीटर के मुख्य पाइप क्षतिग्रस्त हो गई। इसके बाद किश्तवाड़ शहर में जल आपूर्ति रुक गई थी जिसे बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है। बाशा-सिंबूल गांव में भूस्खलन से ढहे 2 मकान पुलिस अधिकारियों ने कहा कि किश्तवाड़ के बाशा-सिंबूल गांव में भूस्खलन से 2 मकान ढह गए। रामबन और सांबा जिलों में रात में बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में बड़ी संख्या में मवेशी मारे गए। वहीं, पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन ने बाढ़ के खतरे को देखते हुए प्रशासन से निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि घाटी में रविवार शाम से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने स्थानीय आबादी पर कहर बरपाया है। साथ ही कश्मीर संभाग के गांवों और कस्बों में बाढ़ के खतरे की जद में हैं। उन्होंने कहा, मुझे कुपवाड़ा, बंदीपोरा, सोपोर और यहां तक कि श्रीनगर शहर के कुछ हिस्सों सहित विभिन्न जिलों से फोन आ रहे हैं।

रेप पीड़िता के माता पिता से बात कर सुप्रीम कोर्ट का आदेश पलटा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला की पीठ ने 22 अप्रैल को मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट देखने के बाद 14 साल की नाबालिग को गर्भपात कराने की अनुमति दे दी थी। पीठ ने संविधान के अनुच्छेद-142 के तहत पूर्ण न्याय करने की अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए यह फैसला दिया था। इसके साथ ही, पीठ ने अपने आदेश में कहा था कि 'मेडिकल बोर्ड ने नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता के स्वास्थ्य की जांच की है और रिपोर्ट से साफ है कि गर्भावस्था जारी रहने से पीड़िता को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।' सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार 14 साल की नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता के गर्भ में पल रहे 31 सप्ताह के भ्रूण को समाप्त करने की अनुमति देने के अपने आदेश को वापस ले लिया। शीर्ष अदालत ने नाबालिग बच्ची के माता-पिता से बातचीत करने के बाद अपना आदेश वापस लिया है। बच्ची के माता-पिता ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिए मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ से बातचीत की और उन्होंने अपनी बेटी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताते हुए, बच्चे को जन्म देने की इच्छा जाहिर की थी।

शीर्ष अदालत ने बंबई हाईकोर्ट के आदेश को रद्द करते हुए नाबालिग को गर्भपात की अनुमति दी थी। हाईकोर्ट ने नाबालिग को गर्भपात कराने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। इस मामले में पीठ ने 19 अप्रैल को पीड़िता के स्वास्थ्य की जांच के लिए मेडिकल बोर्ड गठित करने का आदेश दिया था। मेडिकल बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट में पेश अपनी रिपोर्ट में कहा गया कि यदि पीड़िता गर्भावस्था को जारी रखने से उसकी शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ेगा। कानून के मुताबिक 24 सप्ताह से अधिक के गर्भ को अदालत की अनुमति के बगैर खत्म नहीं किया जा सकता है। पीठ ने कहा था कि मेडिकल रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए पीड़ित नाबालिग लड़की को गर्भपात की अनुमति दी जा रही है। इसके साथ ही, मुंबई के सायन अस्पताल के डीन को नाबालिग का गर्भपात कराने के लिए डॉक्टरों के दल का तत्काल गठन करने का आदेश दिया था।बच्ची की माता-पिता से बातचीत करने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बच्चे का हित सर्वोपरि है। पीठ ने कहा कि नाबालिग पीड़िता के माता-पिता ने बेटी को घर ले जाने और बच्चे को जन्म देने की इच्छा जाहिर की है। इसके मद्देनजर, 22 अप्रैल को पारित आदेश को वापस लिया जाता है, जिसके तहत गर्भपात कराने की अनुमति दी गई थी।

बिहार से लोकतंत्र में महिलाओं की हिस्सेदारी ना के बराबर...भाजपा और कांग्रेस ने किसी महिला प्रत्याशी को नहीं दिया टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला सशक्तीकरण की मिसाल से भरी माता जानकी की भूमि मिथिला में महिलाओं को लोकतंत्र में वह हिस्सेदारी नहीं मिल सकी, जो संविधान ने उन्हें दी है। बिहार में अबतक 17 बार लोकसभा चुनाव हुए और महज 34 महिला ही सदन पहुंचने में सफल हुई है।

विधायिका में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की पुरजोर वकालत करने वाले राजनीतिक दलों ने भी महिलाओं की इस बार कोई सुध नहीं ली और टिकट बंटवारे के समय चुप्पी साध ली। भरपूर सम्मान एवं बराबरी की हिस्सेदारी का दावा करने वाले राजनीतिक दल इस चुनाव में भी आधी आबादी से किए अपने वादे भूल गए। बिहार में अबतक हुए लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक चार बार जीतने वाली रमा देवी को भाजपा ने इस बार के चुनाव में शिवहर से बेटिकट किया है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में सीटों में तालमेल के तहत शिवहर सीट जदयू को मिली है। जदयू ने शिवहर सीट से पूर्व सांसद लवली आनंद को उतारा है।महिला आरक्षण बिल या नारी शक्ति वंदन विधेयक पास कराने वाले एनडीए ने इस बार के लोकसभा चुनाव में महिला शक्ति को नजर अंदाज किया है। भाजपा ने बिहार में एक भी महिला उम्मीदवार को टिकट नहीं दिया है।

राजग के घटक दल जदयू ने दो महिला सीवान से विजया लक्ष्मी देवी और शिवहर से लवली आनंद को टिकट दिया है। वहीं लोजपा-रामविलास ने वैशाली से वीणा देवी और समस्तीपुर से शांभवी चौधरी को उम्मीदवार बनाया है। वहीं हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने किसी महिला को प्रत्याशी नहीं बनाया है। कुल मिलाकर राजग ने चुनाव में 40 सीट में से चार सीट पर महिलाओं को टिकट दिया है। जबकि इंडिया गठबंधन ने छह महिला शक्ति पर भरोसा जताया है।

राजद ने बिहार में आधी आबादी को टिकट देने के मामले में इस बार सभी दलों से बाजी मार ली है। गैया बकरी चरती जाए, मुनिया बेटी पढ़ती जाए। नारा देने वाले राजद सुप्रीमो लालू ने सर्वाधिक छह महिलाओं को मैदान में उतारा है। इसमें राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की दो पुत्री मीसा भारती और रोहिनी आचार्य, बीमा भारती, रितु जायसवाल, अनिता देवी और अर्चना रविदास शामिल है। इसमें मीसा भारती को छोड़ अन्य पांच महिला शक्ति पहली बार लोकसभा के रण मे अपनी तकदीर आजमा रही हैं। इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस ने किसी महिला शक्ति को मौका नहीं दिया है। इंडिया गठबंधन में शामिल वामदल ने भी किसी महिला को चुनाव में नहीं जगह दी है। वामदल में शामिल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी (भाकपा-माले) से कोई महिला चुनावी मैदान में नही हैं। इंडिया गठबंधन में शामिल विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) ने भी इस चुनाव में महिला शक्ति की उपेक्षा की और किसी महिला को मौका नहीं दिया। फिलहाल लोकसभा में बिहार की तीन महिला सांसद हैं, जो महज 7.5 फीसद भागीदारी हैं। यदि महिला आरक्षण लागू हुआ।

सात्विक प्रो0 प्रा0 लि0 कोलकता, पं0 बंगाल के लिए प्रकाशक और मुद्रक निभा रंजन सुमन द्वारा स्वप्नोनीर अपार्टमेंट, राजरहाट, कोलकता तथा दलादिली सिमलिया से मुद्रित। संपादक - निभा रंजन सुमन 7033777771 स्थानीय संपादक पवन कुमार सिन्हा 7091094434 सभी तरह के विवादों का निपटारा रांची व्यवहार न्यायालय में होगा।